RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Div./244/2020-2022
Desp. Date - 02 January, 2022

अंक – 07 (मासिक) वर्ष – 17 जनवरी, 2022 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

एकता का नववर्ष

अभिनंदन 2022

सेवा सदन के फिर बने सिरमौर रामकुमार भूतड़ा

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2022
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

RR KĀBEL

MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME

DO THE
AKALMAND
THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-07 ▸▸ जनवरी 2022 ▸▸वर्ष-17

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
सुनीलकुमार मूंदड़ा, अजमेर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

नववर्ष में लें सदैव 'समत्वबुद्धि' का संकल्प

संसार की काल यात्रा में एक वर्ष का समापन और नए वर्ष का प्रारंभ केवल मनुष्यों के लिए महत्व रखता है, इसलिए कि केवल हम मनुष्य ही कालगणना करते हैं। धरती के शेष प्राणियों या जड़-चैतन्य प्रकृति के लिए विराट और अनन्त काल यात्रा में 'वर्ष-परिवर्तन' का कोई अर्थ नहीं है। पशु-पक्षी, पेड़-पर्वत, सागर-सरिताएँ काल की यात्रा के किसी पढ़ाव से प्रभावित या प्रेरित नहीं होते किन्तु एक वर्ष का अंत और नए वर्ष का शुभारंभ मनुष्य जाति को अवश्य ही प्रभावित व प्रेरित करता है। एक वर्ष का जाना हमें जाते वर्ष में किए गए कार्यों का आंकलन और आने वाले वर्ष में नए संकल्प लेने की प्रेरणा देता है।

हर बार नया वर्ष प्रारंभ होने पर हम पहले से और अधिक सार्थक जीवन की कामना में कोई नया संकल्प धारण करते हैं और फिर पूरे एक साल तक यथाशक्ति उसे साधने का यत्न करते हैं। अंग्रेजी कैलेंडर के मान से प्रारंभ हुए इस नववर्ष में हमारा संकल्प क्या हो, इसका चयन करने में महाभारत की यह कथा सहायक सिद्ध हो सकती है।

शांतिपर्व की कथा है कि एक बार मुनिश्रेष्ठ असित देवल ने महामुनि जैगीषव्य से पूछा कि 'मुनिवर! यदि आपको कोई प्रणाम करे तो आप अधिक प्रसन्न नहीं होते और निंदा करे तो भी आप उस पर क्रोध नहीं करते। यह बुद्धि आपको कैसे प्राप्त हुई और आपकी इस बुद्धि का परम आश्रय क्या है?'

तब महाज्ञानी जैगीषव्य ने मुस्कुराते हुए कहा कि श्रेष्ठ पुरुषों का यही लक्षण है कि उनकी बुद्धि सबके प्रति सदा एक-सी रहती है। 'सर्वतश्च प्रशान्ता ये सर्वभूतहिते रताः। न क्रुद्धयन्ति न हृष्यन्ति नापराध्यन्ति कर्हिचित्।।' अर्थात् वे सर्वथा शांत और सम्पूर्ण प्राणियों के हित में संलग्न रहते हैं। न कभी क्रोध करते हैं, न कभी हर्षित होते हैं और न ही किसी के प्रति कोई अपराध करते हैं।

महामुनि जैगीषव्य का कहना था कि 'जो धर्म के अनुसार चलते हैं वे ही धर्मज्ञ हैं। जो धर्म मार्ग से भ्रष्ट हो जाते हैं, उन्हें ही हर्ष-उद्वेग प्राप्त होते हैं। इसलिए जो व्यक्ति उत्तम गति पाना चाहते हैं उन्हें सदैव सभी के प्रति 'समत्व बुद्धि' वाले इस उत्तम व्रत का आश्रय लेना चाहिए। जो हमेशा ही हृदय की अज्ञानमयी गाँठ खोलकर चारों ओर आनन्द से विचरते तथा मान-अपमान से अप्रभावित रहते हैं, उनका जीवन उन्हीं की तरह सुखी और अभ्युदयशील हो जाता है।

साधो! सार यह कि नववर्ष में प्रत्येक परिस्थिति में, सुख-दुःख में, लाभ-हानि में, मान-अपमान में, जीवन-मरण में, 'समत्वबुद्धि' का यह महान व्रत ही हमारा संकल्प बने तो संसार यात्रा में जीवन निश्चित ही सुखमय हो सकता है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

सहमति का शास्त्र

अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन जैसे विराट संस्थान के चुनाव निर्विरोध हो जाना सबसे उत्साहजनक खबर है। समाज में आम सहमति की यह नई कोंपल इस महावृक्ष को और समृद्ध और विस्तार देंगी जिसकी छाया में समाज के ज्यादा लोगों को प्रश्रय मिलेगा। सेवा सदन की गरिमा और आदर्श सदैव उच्च रहे हैं। इस संस्थान के दो प्यारे शब्द 'सेवा' और 'सदन' समाजजन को सुकून का अहसास कराते हैं। सेवा एक ऐसा माध्यम है जिससे आपसी बंधुत्व और समर्पण पुष्ट होता है तथा सदन एक विश्वास है, इसकी महत्ता किसी पथिक से ज्यादा कोई नहीं जानता। इसलिए इस संस्थान का नामकरण करते वक्त हमारे अग्रजों की भावना निश्चित तौर से समाज में सेवा और बंधुत्व को मजबूत करने की रही होगी। सेवा सदन के हालिया चुनाव ने उनकी इस अवधारणा को साकार किया है। निश्चित तौर से रामकुमार भूतड़ा और उनके साथियों के नेतृत्व में संस्थान इस भावना को और आगे ले जाएगा। भूतड़ाजी का यह तीसरा कार्यकाल है। उनके कामकाज की शैली और सेवा भावना से कोई अपरिचित नहीं है। निवृत्तमान अध्यक्ष जुगल किशोर बिडला ने भी संस्थान को आगे बढ़ाने में महती योगदान दिया है। सेवा सदन का नया कार्यकाल समाज के हित में नए फैसलों का होगा, यह हम उम्मीद कर सकते हैं। इससे संस्थान की साख बढ़ेगी और समाज को लाभ होगा। वस्तुतः सहमति शब्द अपने आप में एक शास्त्र है। सहमति का दायरा कितना विस्तृत है, इसे वही समझ सकता है जिसके मन में सेवा और समर्पण ने जगह बना ली हो। जब हम स्वार्थ से ऊपर उठ कर बात करते हैं तो सहमति के लिए हमारे भीतर कोई विकार नहीं रह जाता। निर्विकार भावना ही सहमति के लक्ष्य तक पहुंचाती है। सेवा सदन ने यह कर दिखाया है। क्या ही अच्छा हो अन्य संस्थाओं के चुनावों में भी ऐसी ही सहमति की नई कोंपलें प्रस्फुरित हों।

नया साल 2022 की आप सभी को शुभकामनाएं। यह साल हम सब के लिए मंगलमय रहे। दो साल से कोरोना के संक्रमण से जूझ रहे देश ही नहीं विश्व को इस महामारी से निजात मिलेगी, यह उम्मीद हमें है। कोरोना का पहला और दूसरा दौर बीत चुका और अब तीसरे दौर की आशंका में लोग भयभीत हैं। विकसित देशों में कोरोना के नए स्वरूप ने धावा बोला लेकिन भारत अभी इसकी चपेट से कुछ हद तक बचा हुआ है। ओमिक्रोन को लेकर दुनिया के देशों में हड़कंप है लेकिन भारत में इसके केस मिलने के बावजूद निश्चिंतता नजर आती है। कई लोग बिंदास कोरोना गाइड लाइन का उल्लंघन करते नजर आते हैं। उन्हें जैसे भय ही नहीं कि ओमिक्रोन ने पांव पसारे तो क्या स्थिति बनेगी? जिन लोगों ने वैक्सीन के दोनों डोज लगवा लिए वे निश्चिंत हैं, यह समझ आता है लेकिन उन लोगों को कैसे समझाएं जो अब भी पहला वैक्सीन भी नहीं लगवा रहे। वे लोग भी खतरा लेकर घूम रहे हैं जिनका पहला वैक्सीन हो चुका लेकिन दूसरा बाकी है। उन्हें लगता है कि अब कोरोना नहीं है। वे वैक्सीन लगवाएं या नहीं, कोरोना नहीं होगा। लेकिन वैज्ञानिक कह रहे हैं कि वैक्सीनेशन के दोनों डोज जरूरी हैं। दूसरा डोज अत्यंत जरूरी है। सरकार और प्रशासन इसके लिए घर-घर दस्तक दे रहे हैं। चौराहों पर पूछताछ की जा रही है। मोबाइल वेन घूम रही हैं। अब और क्या करे सरकार? कोरोना को खत्म करना है तो वैक्सीनेशन जरूर कराएं। इस मामले में समाजसेवियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। सरकार उनकी सेवाएं भी ले रही हैं। हम सब की जिम्मेदारी है कि अपना वैक्सीनेशन स्वयं करवाएं, स्वयं और दूसरे को भी इस खतरे से बचाएं।

नए साल पर पुनः आप सभी को मंगलकामनाएं। यह अंक हमेशा की तरह सभी स्थायी स्तंभों, आलेखों और रोचक सामग्री से परिपूर्ण बनाने की कोशिश की है। अपनी प्रतिक्रिया से जरूर अवगत कराएं।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

राजस्थान की हृदय-स्थली अजमेर जिले के श्रीनगर ग्राम में 29 जुलाई, 1960 को स्व. श्री बिशनलाल व श्रीमती तुलसीदेवी मूंदड़ा के यहाँ जन्में श्री सुनीलकुमार मूंदड़ा मानव ही नहीं अपितु जीव-मात्र की सेवा को समर्पित समाजसेवी हैं। आपका सेवा सदन, पुष्कर की नींव के साथ हमेशा जुड़ाव रहा है। आपने सन् 1999 से 2003 तक सेवा-सदन के उपाध्यक्ष व सन् 2003 से 2016 तक महामंत्री जैसे पदों का सफल निर्वहन किया। साथ ही आपने समय-समय पर श्री अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, अजमेर जिला माहेश्वरी सभा, श्री माहेश्वरी समाज अजमेर, श्रीनगर माहेश्वरी नवयुवक मण्डल आदि के विभिन्न पदों पर रहकर समाज हितार्थ कार्य संपादित किये। अत्याचार एवं भ्रष्टाचार अन्वेषण संस्थान दिल्ली, मानव अधिकार परिषद्, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन दिल्ली, अजमेर जिला ऑटोमोबाईल्स डीलर एसोसिएशन आदि संस्थाओं के विभिन्न पदों को भी सुशोभित किया है। आपके निर्देशन में श्रीनगर में निरन्तर 5 वर्षो तक निःशुल्क नेत्र-ऑपरेशन शिविर आयोजित हुआ, जिसने अनेक दृष्टिहीन लोगों के जीवन को रोशन किया। आप अजमेर स्थित सीता गौशाला व कबूतरशाला एवं अन्य मूक जीव-जन्तुओं की सेवा से भी सम्बद्ध हैं। आपके सेवा-कार्यों में आपकी सहधर्मिणी श्रीमती इन्द्रा मून्दड़ा का भी पूर्ण सहयोग रहता है। आपने वाणिज्य संकाय से स्नातक उपाधि प्राप्त कर अपने पैतृक व्यवसाय को और ऊँचाईयां प्रदान की। वर्तमान में अपने अनुजों के सहयोग से अजमेर में श्री लक्ष्मी कृषि यंत्रालय, कमल ऑटोमोबाईल, लक्ष्मी इंजीनियरिंग, कमल हाइड्रोलिक्स एण्ड फ्लेक्सिबल आदि प्रतिष्ठानों व फैक्ट्री का सफल संचालन कर रहे हैं। आपके सुपुत्र कार्तिक मून्दड़ा भी आपके पदचिन्हों पर अग्रसर हैं।

समाज को युवा सोच की आवश्यकता

हमारी सभ्यता और संस्कृति विश्व की एकमात्र ऐसी सभ्यता है जो हजारों वर्षों से ना केवल विद्यमान है, बल्कि हर कालखण्ड के हिसाब से प्रासंगिक भी है। कालांतर में मिस्त्र, यूनान, माया, बेबीलोन और ना जाने कितनी सभ्यताओं का जन्म हुआ और कुछ समयावधि में वह समाप्त भी हो गई। परन्तु सनातन सभ्यता जिसका केन्द्र भारतखण्ड था, वह आज भी वैश्विक मानचित्र पर अंकित है और ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की भावना को पोषित कर रही है। भारतीय सभ्यता और संस्कृति के हजारों वर्षो से बचे रहने का सबसे बड़ा कारण है एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को अपनी परम्पराओं का निरंतर हस्तांतरण। मेरा अपने समाज के युवाओं से कहना है कि अपने देश की संस्कृति पर गर्व करने के साथ हमें हमारी सामाजिक संस्कृति पर भी गौरव होना चाहिए। सामाजिकता के परिवेश में माहेश्वरी समाज दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। हमारे समाज ने देश-दुनिया को कई धरोहरें दी हैं व सेवा के कई प्रतिमान स्थापित किये हैं। जब भी विश्व-कल्याणार्थ कोई सेवायज्ञ में अपनी आहूतियां देने का आवाह्न होता है तब माहेश्वरी समाजबंधु अपनी सेवा की आहूतियां देने के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़े दिखाई देते हैं। वैसे तो माहेश्वरी समाज को अन्य वैश्य समाजों की भांति अर्थ-सहयोगी समाज के रुप में जाना जाता है, परन्तु वर्तमान समय में सम्पूर्ण विश्व को माहेश्वरी समाज के युवाओं से और भी अधिक की अपेक्षाऐं हैं। माहेश्वरी समाज के युवाओं को 21वीं सदी के अनुरुप वाणिज्य के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, विधि, राजनीति एवं सूचना-प्राद्यौगिकी के क्षेत्र में भी अपनी योग्यताओं व कुशलताओं को विकसित कर देश व समाज की सेवा करनी चाहिए। आधुनिकता और पाश्चात्य संस्कृति के अनुसरण में विवेक का इस्तेमाल करना बेहद जरुरी है। हमारे जीवन का लक्ष्य पाश्चात्य संस्कृति को अपनाना नहीं बल्कि अपनी संस्कृति से विश्व को परिचित करवाना होना चाहिए।

वर्तमान समय में देखा जा रहा है कि हमारे समाज का युवा अपने समय व अपनी ऊर्जा को इन्टरनेट के व्यर्थ और अनुपयोगी प्रयोग में समाप्त कर रहा है व पारिवारिक और सामाजिक समरसताओं को सोशल मिडिया के विवादों से खत्म कर रहा है। मेरा मानना है कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग अपने समय, सामर्थ्य, ऊर्जा और योग्यता के संवर्द्धन में करना चाहिए। मोबाईल, कम्प्यूटर, इन्टरनेट का उपयोग अपने उद्योग-व्यापार व उत्पादकता बढ़ाने में, कुछ नया और उपयोगी सीखने में और अपने सम्पर्कों को सुदृढ़ करने में तो किया जाना चाहिए, परन्तु साथ में अपने परिजनों, परिचितों व मित्रों को भी अपना कुछ समय देना बहुत जरुरी है।

युवाओ को चाहिए कि सामाजिक आयोजनों का हिस्सा बनें, समाज-हितार्थ सेवा का कुछ अंशदान अवश्य प्रदान करें। जैसे यदि आप कमाते हैं तो अपनी कमाई का कुछ प्रतिशत माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित गौशालाओं, अन्नक्षेत्र, सेवा सदनों, आरोग्य भवनों, विद्यालयों, वृद्धाश्रमों, चिकित्सालयों या मंदिरों में समर्पित करें। यदि आप आर्थिक सेवा करने में सक्षम नहीं हैं तो सामाजिक संगठनों से जुड़कर उनका सहयोग करें। यह बिल्कुल जरुरी नहीं कि समाज की सेवा केवल धन से ही की जा सकती है। सेवा के कई साधन हैं, जैसे समाज या अपने आस-पडौस के जरुरतमंदों को निःशुल्क या न्यूनतम शुल्क में शिक्षा प्रदान कर, चिकित्सकीय सेवाएं देकर, उनके लिए भोजन या आश्रय की यथाशक्ति व्यवस्था करके भी समाजसेवा की जा सकती हैं। बस आवश्यकता होती है तो सेवा की भावना की और यह भावना संस्कारों से मिलती है। माहेश्वरी समाज का प्रत्येक सदस्य अपने आदर्श वाक्य सेवा, त्याग और सदाचार को जीवन का अभिन्न अंग मानते हुए उसके अनुरुप ही आचरण करे। समाज की पत्र-पत्रिकाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वह जनचेतना की अग्रवाहक बने और समाज में नवजागृति की अलख जगाए। श्री माहेश्वरी टाइम्स पत्रिका ने अपने इस दायित्व का हमेशा पूर्ण निष्ठा से पालन किया है। यह पत्रिका देश के विभिन्न हिस्सों में निवासरत माहेश्वरी समाजबंधुओं को आपस में जोड़ती है। अतः मेरा इस पत्रिका के माध्यम से सभी समाजबंधुओं से निवेदन है कि अपने बच्चों को ऐसे संस्कार दें जिससे वह स्वयं, परिवार व समाज के मध्य तालमेल बनाए रख सकें। प्राचीन भारतीय संस्कृति को ध्यान में रखते हुए आधुनिक युवा सोच के साथ वैश्विक पटल पर माहेश्वरी समाज को अद्वितीय पहचान दिलवाऐं।

इन्हीं सद्भावनाओं के साथ, सादर जय महेश !

सुनीलकुमार मूंदड़ा
अतिथि सम्पादक

श्री पाढ़ाय माताजी

टीम SMT

श्री पाढ़ाय माताजी माहेश्वरी समाज के मानधनियाँ, मानुधणा, चौधरी, देवपुरा, बिदादा, खटौड़, गगराणी, बजाज, कलंत्री, बाहेती, कचोल्या, चेचाणी, नौलखा आदि खांप की कुलदेवी हैं।

नागौर (राजस्थान) से 90 कि.मी. दूर पश्चिम में डीडवाना की सबसे पुरानी बस्ती कोट मोहल्ला में श्री पाढ़ाय माताजी का मंदिर स्थित है। मंदिर पुजारी श्री सुरेश श्रीराम व्यास के अनुसार यह मंदिर लगभग 1125 वर्ष पूर्व स्थापित होने से अति प्राचीन है। माहेश्वरी समाजजनों के साथ ही डीडवानावासी भी माताजी के प्रति गहरी आस्था रखते हैं। मनोरथ पूर्ति करने वाले माताजी के रूप में प्रतिदिन होने से ये जन-जन की आराध्य बन चुकी हैं। प्रमाणित दस्तावेजों व शिलालेख अनुसार मंदिर का प्रथम जीर्णोद्धार सं. 947 में हुआ। इसके बाद भी लगभग तीन बार जीर्णोद्धार हो चुके हैं।

विगत लगभग 50 वर्षों से पाढ़ाय माताजी मंदिर में दोनों नवरात्रियों में अष्टमी के दिन देवीयाग अर्थात चण्डी यज्ञ किया जाता है और विशाल मेला लगता है। यहाँ तीन बार शतचंडी यज्ञ का आयोजन भी हो चुका है। मंदिर में वंशानुगत रूप से शाकद्वितीय ब्राह्मण पूजा करते आये हैं। यहाँ गणेश, शिव व भैरव की प्रस्तर प्रतिमाऐं भी स्थापित हैं।

यहाँ आने वाले दर्शनार्थियों के ठहरने के लिये यहाँ चार कमरे बने हुए हैं जिनका निर्माण डीडवाना के सारडा परिवार ने करवाया है। भोजन की व्यवस्था माँग पर न्यूनतम शुल्क पर हो जाती है।

विशेष- यहाँ तीन आरती होती हैं प्रथम प्रातः कालीन मंगला आरती, शाम को संध्या आरती व रात्रि में शयन आरती। यहाँ माताजी का विशेष भोग तो हलवा है मगर इच्छानुसार मावे-बुंदी या अन्य मिष्ठान का भोग भी लगाया जा सकता है।

समीपस्थ दर्शनीय स्थल

डीडवाना से मात्र 7 कि.मी. की दूरी पर श्री शाकम्भरी माताजी का प्रसिद्ध मंदिर भी है। किवदंती के अनुसार भक्त के इच्छा व्यक्त किये जाने पर माताजी ने यहाँ पर नमक की झील की उत्पत्ति की थी।

कैसे पहुँचें

यह स्थल नागोर जिले का डीडवाना तहसील मुख्यालय है। मीटर गेज लाइन पर बेगाना व रतनगढ़ जंक्शन के बीच ही डीडवाना रेल्वे स्टेशन स्थित है। सड़क मार्ग से जाने पर यह नागोर अजमेर मार्ग पर नागौर व सुजानगढ़ के बीच आता है। नागौर से दूरी 90 कि.मी. है।

अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न

''भूतड़ा'' की ''सेवा कारिणी'' ने ली पद की शपथ

दायित्व ग्रहण समारोह में एकता व सहयोग का लिया संकल्प

पुष्कर। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की नवीन निर्विरोध निर्वाचित कार्यकारिणी ने गत 15 दिसम्बर को पद की शपथ ली। इनमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा सहित सभी 15 पदाधिकारी शामिल थे। यह दायित्व (शपथ) ग्रहण समारोह रामपाल सोनी पूर्व सभापति-अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। संदीप काबरा महामंत्री-महासभा, दीप्ति माहेश्वरी विधायक-राजसमन्द, राजकुमार काल्या अध्यक्ष- अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन, अल्का मूंदड़ा प्रदेश अध्यक्ष- भाजपा महिला मोर्चा राजस्थान, बी.पी. राठी पूर्व न्यायाधीश उच्च न्यायालय-मध्य प्रदेश, सेवा-सदन के मागदर्शकगण नथमल बिड़ला मेड़तासिटी, प्रेमचंद मूंदड़ा अजमेर, सोहनलाल भूतड़ा जोधपुर, रामकुमार मानधना मुंबई सहित देशभर से पधारे सैकड़ों समाजबंधुओं की उपस्थिति में यह सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि गत 09 दिसम्बर को सेवा सदन के पदाधिकारियों का सर्वसम्मतिपूर्वक निर्वाचन हुआ इसमें अध्यक्ष- रामकुमार भूतड़ा-डोडियाना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-कैलाश सोनी जयपुर, उपाध्यक्ष प्रहलाद शाह (राठी) जोधपुर, अनिलकुमार बांगड़ भीलवाड़ा, जयकिशन बल्दुआ ब्यावर, उपाध्यक्ष-शंकरलाल बाहेती अहमदाबाद, विजयशंकर मूंदड़द्या सरवाड़, महामंत्री-रमेशचंद्र छापरवाल मकराना, कोषाध्यक्ष-मनोहरलाल पुंगलिया जोधपुर, मंत्री- सोहनलाल मूंदड़ा जोधपुर, मुरलीधर झंवर नौखा, श्रीभगवान बंग परबतसर, किशनगोपाल बंग जोधपुर, मंत्री संजयकुमार जैथलिया जालौर, प्रचार मंत्री पद पर भागीरथ भूतड़ा सूरत का निर्वाचन हुआ है।

बिड़ला ने किया स्वागत

समारोह अंतर्गत अतिथियों के स्वागत सत्कार पश्चात सेवा सदन के अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला ने स्वागत उद्बोधन के साथ सत्र में सम्पन्न निर्माण आदि कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए नव चयनित पदाधिकारियों को भविष्य में सेवा सदन के कार्यों को निरंतर गति प्रदान करने हेतु कुछ सुझाव भी दिये। दायित्व ग्रहण करने वाले पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण करवाई गई। शपथ ग्रहण के पश्चात सेवा सदन के उपस्थित मार्गदर्शकगण एवं अतिथियों ने अपने-अपने शुभकामना उदबोधन में सेवा सदन की प्रगति हेतु सभी को मिल जुलकर कार्य करने की भावनाएं अभिव्यक्त की। महासभा के महामंत्री संदीप काबरा ने वर्तमान समयानुरूप सिर्फ सेवा कार्य को सर्वोपति मानकर कार्य करने की भावनाएं व्यक्त की एवं सेवा सदन के अनुरूप समाज की सभी संस्थाओं में सर्वसम्मतिपूर्वक पदाधिकारियों के चयन पर जोर दिया। सेवा सदन के भवनों में नवीन एवं आधुनिकतम सुविधाओं की अभिवृद्धि करने का भी सुझाव दिया ताकि युवा पीढ़ी का भी अधिकतम जुड़ाव हो सके।

एकजुटता का संकल्प

नव निर्वाचित अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में 'हम एक थे, एक हैं-एक रहेंगे''- का संदेश दिया। उन्होंने सेवा सदन के कार्यों को और गति प्रदान करते हुए सभी के सहयोग से भरपूर कार्य करने की भावनाएं व्यक्त की। उन्होंने सेवा सदन के होने वाले खर्चीले चुनावों के बजाय इस बार सर्वसम्मति से प्राप्त दायित्व का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करने का वचन भी मंच के माध्यम से दिया। उन्होंने सेवा सदन के पदाधिकारियों के सर्वसम्मति से चयन हेतु भरपूर प्रयास करने पर महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी का आभार भी प्रकट किया एवं संपूर्ण माहेश्वरी समाज की धैर्यता एवं सहनशीलता हेतु प्रसन्नता प्रकट की। मुख्य अतिथि रामपाल सोनी ने अपने आशीर्वचन प्रदान करते हुए सामाजिक सेवा - कार्यों हेतु सदैव विनम्रतापूर्वक कार्य करने एवं नई टीम को एकजुटता के साथ समाज हितार्थ कार्य करने हेतु अपने अमूल्य सुझाव भी दिये। निवर्तमान पदाधिकारियों जुगलकिशोर बिड़ला, शिवरतन मानधना, कैलाश मूंदड़ा, दिनेश माहेश्वरी, सुभाष काबरा आदि का भी अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने सभी का आभार प्रकट किया।

पश्चिमांचल म.प्र. सभा का चुनरी महोत्सव व दीपदान सम्पन्न

बड़वानी। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, महिला संगठन और युवा संगठन द्वारा संयुक्त रूप से बड़वानी जिले के तीनो संगठन के आतिथ्य में गत 26 दिसम्बर चुनरी महोत्सव एवं दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मानद मंत्री अजय झंवर ने बताया कि इसमें मोक्षदायनी माँ नर्मदा को महेश्वर में 1001 मीटर की चुनरी औढ़ाई गई। उक्त कार्यक्रम में महासभा के मध्यांचल के संयुक्त मंत्री विजय राठी, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री शैलजा कलंत्री, पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र ईनानी, अखिल भारतीय युवा संगठन के संगठन मंत्री भरत तोतला, राधा देवी आजाद परिवार के सदस्यगण, राधिका गुप्ता के परिवारजन, तीनों संगठन के पदाधिकारी, कार्यकारी मंडल सदस्य एवं आमंत्रित समाज सम्मिलित हुए। स्व. श्रीमती राधादेवी आजाद की स्मृति मे डाक तार विभाग द्वारा राष्ट्रीय अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर डाक टिकट जारी हुआ था। इस सम्मान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर आजाद परिवार का सम्मान किया गया। राधिका गुप्ता जिनके द्वारा सिविल सेवा परीक्षा में 18 वीं रैंक लाकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। प्रशस्ति पत्र देकर उनके माता-पिता चंदा-प्रहलाद गुप्ता का सम्मान किया गया। महासभा के 28वें एवं 29वें सत्र में केन्द्रीय मुख्य निर्वाचन अधिकारी रहे प्रकाशचन्द्र बाहेती एवं उनके सहयोगी महेश तोतला का भी प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के तीनों संगठनों से लगभग 500 से अधिक सदस्य सम्मलित हुऐ थे। आभार बड़वानी माहेश्वरी जिला सभा मंत्री दिलीप झंवर तथा प्रदेश की ओर से कार्यक्रम संयोजक अर्चना परवाल ने माना। कार्यक्रम संचालन प्रवीणा झंवर तथा हर्षा बाहेती ने किया।

जेसीआय में माहेश्वरी

चंद्रपूर। व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में युवा लोगो की जाना मानी संस्था जेसीआय चंद्रपूर एलीट का 13वें चेप्टर का पद ग्रहण समारोह कार्यक्रम गत 19 दिसम्बर को संपन्न हुआ। इस पद ग्रहण समारोह में वर्ष 2022 के लिए जेसीआय चंद्रपूर ईलाइट के अध्याय अध्यक्ष के रूप में आशीष पोद्दार और सचिव स्थान पर ऋषिकांत जाखोटिया ने शपथ ग्रहण की। जेसीआय चंद्रपूर ईलाइट के वर्ष 2021 के अध्यक्ष आर्किटेक्ट आनंद मुंधडा और सचिव अनूप काबरा अपने पद से निवृत्त हुए। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में अंचल के अध्यक्ष सौरभ बरडिया एवं विशेष अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष अनूप गाँधी तथा विधि समारोह अधिकारी के रूप में अंचल उपाध्यक्ष प्रतीक सारडा उपस्थित थे।

आनंद मेला का हुआ आयोजन

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र महिला संगठन द्वारा गत 18 दिसम्बर को मुकुट मांगलिक भवन में आंनद मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश के वंदन एवं अध्यक्ष साधना कचोलिया के स्वागत उदबोधन के साथ हुआ। सचिव सुधा मूंदड़ा ने बताया कि इस अवसर पर सभी को तुलसी के पौधे का वितरण कर इम्यूनिटी पावर बढ़ाने का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी शोभा भूतड़ा एवं डॉ. अमित उपाध्याय स्टेगो मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल थे। संयोजक आरती राठी एवं भावना झंवर ने इसे रोजगारोन्मुखी कदम बताया। कार्यक्रम का संचालन संस्थापक अध्यक्ष दीप्ति भूतड़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर पिंकी काकानी, ज्योति सोमानी, सीमा बेड़िया, प्रज्ञा सोमानी, अनिता बांगड़, रचना लाठी, निशा कचोलिया, कल्पना जाजू, वंदना मूंदड़ा, संगीता बियाणी, अनिता मंत्री आदि कई सदस्याऐं उपस्थित थीं।

राज्यपाल द्वारा रूपल मोहता सम्मानित

मुंबई। गत 21 नवम्बर 21 को पत्रकार संघ वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा राजभवन मुंबई में आयोजित समारोह में रूपल मोहता मिसेस इंडिया युनिवर्स को उनकी विभिन्न प्रतिभा, कला एवं योग्यताओं हेतु राज्यपाल माननीय श्री भगतसिंह कोशयारी द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने हाल ही में दुबई में संपन्न अंतरराष्ट्रीय शो में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर भारत का प्रतिनिधित्व किया था। मप्र सरकार के उद्यानिकी मंत्रालय द्वारा भी विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रमोशन करने हेतु आमंत्रित किया गया है, जिस पर वह कार्य कर रही हैं। उन्होंने विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक एवं अन्य संगठनों के माध्यम से मानव उत्थान एवं नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में अग्रणीय कार्य किए हैं। विभिन्न कार्यक्रमों में बतौर ब्रांड एम्बेसेडर एवं प्रमुख निर्णायक का कार्य संपादन कर चुकी हैं। दादासाहब फाल्के आईकॉन फिल्मस अवार्ड 2021 एवं बॉलीवुड लिजेंड अवार्ड 2021 के लिए भी उनका नाम प्रस्तावित है।

प्रांजल बनीं मिस टीन इंडिया

बाशिम। लिम्का बुक ऑफ नेशनल रिकॉर्ड होल्डर एली क्लब नईदिल्ली द्वारा आयोजित मिस एंड मिस्टर टीन इंडिया 2021 प्रतियोगिता के 23वें आयोजन में प्रांजल मधुसुदन काकाणी को राष्ट्रीय स्तर के मिस टीन-इंडिया पर्सनालिटी के अवार्ड से नवाजा गया। प्रांजल हरिनिवास काकाणी परभणी (महा.) की पौत्री तथा सोंसर के वरिष्ठ पत्रकार ब्रजकिशोर चांडक की नातिन हैं।

क्रिकेट प्रतियोगिता का किया आयोजन

भीलवाड़ा। नगर महेश्वरी महिला संस्थान की ओर से क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्ष भारती बाहेती ने बताया कि मनोरंजन एवं खेलों में रुचि बढ़ाने हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मंत्री रीना डाड ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सभी क्षेत्रीय सभाओं की टीम शामिल थीं। इसके अतिरिक्त नगर महिला मंडल के सभी सदस्यों ने इस में बढ़ चढ़कर भाग लिया। संपूर्ण प्रतियोगिता आईसीसी क्रिकेट नियमों के तहत ही खेली गई। प्रभारी सोनल माहेश्वरी ने बताया आजाद नगर वंडर टीम से कप्तान शीतल बिरला, आजाद नगर सुपर टीम से स्नेहल लोगद, टीम रायल्स से अमिता मुंदड़ा, टीम बाउंड्री ऐमर्स से कल्पना सोमानी, तिलक नगर वॉरियर्स से अंकिता कोगटा, शास्त्री नगर क्वीन से मोना डाड और जिला से जिला रॉक्स टीम कप्तान अंजू सोमानी शामिल थी। कार्यक्रम में ममता मोदानी, अनिला अजमेरा, संध्या, सीमा कोगटा, प्रीति लोहिया, विनीता तोषनीवाल आदि उपस्थित थीं।

एमएससीसीएल अध्यक्ष बने लखोटिया

लक्ष्मीनारायण डागा

सुरेश कुमार लखोटिया

बेंगलुरु। माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव लिमिटेड की वर्ष 2021-2026 की कार्यकारिणी के चुनाव गत 27 नवंबर को संपन्न हुए। इसमें सुरेश कुमार लखोटिया को निर्विरोध अध्यक्ष तथा लक्ष्मीनारायण डागा को उपाध्यक्ष पद पर चयनित किया गया। निर्विरोध निदेशक पद पर महेश चंद्र रांदड, नंदकिशोर मालू, (चेयरमैन), ओमप्रकाश लड्ढा, श्रीराम चांडक, विष्णुकांत जाजू, निर्मला काकानी एवं सुलोचना जाजू आदि पदासीन हुए। नंदकिशोर मालू को पथ प्रदर्शक चेयरमैन बनाया गया ताकि उनके अनुभवों का लाभ सोसाइटी अधिक से अधिक उठा सके। रमेशचन्द्र लाहोटी एवं शरद हेड़ा को मनोनीत निदेशक के रूप में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सम्मिलित किया गया।

किसी ने पूछा इस दुनिया में आपका
अपना कौन है मैंने हँसकर कहा
'समय' अगर वो सही तो
सब अपने वरना कोई नहीं।

अपूर्वा को 2 लाख की स्कॉलरशिप

बरेली। कु. अपूर्वा माहेश्वरी सुपुत्री डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी को एमबीबीएस द्वितीय वर्ष में दो लाख रुपये की स्कालरशिप प्राप्त हुई। इससे अपूर्वा ने अपने शहर बरेली के दो स्कूलों के 100 बच्चों को पचास हजार रुपयों के स्वेटर वितरित किये। उल्लेखनीय है कि कु. अपूर्वा को प्रथम वर्ष में पचास हजार की स्कालरशिप मिली थी, तब भी उन्होंने दस हजार रुपयो के स्वेटर वितरित किये थे। कु. अपूर्वा जिला माहेश्वरी सभा बरेली के अध्यक्ष की नातिन हैं।

विवाह की वर्षगांठ पर आर्थिक सहयोग

नांदेड़। श्री हरीकिशनजी बजाज मेमोरियल माहेश्वरी शिक्षण विकास संस्था के संस्थापक सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता तथा जेष्ठ मार्गदर्शक डॉ. बद्रीनारायण मूंदड़ा एवं उनकी धर्मपत्नी संध्या मूंदड़ा के वैवाहिक गठबंधन को 60 वर्ष पूर्ण हुये। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष गोपाललाल लोया, संस्थापक अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मुंदडा, सचिव प्रो. किशनप्रसाद दरक एवं कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश इन्नाणी उनके निवासस्थान पर पहुंचे व उन्हें बधाई दी। संस्था के कार्यों से प्रभावित डॉ. मूंदड़ा ने इस अवसर पर संस्था को 1 एक लाख रुपये का धनादेश प्रदान किया। इस सुअवसर पर उनके कनिष्ठ पुत्र डॉ. प्रफुल्ल एवं बहू डॉ. हर्षा मुंदडा भी उपस्थित थे।

खरी-खरी

व्यर्थ है मन में कलुषता रख
अगर गंगा नहाऊँ

या कि श्रद्धा छद्म रखकर
मंदिरों में सिर झुकाऊँ

वेद पढ़, विद्वान बनकर भी
बताओ क्या करूँगा

वेदना पढ़कर किसी की, यदि
न कोई काम आऊँ

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

काबरा का जमशेदपुर भ्रमण

जमशेदपुर। पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा के पुत्र आर.आर. ग्लोबल के चेयरमैन, उद्योगपति एवं समाजसेवी त्रिभुवन काबरा का व्यापारिक कार्यों से जमशेदपुर आगमन हुआ। इस बीच वे माहेश्वरी मंडल प्रांगण में पहुंचे और माहेश्वरी मंडल के सदस्यों से मुखातिब हुए। उन्होंने उपस्थित सदस्यों का परिचय प्राप्त करते हुए उद्योग व समाजसेवा के क्षेत्र में अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने सभी उपस्थित सक्षम सदस्यों से अनुरोध करते हुए 2 लाख से कम आय वाले माहेश्वरी बंधुओं को मार्ग दर्शन देते हुए पारम्परिक व्यापार में ही आगे बढ़ाने का आह्वान किया। एक माहेश्वरी को दूसरे माहेश्वरी के साथ आपसी सहयोग और सामंजस्य स्थापित करते हुए एक दूसरे के व्यापार को बढ़ाने पर जोर दिया। इस बैठक में झारखण्ड बिहार प्रदेश के अध्यक्ष छीतरमल धूत, सचिव महेश लखोटिया, स्थानीय शाखा अध्यक्ष जुगल किशोर आदि उपस्थित थे।

विवाह पंचमी पर कन्यादान

ब्यावर (राज.)। भारत विकास परिषद् शाखा ब्यावर द्वारा 'विवाह पंचमी' के पावन अवसर पर सेवा, सहयोग प्रकल्प के तहत् विधवा पुत्री के विवाह में कन्या दान के अंतर्गत सहयोग किया गया। प्रकल्प प्रभारी-राजेंद्र काबरा ने बताया कि इसमें ब्यावर के सेदरिया में स्थित एक गरीब परिवार में 'विधवा पुत्री विवाह में सहयोग' प्रकल्प के अंतर्गत एक कन्या के विवाह हेतु घरेलू सामान दिया गया। इसमें एक पलंग, एक अलमारी, गद्दा, रजाई, चादर, तकिए, रसोई के सभी प्रकार के बर्तन, सिलाई मशीन, गैस चूल्हा, कूकर, बाटीकूकर, जूसर, बाथरूम सेट, एक आर्टिफिशियल सेट, एक चांदी की पायजेब, साड़ियां, शॉल, स्वेटर व कुछ अन्य उपयोगी सामान दिए गए। अध्यक्ष - अनिल भराडिया, उपाध्यक्ष - संजय गर्ग, सचिव - प्रशान्त पाबूवाल, सेवा प्रकल्प प्रभारी - राजेन्द्र काबरा, जितेंद्र गर्ग, कन्हैया लाल शर्मा, अमरचंद मूंदड़ा आदि सदस्य सम्मिलित हुए।

महिला संगठन ने प्रारंभ किया गंगाजल शुद्धिकरण कार्यक्रम

कानपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी के नेतृत्व एवं ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति के अंतर्गत मध्य उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अटल घाट कानपुर में बायो एंजाइम से गंगाजल शुद्धिकरण किया गया। पूरे भारत वर्ष के हर शहर में इसी दिन माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा नदियों का जल शुद्धिकरण करने का आयोजन किया गया है। साथ ही कानपुर में गंगा आरती और दीपदान भी किया गया। इस अवसर पर अभा माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री मंजू बांगड़ और ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति की प्रभारी प्रेमा झंवर, नगर निगम की एडिशनल कमिश्नर रोली गुप्ता एवं असिस्टेंट कमिश्नर सुश्री पूजा त्रिपाठी भी उपस्थित थी। प्रदेश अध्यक्ष प्रीति तोषनीवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रेमा झंवर ने बताया कि सुजाता राठी, संतोष बाहेती, चित्रा भुराडिया, निशा काल्या, उषा तोषनीवाल, राज काबरा, गायत्री झंवर, सीमा झंवर, डॉ. अनुराधा वाषनेय आदि उपस्थित थीं।

मराठी शाला को कम्प्यूटर भेंट

पुणे। सांगवी परिसर महेश मंडल पुणे की ओर से व्हेरिटास टक्नॉलॉजी के सहयोग से सांगवी स्थित जनता शिक्षण संस्था द्वारा संचालित नवीं मराठी शाला को 8 कम्प्यूटर (डेस्कटॉप) का वितरण पिंपरी चिंचवड की महापौर माई ढोरे के हाथों किया गया। इस अवसर पर नगर सेविका शारदा सोनवणे, संदीप गुगले एवं सांगवी परिसर महेश मंडल के अध्यक्ष सतीश लोहिया, मनोज अटल, दीपेश मालाणी शिक्षण संस्था के सचिव हेमंत बनगर आदि उपस्थित थे।

कृतिका ने बनाया विश्व विकार्ड

भोपाल। समाज के वरिष्ठ गोपालकृष्ण मूंदड़ा की पौत्री, डॉ. सत्यनारायण बांगड़ की दोहित्री एवं राजेश मूंदड़ा की सुपुत्री कृतिका मूंदड़ा ने 24 लोगों की टीम के साथ मिलकर एसडीपीएस कॉलेज इंदौर में दस हजार वर्गफीट क्षेत्र में 15 घंटे में रंगोली बनाई। इसके साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़कर सबसे बड़ी रंगोली का इतिहास रच कर हार्वर्ड बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपनी जगह बनाई।

CYBER SECURITY
Net Protector
NP AV
Total Security
Ransom ware Shield
PC, Laptop Tablet, Mobile
सुरक्षा
80.550.67.012
92.72.70.70.50
Z SECURITY

धर्मसभा का हुआ आयोजन

नईदिल्ली। गुजरात विहार विकास मार्ग पर दो दिवसीय दर्शन व संगोष्ठी धर्म सभा का आयोजन हुआ। धर्मसभा में स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने आर्शीवचन प्रदान किये। केंद्रीय मंत्री पुरूषोत्तम रूपला, श्याम जाजू पूर्व उपाध्यक्ष भाजपा पंकज जैन प्रभारी शाहदरा जिला भाजपा पूर्व महामंत्री शारदरा जिला भाजपा विवेक काबरा, भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेश चौधरी व धर्मसभा के आयोजक महेंद्र लड्ढा उपाध्यक्ष शाहदरा जिला भाजपा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस दौरान महाराज महेंद्र लड्ढा के यहाँ 3 दिन निवास का सौभाग्य भी प्रदान किया।

बधर माता का जागरण आयोजित

हैदराबाद। सोमाणी, मर्दा, छापरवाल, थिरानी, बागड़ी, गादिया तथा मक्कड़ माहेश्वरी खापों की कुलदेवी बधर माता का जागरण आगामी 15 जनवरी को हैदराबाद में आयोजित किया जायेगा। बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति हैदराबाद के प्रधान संयोजक राजेश सोमाणी के आवास पर कार्यकारिणी समिति की बैठक में उक्त निर्णय लिया गया। रमेश मर्दा ने बताया कि कमल मर्दा के सुझाव अनुसार कुलदेवी के भक्त परिवार के 75 वर्ष से अधिक वरिष्ठ परिवार सदस्यों का सम्मान किया जायेगा। इस अवसर पर समिति के समन्वय कर्ता गोविन्द सोमाणी का बधर माता ट्रस्ट में सह सचिव नियुक्त होने पर समिति की ओर से ओमप्रकाश मर्दा-गोवर्धन मर्दा ने शाल और माला द्वारा सम्मान किया गया। इस बैठक में राजेश सोमाणी, रमेश मर्दा, गोविन्द सोमाणी, श्याम सुंदर सोमाणी, राजगोपाल मर्दा, विट्ठल सोमाणी, विष्णु मर्दा आदि उपस्थित थे। श्यामसुंदर सोमाणी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

जिस समय हम किसी का अपमान करते हैं उसी समय हम अपना सम्मान खो रहे होते हैं।

स्वास्थ जागरुकता रैली का हुआ आयोजन

उज्जैन। श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल गोलामंडी संस्था की अध्यक्ष हेमलता गांधी व सचिव मनोरमा मंडोवरा के नेतृत्व में स्वास्थ्य जागरूकता तथा कोरोना की तीसरी लहर के बचाव हेतु एक रैली एक जैसे परिधान में संदेश के साथ मंडल द्वारा माहेश्वरी भवन से निकाली गई जो कि मुख्य मार्गों से होती हुई माहेश्वरी भवन पहूँची। वहीं पर महिलाओं ने इस महामारी से सम्बंधित परिचर्चा रखी जिसमें डॉ. रुपाली माहेश्वरी ने महिलाओं के प्रश्नों का उत्तर देकर समाधान किया एवं हेल्थ टिप्स देकर यह भी बताया कि वेक्सीन के दोनों डोज नहीं लगवाने वाले पर नए वैरिएंट ओमिक्रॉन का ज्यादा असर रहेगा। मास्क की अनिवार्यता भी रहेगी। रैली में हेमलता गांधी, मनोरमा मंडोवरा, शांता मंडोवरा, रूकमणी भूतड़ा, रमा लड्ढा, गीता तोतला, संगीता भूतड़ा, मनीषा राठी, ज्योति राठी, माधुरी राठी, मंजू लखोटिया, सुमन पलौड़, सीमा पलौड़ आदि कई सदस्याएं शामिल थीं।

॥ नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाऐं ॥

श्रीनिवास एंड ब्रदर्स

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

एगमार्क उपवन मधु 'ए ग्रेड', सुपर कोकिला मेहँदी,
एगमार्क सच्चासाबू साबूदाना

स्टॉकिस्ट: नटराज ब्रांड केसर एवं हींग

Dalia's™
High In Quality, Rich In Taste

Avani Impex

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

14-7-371/16, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने,
बेगमबाजार, हैदराबाद-500012
फोन: 24745570, 24606726, 24615438

चुनरी उत्सव का किया आयोजन

सोनकच्छ। अध्यक्ष अनीता मूंदड़ा एवं सचिव मनीषा लाठी के नेतृत्व में गत 19 दिसंबर को उज्जैन में सोनकच्छ माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से चुंदड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। सभी सदस्याऐं माहेश्वरी मंदिर पर एकत्रित हुई एवं बजरंग चौराहे तक जुलूस के साथ बस से यात्रा प्रारंभ की। करीबन 50 सदस्याऐं रामानुज कोट मंदिर पर पहुंची। श्री लक्ष्मी वेंकटेश भगवान के दर्शन कर धनुर्मास के भजन और गोष्ठी का आनंद लिया। उसके बाद रामानुजकोट पीठाधीश्वर स्वामी श्री रंगनाथाचार्यजी एवं युवराज स्वामी श्री माधवप्रपन्नाचार्यजी के सान्निध्य में रामानुज कोट से रामघाट तक शोभायात्रा निकाली गई। उसके पश्चात राम घाट पर विधिवत पूजा अर्चना कर क्षिप्रा मैया को चुंदड़ी चढ़ाई। वहां सभी महिलाएं नाव में बैठकर चुंदड़ी चढ़ाती हुई एवं भजन करती हुई रामघाट से नदी पार कर उस पार गई एवं पुनः राम घाट पर आई। घाट पर भी विधिवत पूजन के साथ दूध की धार शिप्रा मैया को अर्पण की एवं हलवे के प्रसाद का वितरण किया गया। चुंदड़ी उत्सव के आयोजन के बाद सभी पुनः रामानुज कोट गए एवं भोजन प्रसादी ली। उसके बाद उज्जैन के विभिन्न मंदिरों में दर्शन लाभ लिया।

माहेश्वरी सभा का कैलेण्डर विमोचित

बेंगलुरु। मैसूर जिला माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी सभा बेंगलुरु द्वारा संयुक्त बैठक का आयोजन गत 05 दिसम्बर को माहेश्वरी भवन में किया गया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सुंदर सोनी, कार्यसमिति सदस्य विष्णुदास भूतड़ा एवं कर्नाटक गोवा प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष ब्रिजमोहन भूतड़ा का स्वागत और अभिनन्दन पुष्प गुच्छ देकर किया गया। बेंगलुरु मैसूर जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष देवकीनंदन डागा और बेंगलुरु माहेश्वरी सभा के सचिव भगवानदास लाहोटी ने संस्था के कार्यों का उल्लेख किया। माहेश्वरी सभा द्वारा कैलेंडर 2022 का विमोचन अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी के कर कमलों द्वारा किया गया। रमेशचंद्र लाहोटी का FKCCI उपाध्यक्ष बनने पर माला, शाल और साफा पगड़ी पहनाकर सम्मान किया।

गौमाता को खिलाई 14 सवामनियाँ

बठिंडा। स्थानीय माहेश्वरी सभा ने माहेश्वरी परिवारों के साथ विभिन्न गोशालओं में गौवंश को 14 सवामनियाँ खिलाई। सभा के सचिव के. के. मालपाणी और परवीन मिमानी ने बताया कि गिलपत्ती स्थित महेश मुनि अंगहीन गौशाला में 2 सवामनियाँ, आचार्य जयमल जैन गौशाला में 6 सवामनियाँ और सिरकी बाजार स्थित गौशाला में 6 सवामनियाँ सभा के सदस्यों ने अपने हाथो से खिलाई। इस मौके पर सभा से जगदीश मंत्री, सोहन माहेश्वरी, सतपाल माहेश्वरी, राजू कोठरी, पुष्कर मंत्री, अंकुर मिमानी, अंजू माहेश्वरी, मंजू मिमानी, भारती मालपाणी, दिव्या मालपाणी, सौरभ माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

भजन गायिका बियानी का सम्मान

फारबिसगंज (बिहार)। कलकत्ता से आयी माहेश्वरी महिला संगठन सदस्य एवं भजन गायिक ममता बियानी का फारबिसगंज माहेश्वरी महिला मंडल ने सचिव लक्ष्मी राठी के निवास स्थान पर तिलक लगा कर और दुशाला ओढ़ कर स्वागत किया। इस अवसर पर श्रीमती बियानी ने भजनों की प्रस्तुति भी दी। इसके पहले पूर्व अध्यक्ष फारबिसगंज महिला मंडल सुनीता लढ़ा ने होटल जाकर दुपट्टा पहना कर उनका स्वागत किया। मंजू मुंदड़ा, लक्ष्मी राठी, संतोष राठी, निर्मला शारदा, सम्पत बाहेती, सुनीता लढ़ा, सुशीला राठी, भवरी देवी राठी, मधु राठी, सरिता काबरा, कौशल सोमानी, लक्ष्मी सोनी, प्रदीप राठी, पप्पू लढ़ा आदि उपस्थित थीं।

With Best Compliments

Harikishan Karwa 98490 59931
Mahesh Narayan Karwa 98491 70085
81253 48609
Naresh Karwa 93973 14000

Balkishan Harikishan Karwa

Manf. of Lakshmi Brand Kumkum & Havan Samagri
Dealers in: Dry Fruit, Kirana, Spices, Agarbathi Raw Materials

15-7-326, Opp. Manisha Packing, Begum Bazar, Hyderabad - 12
Ph. 040-24741576 email : bhkarwa@yahoo.com

बलदुआ का किया स्वागत

ब्यावर। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर द्वारा श्री माहेश्वरी सेवा संगठन तथा श्री माहेश्वरी महिला परिषद के साथ मिलकर जयकिशन बलदुआ का माहेश्वरी भवन, पाली बाजार, ब्यावर में हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया गया। इसके अंतर्गत जयकिशन बलदुआ का श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर की निर्विरोध नवगठित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत होने के उपलक्ष्य में साफा तथा माला व दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड के अध्यक्ष विष्णु गोपाल हेड़ा, मंत्री दिलीप कुमार जाजू, कोषाध्यक्ष कैलाश जाजू, सुनील मूंदड़ा, सुशील कुमार झंवर, महेश चितलांग्या, अशोक नवाल, प्रवीण हेड़ा, हरीकिशन बलदुआ, श्याम झंवर, श्री माहेश्वरी सेवा संगठन के उपाध्यक्ष कुश मूंदड़ा, मंत्री श्रीकांत बिहानी, माहेश्वरी महिला परिषद से सुमन नवाल, मनीष बाहेती, संध्या सारड़ा, संगीता नवाल, आदि उपस्थित थे।

अन्नकूट एवं मिलन समारोह सम्पन्न

इंदौर। माहेश्वरी समाज संयोगितागंज द्वारा कोविड महामारी के चलते लगभग 2 वर्षो के अंतराल पश्चात समाज का अन्नकूट एवं मिलन समारोह गत 18 दिसम्बर 2021 को माहेश्वरी भवन नवलखा पर संपन्न हुआ। समाज के अध्यक्ष मुकेश असावा ने पधारे हुए सभी समाजबन्धुओं का शब्दो से स्वागत किया। मुख्य अतिथि अरूण गंगा साबू द्वारा भगवान श्रीनाथजी की महाआरती की गई। महाआरती में समाज के वरिष्ठ रामेश्वरलाल असावा, ईश्वर बाहेती, मांगीलाल झंवर, मुकुटबिहारी झंवर, सुभाष राठी आदि ने भी भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक रामजस जैथलिया एवं जगदीश डागा ने बताया कि आयोजन में 2000 से अधिक समाजबन्धुओं ने भाग लिया। भगवान श्रीनाथजी के आकर्षक श्रृंगार के साथ-साथ 56 भोग लगाया गया एवं ''चुनरी मनोरथ'' के रूप मे भगवान का श्रृंगार किया गया।

टाईल्स एसोसिएशन में माहेश्वरी

इंदौर। स्थानीय टाइल्स एवं सेनेटरी व्यापारी एसोसिएशन के त्रिवार्षिक चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल, सचिव प्रेम माहेश्वरी, उपाध्यक्ष दिव्यकांत पारिक, नंदू मूंदड़ा, सहसचिव-विजय अग्रवाल, मुकेश खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष भावेश पटेल आदि निर्वाचित हुए।

दिशा का भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन

अमरावती। सुश्री बसंतीदेवी-स्व. श्री किसनदास जी कासट सोनेगांव ग्राम निवासी कृषि व्यवसायिक की पौत्री, दीपक शारदा कासट की एकमात्र संतान कु. दिशा का भारतीय क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

With Best Compliments

Swastik Decor Services Pvt. Ltd.

SWASTIK DECOR & EVENTS

Swastik Supplying Company

Ashirwad Garden (Function Palace)

Represented by their Brothers

Anil Kumar Lakhotiya, Shyam Sunder Lakhotiya, Sushil Kumar Lakhotiya
Rajesh Kumar Lakhotiya, Ramesh Kumar Lakhotiya

14-7-362, Begum Bazar, Hyderabad - 500 012(TELANGANA STATE)
Ph. 040-24614196,+91 9393033250,+91 9393033260,9393033265
swastiksupplying@gmail.com,swastikdecorsservices@gmail.com

MARRIAGE DECORATION,UTENSILS SUPPLIERS, EXHIBIT SYSTEMS
GERMAN STRUCTURES, SUPER STRUCTURES, HANGERS,
WATER PROOF PANDALS, TRUSS PANDALS ETC.,

परिचय सम्मेलन ई पत्रिका का विमोचन

भीलवाड़ा। सामाजिक परिचय सम्मेलन की सार्थकता के लिय जरूरी हैं कि हम योग्य जीवन साथी चयन के लिये समग्र आकलन कर निर्णय करें। उक्त विचार अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री संदीप काबरा ने रविवार को भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा द्वारा एवं दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय निःशुल्क युवक-युवती परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन उद्बोधन सत्र की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये। प्रचार प्रसार प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने कहा कि दो दिवसीय इस आयोजन के लिये जिला सभा की पूरी टीम बधाई की पात्र है। उद्बोधन सत्र के अंत में अतिथियों ने परिचय सम्मेलन में शामिल प्रतिभागियों के बायोडेटा की जानकारी देने के लिये तैयार ई पत्रिका का विमोचन किया। अतिथियों ने अपने-अपने मोबाईल पर पत्रिका का कवर पेज दर्शाते हुए विमोचन प्रक्रिया पूर्ण की। प्रदेश अध्यक्ष कैलाश कोठारी, राधेश्याम सोमानी, राधेश्याम चेचाणी, देवकरण गग्गड़, प्रहलाद लढ़ा, सत्येन्द्र बिरला, ओमप्रकाश गट्टाणी, देवेन्द्र सोमानी, दीनदयाल मारू, महावीर समदानी आदि भी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष दीनदयाल मारू ने किया। आभार जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री देवेन्द्र सोमानी ने माना।

रीटा गाँधी ने लिखी 'रामायण फॉर किड्स'

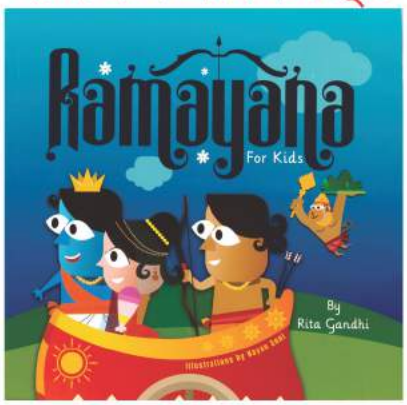

कैलिफोर्निया। नागपुर की मूल निवासी रीटा गाँधी विवाह के पश्चात कैलिफोर्निया (यूएसए) में निवासरत हैं। वे चाहती थीं कि उनकी नन्हीं सी बेटी अनन्या पर भारतीय संस्कार तथा परम्पराओं का प्रभाव रहे। अतः जब अनन्या 6 माह की थी तभी से उन्होंने गायत्री मंत्र, हनुमान चालीसा, गणेश स्त्रोत्रम, शिव, कृष्ण, हनुमान की कथा आदि सुनाना प्रारम्भ कर दिया। गत दिनों रीटा ने अपनी कम्पनी ''ब्लूमिंग टॉट्स'' प्रारम्भ की। इसी के साथ उन्होंने न सिर्फ अपनी बेटी अपितु समस्त बच्चों में धार्मिक संस्कार देने के लिये अपनी प्रथम पुस्तक ''रामायण फॉर किड्स'' लिखी जिसका प्रकाशन गत जून 2021 में हुआ। यह पुस्तक 3-7 वर्ष तक के बच्चों में अत्यंत मनोरंजक ढंग से धार्मिक संस्कार उत्पन्न करती है।

ज्ञान के महासागर में
एक अंजुरी आप भी भरना चाहे तो पढ़े
जिज्ञासा

- सामान्य ज्ञान के लिये महत्वपूर्ण कुंजी।
- देश, परदेश, मध्यप्रदेश और उज्जैन के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल करें।
- कौन है देश का पहला रिश्वतखोर?
- मध्यभारत क्या था? जहाँ एक विधानसभा क्षेत्र में दो विधायक होते थे?
- पतित-पावन शिप्रा के चार नामों की कथाऐं।

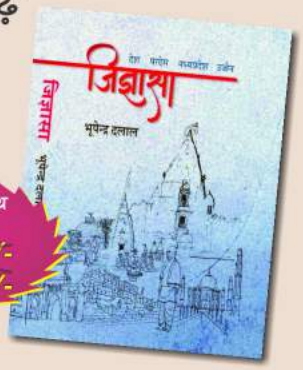

विशेष छूट के साथ उपलब्ध
Rs. 800/-
Rs. 500/-

Now Available
Flipkart amazon.com

ऋषिमुनि प्रकाशन
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761
मोबाइल : 94250 91161
E-mail : rishimuniprakashan@gmail.com

दीपावली स्नेह मिलन समारोह का हुआ आयोजन

पुणे। सामाजिक व चेरिटबल संस्था सांगवी परिसर महेश मंडल का 14वां दीपावली स्नेह मिलन एवम् अन्नकूट महोत्सव 27 नवम्बर को श्री कृष्ण मंदिर, पिंपळे गुरव में पारम्परिक हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ करीब 800 समाज बंधुओं की उपस्थिति में महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्रीकिशन भन्साली के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। सचिव निलेश अटल के स्वागत भाषण के पश्चात अतिथियों का शॉल, श्रीफल व पुष्पगुच्छ द्वारा सत्कार किया गया। मंच संचालन मनोजकुमार अटल ने किया। पुणे ज़िला माहेश्वरी प्रगति मंडल के अध्यक्ष गोविन्द मूँदडा, सचिव शेखर सारडा, भूतपूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र चांडक व ज़िला युवा संगठन अध्यक्ष कृष्णा राठी आदि भी उपस्थित थे।

जोधपुर। शहर माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र द्वारा दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि कार्यक्रम संयोजिका उषा राठी एवं सह संयोजिका आभा, दीपिका एवं रेखा लोहिया थीं। इस मौके पर करीबन 150 सदस्यायें उपस्थित थीं। उपाध्यक्ष बबीता चांडक ने बताया कि संजू सोनी, निर्मला चांडक, निर्मला लोहिया, सरोज मूंदड़ा, रमा कपूरिया, भगवती बूब, अनीता सोनी, रामेश्वरी राठी आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

कलबुर्गी। माहेश्वरी सभा में सभापति श्याम सोनी के कलबुर्गी भ्रमण के दौरान - कलबुर्गी बीदर संयुक्त जिला माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी प्रगति मंडल कलबुर्गी, माहेश्वरी महिला मंडल कलबुर्गी एवं माहेश्वरी युवा मंच कलबुर्गी अंतर्गत एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष नथमल कलंत्री, जिला सचिव भागीरथ सिकची, हिंदी दिवस कार्यक्रम के परियोजना अध्यक्ष प्रोजेक्ट चेयरमैन दीपक बलदवा एवं जिला पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्य ने इस सम्मान समारोह का संयोजन किया। महासभा सभापति श्री सोनी द्वारा बजाज परिवार (मुंबई चितापुर कलबुर्गी) का सेठ सत्यनारायण बजाज माहेश्वरी भवन के कर्नाटका के कलबुर्गी मे सेडम रोड पर निर्माण में योगदान के लिए अभिनंदन किया। हिंदी दिवस पर आयोजित विभिन्न निबंध, कविता कार्यक्रमों मे प्रथम, द्वितीय व तृतीय, शिक्षण विभाग हिंदी विषय में भी विजेताओं को सम्मान चिन्ह शील्ड द्वारा सम्मानित किया गया। हिंदी दिवस प्रचार समारोह कार्यक्रम के अतिथिगण, संचालन कार्यकर्ताओं, प्रतियोगिता विजेता, प्रतियोगिता के जजेस को भी सम्मानित किया गया। कर्नाटका गोवा प्रदेश अध्यक्ष ब्रजमोहन भूतड़ा ने प्रदेश में होने वाले कार्यों की जानकारी दी। आभार प्रदर्शन रमेश बलदवा ने व्यक्त किया। कलबुर्गी बीदर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नथमल कलंत्री, सचिव भागीरथ सिकची, कर्नाटका गोवा प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष बृजमोहन भूतड़ा, सचिव राजेंद्र मूंदड़ा, कार्यसमिति सदस्य विष्णुदास भूतड़ा, कर्नाटका प्रादेशिक माहेश्वरी ट्रस्ट के चेयरमैन गणेश तापड़िया, कर्नाटका गोवा प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष नवीन तापड़िया, सचिव दीपक गिल्डा एवं कर्नाटका गोवा प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष पुष्पाबाई गिलडा सहित समस्त कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

रामलेखन कला का प्रदर्शन

कोलकाता। संत श्री गोविंददेव गिरीजी महाराज के कोलकाता आगमन पर रामलेखनकला कलाकार कविता डागा को उनके समक्ष रामलेखन कला के बारे मे बताने का सौभाग्य मिला। राम लेखन कला के हर चित्रों को खुब ही भावपूर्ण तन्मयता के साथ बारीकियों से देखा व सराहा। महाराजजी के आग्रह पर उनके समक्ष राम लेखन कला कैसे लिखी जाती है वो भी श्रीमती डागा ने बताया।

जिंदगी में मुसीबते चाय पर मलाई की तरह होती है। मलाई हटाके चाय पी लो। जिंदगी में मुसीबतें आयेगी उन्हें हटाके आगे बढ़ों।

डॉ. जाजू को सी वी रमन गोल्ड मैडल से सम्मानित

जोधपुर। स्थानीय आई आई टी द्वारा 19 दिसंबर को सातवें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. गौरव जाजू को उत्कृष्ट शोध के लिये गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। आई आई टी जोधपुर के इस सांतवे दीक्षांत समारोह वहां से डॉक्टोरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करने के साथ उत्कृष्ट शोध करने वाले विशेष छात्र को गोल्ड मैडल से भी सम्मानित किया गया। इसमें ही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा डॉ. गौरव जाजू को 'ब्लाइंड सिग्नल मॉडुलेशन रिकॉग्निशन थ्रू क्लस्टरिंग एनालिसिस ऑफ़ कॉन्स्टलेशन सिग्नेचर' विषय पर शोध करने पर आई आई टी जोधपुर द्वारा जोधपुर के 2021 के सभी पीएचडी करने वाले छात्रों में सबसे उत्कृष्ट शोध करने पर 'सी वी रमन गोल्ड मैडल' से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. जाजू के कई शोध लेख ऐकडेमिक जनरल में प्रकाशित हुए हैं जिसमें उन्होंने वायरलेस सिग्नल की मॉडुलेशन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा क्लासिफ़ाइ करने की तकनीक बताई है।

स्व. माहेश्वरी की स्मृति में आयोजन

अमेठी (उ.प्र.)। पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय, जायस द्वारा अपने संस्थापक स्व. श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी की पुण्यतिथि पर छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास हेतु निबंध, सामान्य ज्ञान, मेंहदी, रंगोली व भाषण आदि प्रतियोगितायें आयोजित की गईं व पुरस्कार वितरण किया गया। प्रबंधक मनोज माहेश्वरी व निर्मल कुमार जैन ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जोधपुर। संदीपनी आयुर्वेदा एवं माहेश्वरी महिला मंडल पूर्वी क्षेत्र द्वारा बच्चों के लिए स्वर्ण प्राशन (आयुर्वेदिक इम्यूनाइजेशन) का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि इसमें 6 महीने से लेकर 16 साल तक के 250 बच्चों का स्वर्ण प्राशन किया गया। संयोजिका - सूर्यकांता डागा, सह-संयोजिका-शोभा डागा, उषा राठी थीं। सुनीता डागा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वरी भूतड़ा, मनीषा मूंदड़ा एवं कमला मूंदड़ा थे। बबीता चांडक ने बताया कि आयुर्वेदाचार्य डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव द्वारा स्वर्ण प्राशन के लाभ बताये गये।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

को सम्पूर्ण राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात में जिला तथा तहसील स्तर पर

ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है

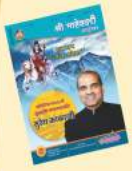

आत्मविश्वास से भरपूर व पर्याप्त शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को प्रथमिकता आकर्षक कमीशन/ वेतन एवं प्रेस कार्ड देय होगा।
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा पूर्ण जानकारी के साथ ई-मेल करें।

smt4news@gmail.com
मो. - 094250-91161

श्री माहेश्वरी मिलापक

SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

अन्नकूट महोत्सव का हुआ आयोजन

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन से सम्बद्ध क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-3 द्वारा गत 10 नवम्बर को केशव नगर सामुदायिक केंद्र में अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें श्रीनाथजी को अन्नकूट की सामग्री का भोग लगाया गया। क्षेत्रीय संगठन की अध्यक्ष इंद्रा अजमेरा के अनुसार जोन-3 की सभी सदस्याओं के साथ अन्य तीनों जोन के पदाधिकारी तथा जिला संगठन की संरक्षक उमा परवाल, अध्यक्ष उमा सोमानी, मंत्री सविता राठी व अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। क्षेत्रीय संगठन की मंत्री निर्मला राठी ने बताया कि अन्नकूट की आरती के बाद सभी उपस्थित महिलाओं ने प्रसादी ग्रहण की।

आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग

ब्यावर। गत दिनों मदनगंज किशनगढ़ (अजमेर) के राधाकृष्ण विहार में रहने वाले मार्बल उद्योगपति संजय लखोटिया के परिजनों को बंधक बनाकर लाखों के गहने व नकदी लूटने की वारदात हुई। किशनगढ़ में हुई इस क्रूरता पूर्वक लूटपाट की घटना से माहेश्वरी समाज के समस्त सदस्यों में आक्रोश व्याप्त है। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के अध्यक्ष, मंत्री एवं समस्त कार्यकारिणी के सदस्य के साथ समाज के पार्षदगण, सदस्यगणों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के साथ ही घटना के संबंध में जल्द से जल्द उद्योगपति संजय लखोटिया को राहत प्रदान करने व परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की भी मांग की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी दिया है।

आपकी उपस्थिति से.. कोई व्यक्ति..
स्वयं के दुःख भूल जाए..
यही आपकी..
उपस्थिति की सार्थकता है !!

उपलब्धि

एकता ने किया युएसए से पीएच.डी.

आणंद (गुजरात)। समाज सदस्य अर्जुन तथा लत्ता शाह (केला) की सुपुत्री एकता ने रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (युएसए) से एस्ट्रोफिजिक्स में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। इसके साथ ही एकता को युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया (युएसए) से पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्राप्त हुई है। इसके अंतर्गत वे आगे भी इसी विषय में विशिष्ट शोध करेंगी।

रसिका को नीट में 55वीं रैंक

अकोला। हाल ही में आये नीट के परिणामों में अकोला की रसिका दिनेश मल ने 720 में से 706 अंक हासिल कर ऑल इंडिया रैंकिंग में पचपन वाँ स्थान प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि दसवीं में हुई एनटीएसई में भी वह संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य से अव्वल रही।

गर्वित बने असिस्टेंट इंजीनियर

उरई। राजस्थान सरकार में असिस्टेंट इंजीनियर पद पर गर्वित माहेश्वरी चयनित हुए। इसके लिये उरई शहर के विजय नगर निवासी गर्वित माहेश्वरी ने राजस्थान लोक सेवा आयोग की सहायक अभियंता प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल की। गर्वित ने इस परीक्षा में 52 रैंक हासिल की। गर्वित का चयन सहायक अभियंता के तौर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी डिपार्टमेंट में हुआ है। उल्लेखनीय है कि गर्वित ने हाई स्कूल की पढ़ाई उत्तराखंड से की और इंटर की पढ़ाई ग्वालियर मध्य प्रदेश से की। इंटर की परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों के साथ पास की। बीटेक की पढ़ाई इंदौर के सरकारी कॉलेज से की। गर्वित हाल ही में आईआईटी कानपुर से एमटेक कर रहे हैं और उसी के साथ यह परीक्षा उत्तीर्ण की।

देवेश भैया को स्वर्ण पदक

जलगांव। जामोद निवासी नवलकिशोर और उषा भैया के सुपौत्र और जलगांव (खान्देश) निवासी पंकज और पल्लवी भैया के सुपुत्र देवेश भैया ने 18वें अंतरराष्ट्रीय जूनियर साइंस ओलंपियाड (आईजेएसओ 2021) में स्वर्ण पदक जीता। यह कार्यक्रम इस साल दुबई द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें पूरे देश से हर साल 6 छात्र इस परीक्षा के लिए चुने जाते हैं। देवेश ने इतनी कम उम्र में आठवीं कक्षा में चुने जाने वाले पहले बच्चे बनकर इतिहास रच दिया।

सक्रांति एवं रिलेशनशिप पर कार्यशाला आयोजित

जोधपुर। शहर माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र द्वारा पारिवारिक समरसता समिति के अंतर्गत एक वर्क शाला का आयोजन गत 18 दिसंबर को किया गया। इसका विषय था, 'संक्रांति एवं रिलेशनशिप।' अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि इस वर्कशॉप की प्रमुख वक्ता छाया राठी रही जिन्होंने सक्रांति पर्व का महत्व बताते हुए यह बताया कि कैसे हम विभिन्न रिश्तों जैसे कि सास-बहू, देवर-भाभी, ननद-भाभी इत्यादि में सक्रांति पर अनेक नेक चार करके इन रिश्तो में मधुरता एवं प्रेम बनाए रख सकते हैं। कार्यक्रम का संयोजन संगीता मंत्री ने किया। मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव कमला मूंदड़ा रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में ललिता धूत, संजू सोनी, भगवती बूब, मंजू गट्टानी, पुष्पा सोनी, उषा राठी सहित मंडल की समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

जरूरतमंदों को कपड़े वितरित

रोसडा। माहेश्वरी सभा के सदस्य कृष्ण लखोटिया ने अपनी दुकान लखोटिया वस्त्रालय परिसर में 'वस्त्र सम्मान' के रुप में चलाए जा रहे अभियान में जरूरतमंद लोगों को नये कपड़े वितरित किये जा रहे हैं। संस्थान के प्रोपराइटर कृष्ण कुमार लखोटिया ने प्रदेश सहमीडिया प्रभारी राजकुमार लढ़ा को बताया कि इस अभियान के अंतर्गत करीब 300 से 350 नये कोट, स्वेटर, जीन्स, शर्ट, टी शर्ट, पैंट इत्यादि उपलब्ध कराये गया हैं। जिस भी व्यक्ति को इनमें से किसी कपड़े की जरूरत हो वे उपहार स्वरूप इसे ले जा सकते हैं। इनमें से अधिकांश कपड़े कलकत्ता निवासी गिरिराज रतन डागा एवं अंजु डागा की ओर से उपलब्ध कराये गये हैं। वस्त्र प्राप्त कर्ताओं ने दानदाताओं का आभार व्यक्त किया।

श्रद्धांजलि

श्रीमती चंदा भूतड़ा

अमृतसर। माहेश्वरी सभा के वरिष्ठ सदस्य विजय भूतड़ा की धर्मपत्नी व नैत्र विशेषज्ञ डॉ. अमित भूतड़ा की माता श्रीमती चंदा भूतड़ा का गत 70 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे भरा पूरा शोकाकुल परिवार छोड़ कर गए हैं। आप अमृतसर के वरिष्ठ सदस्य विनोद राठी और महेश राठी की बहन थीं।

श्री प्रहलाददास लड्ढा

चंद्रावतीगंज (उज्जैन)। वरिष्ठ समाजसेवी रामरतन लड्ढा के बड़े भाई एवं कृष्णगोपाल लड्ढा (नानाभैया) के पिताश्री प्रहलाददास लड्ढा का निधन गत 13 दिसम्बर को हो गया। श्री लड्ढा समाज समर्पित समाजसेवी व धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। आपके निधन पर कई गणमान्यजनों ने दुख व्यक्त किया।

श्री बाबूलाल माहेश्वरी (परवाल)

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत ट्रस्ट के सचिव अशोक परवाल के पिता श्री बाबूलाल माहेश्वरी (परवाल) का हृदयाघात से 85 वर्ष की आयु में गत 14 दिसम्बर 21 को असामयिक देहावसान हो गया है। आप वरिष्ठ समाजसेवी के साथ साथ एक अच्छे शिक्षाविद् भी थे। आपको शासन द्वारा उत्कष्ट शिक्षा सेवा हेतु दो बार सम्मानित भी किया गया। अपने पीछे भतीजे, पौत्र-पौत्री व प्रपौत्र आदि का भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री श्रीलाल मुंधड़ा

चैन्नई। श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की ऋण सहायता स्वीकृति कमेटी के मुख्य संयोजक, समर्पित एवं कर्मठ समाजसेवी श्री श्रीलाल मुंधड़ा का गत 11 दिसम्बर को आकस्मिक निधन हो गया। स्व. श्री मुंधड़ा का केंद्र योजना में सक्रिय योगदान रहा।

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT
THE STRENGTH WITHIN
www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality
MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन ने इस बार फिर अपना वही नेतृत्व चुना है, जिसने पूर्व में लगातार दो सत्र में नेतृत्व सम्भालते हुए सेवा सदन का कायाकल्प ही कर दिया था। इस बार पुनः उन्हीं रामकुमार भूतड़ा को आग्रहपूर्वक सेवा सदन के सदस्यों ने नेतृत्व की जिम्मेदारी निर्विरोध रूप से सौंपी है। इस बार न सिर्फ अध्यक्ष पद बल्कि शेष सभी पदों पर भी निर्विरोध निर्वाचन ही हुआ है।

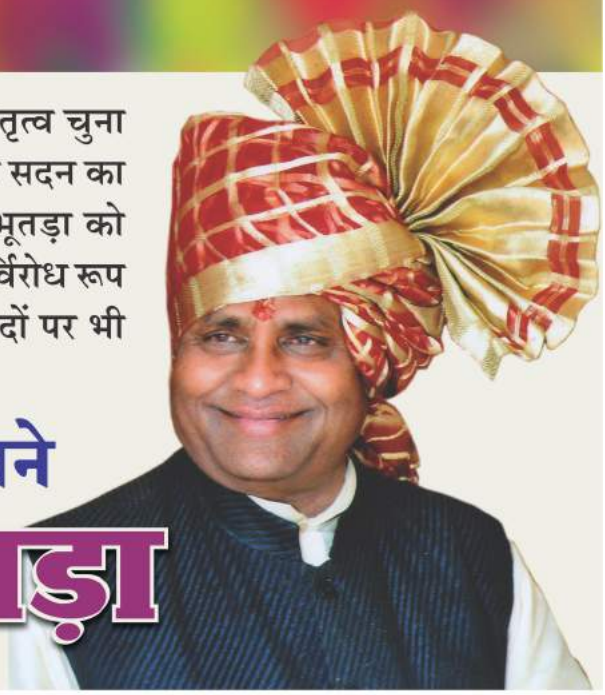

सेवा सदन के फिर सिरमौर बने

रामकुमार भूतड़ा

प्रमुख तीर्थ स्थलों पर समाज के पर्यटकों को घर जैसी आवासीय सुविधा प्रदान करने वाली शीर्ष संस्था श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की प्रबंधकारिणी के चुनाव गत 9 दिसम्बर को सम्पन्न हुए। इस बार के चुनावों की विशेषता यह रही कि इस चुनाव में सेवा सदन को विगत दो सत्रों में अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व प्रदान करने वाले ख्यात समाजसेवी रामकुमार भूतड़ा तो निर्विरोध अध्यक्ष चुने ही गये, इनके साथ कार्यकारिणी के शेष सभी 14 पदों पर भी निर्विरोध निर्वाचन ही हुआ। संस्था के विकास की सोच के साथ श्री भूतड़ा को आग्रह पूर्वक चुनाव में खड़े करने के साथ सम्पूर्ण प्रबंधकारिणी के निर्विरोध निर्वाचन में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति भीलवाड़ा निवासी रामपाल सोनी की अहम भूमिका रही। मुख्य चुनाव अधिकारी किशन गोपाल कोगटा (विजयनगर) थे।

सेवा सदन को बनाया शीर्ष सेवा संस्था

वर्तमान में श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन सिर्फ समाज ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र की ऐसी शीर्ष समाजसेवी संस्थाओं में शामिल है, जो देश के प्रमुख तीर्थ स्थानों पर आवासीय भवनों की सुविधा उपलब्ध करवाकर तीर्थ यात्रियों को अत्यंत उच्च स्तरीय सेवा प्रदान कर रहा है। वर्ष 2003 में प्रथम बार इस सेवा संस्था की बागडोर अध्यक्ष के रूप में ख्यात समाजसेवी व ग्रेनाईट पत्थर व्यवसायी जालोर (राजस्थान) निवासी रामकुमार भूतड़ा ने सम्हाली थी, उस समय सेवा सदन के सेवा भवनों की संख्या मात्र 4 थी। उनकी सेवाओं का सम्मान करते हुए मतदाताओं ने वर्ष 2008 में हुए चुनाव में इस संस्था की बागड़ोर पुनः श्री भूतड़ा को ही सौंप दी। इसके पश्चात् वर्ष 2012 तक वे इस संस्था के अध्यक्ष रहे। यह उनकी सेवाओं का ही प्रतिफल है कि देश के विभिन्न तीर्थ स्थलों पर स्थापित सेवा सदन भवनों की संख्या उनके कार्यकाल में 4 से सीधे 9 पर जा पहुँची। इतना ही नहीं इन भवनों के आधुनिकीकरण में भी कोई कसर नहीं रही। वर्तमान में इनमें से अधिकांश उच्चस्तरीय होटलों की तरह आधुनिकतम सुविधाओं से भी युक्त हैं।

आधुनिक सुविधा के साथ भवनों का विस्तार

एक धर्मशाला के रूप में सेवा सदन की शुरूआत हुई थी। फिर यह सेवा यात्रा श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के रूप में सेवा के वटवृक्ष के रूप में विस्तारित होती चली गई। रामकुमार भूतड़ा के दो सत्र के अध्यक्षीय कार्यकाल में तो इसने अत्यंत तीव्र विकास गति ही प्राप्त कर ली। उनके कार्यकाल में प्रधान कार्यालय पुष्कर के साथ वृंदावन, हरिद्वार, बद्रीनाथ, नाथद्वारा, रामदेवरा, चारभुजा, जतीपुरा व जोधपुर में भी इसकी शाखाएं अपने सुविधाजनक भवनों से सेवा देने लगीं। सेवा सदन भवनों की फोन पर एडवांस बुकिंग तो लंबे समय से जारी थी। अब आधुनिक तकनीक के दौर में सेवा सदन हाईटेक होकर ऑनलाइन बुकिंग भी प्रारंभ हो गई। इसके लिए सेवा सदन की बेवसाइट पर जाकर संबंधित सेवा भवन में एडवांस ऑनलाइन बुकिंग करवाई जा सकती है। सभी भवनों में एसी, नॉन एसी, एयरकूल्ड कमरे न्यूनतम सहयोग राशि पर उपलब्ध हैं।

पुष्कर, वृंदावन, हरिद्वार, चारभुजा, नाथद्वारा, जोधपुर में न्यूनतम दर पर उत्तम भोजन की व्यवस्था भी उपलब्ध होती है। सामाजिक समारोहों हेतु भव्य हॉल एवं खुले मैदान की व्यवस्था है। वर्तमान में परिवेश के अनुसार आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित डीलक्स रूम भी तैयार हैं।

विश्वास का बनाया प्रतिमान

श्री भूतड़ा के कार्यकाल में सेवा सदन ने विश्वसनीयता के कीर्तिमान बनाये। इसका प्रमाण विभिन्न संस्थाओं द्वारा समर्पित किये गये सेवा भवन हैं। रामदेवरा में समाजसेवी जीवनलाल चाँडक व उनके सहयोगियों द्वारा स्थापित एक संस्था द्वारा तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिये एक भवन का संचालन किया जा रहा था। जब वृद्धावस्था व अन्यत्र निवास के कारण सभी संचालकगण इस भवन के सफल संचालन में परेशानी महसूस करने लगे तो ऐसी योग्य संस्था की तलाश प्रारम्भ हुई जो पूर्ण सेवाभाव से इसका संचालन कर सके। जब सभी संस्थाओं की जानकारी ली गई तो श्री चांडक व उनके सहयोगियों को सबसे योग्य व विश्वस्त श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन ही लगा। उन्होंने सर्वसम्मति से 64 कमरों, 5 सभागार एवं 22 हजार वर्गफीट भूमि के साथ निर्मित इस सामूदायिक भवन को सेवा सदन को सौप दिया था। इसी प्रकार जतिपुरा गोवर्धन के जैसलमेर भवन को संचालित करने वाली संस्था ने भी सेवा सदन के प्रति विश्वास प्रकट करते हुए सम्पूर्ण भवन अर्पण कर दिया था। इसी प्रकार नासिक जिला माहेश्वरी सभा के अनुरोध पर भामाशाह प्रकाश बालकिशन कलंत्री ने करोड़ों रूपये मूल्य की भूमि बिना किसी शर्त के सेवा सदन को भवन निर्माण के लिये भेंट की थी। इसी प्रकार जगन्नाथपुरी व तिरूपति में भी विभिन्न संस्थाओं ने विश्वास व्यक्त किया था।

पैतृक गाँव से सेवा की शुरूआत

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म दिवस जन्माष्टमी पर सन् 1949 में राजस्थान के एक छोटे से गाँव डोडियाना, तहसील डेगाना, जिला नागौर में स्व. श्री शिवदयाल भूतड़ा के यहाँ एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे रामकुमारजी का बाल जीवन भी भगवान श्री कृष्ण की तरह ही रहा। उन्हें भी अपने गाँव से बेहद लगाव रहा। अपने गाँव की सुविधाविहीनता व पिछडापन उन्हें बहुत कष्ट देता था। स्वयं की पढ़ाई भी उन्हें पारीक संस्कृत विद्यालय मेडता सिटी तथा कक्षा 9 से 10 तक की सांईनाथ विद्या मंदिर बडायली में पूर्ण करनी पड़ी। इसके बाद कक्षा 12वीं की परीक्षा उन्होंने पत्राचार से पढ़ाई कर उत्तीर्ण की। उनका सपना था कि उनका गाँव सुविधाओं में सबसे आगे रहे। बस इस सपने ने ही उन्हें राजनीति में भी सक्रिय कर दिया। आप भाजपा के मण्डल अध्यक्ष, जिला कोषाध्यक्ष, व्यावसायिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आदि पदों पर सेवा भी प्रदान करते रहे। वर्ष 1988 से 1991 तक ग्राम पंचायत डोडियाना के सरपंच भी रहे। इसी दौरान मेड़ता उपखेड सरपंच संघ के 3 वर्ष तक सचिव भी रहे। सरपंच पद पर रहते हुए इन्हें बचपन के सपने साकार करने का अवसर मिला तो कोई कसर ही नहीं रख छोड़ी। गाँव में 70 परिवारों के लिए मकान,38 परिवारों के लिए कुएं निर्माण का कार्य एवं 200 परिवारों को मासिक परिवार पेंशन सरकार के सहयोग से प्रदान करवाने का श्रेय इन्हें ही जाता है। बालाजी व शिव मंदिर निर्माण, गौशाला, अस्पताल का विकास व नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन, स्कूल भवनों का निर्माण आदि भी उनके योगदानों में शामिल हैं जिनमें आपने स्वयं भी यथासंभव वित्तीय सहयोग दिया था।

सिद्धांतों से समझौता नहीं

श्री भूतड़ा ने बचपन से आम व्यक्ति की परेशानियों को निकट से देखा है, क्योंकि उन विषम स्थितियों से दो-दो हाथ करने वालों में स्वयं वे भी शामिल रहे। आपके पिता स्व. श्री शिवदयाल भूतड़ा उस गाँव में किराना व गल्ला का छोटा-मोटा व्यापार करते थे। आर्थिक परेशानियों के साथ-साथ ही सुविधा विहीन ग्रामीण परिवेश को भी बचपन से महसूस किया। विषम परिस्थितियाँ जीवन में ऐसी रची बसी कि आम व्यक्ति की परेशानियों से दो-दो हाथ करना इनके जीवन का उद्देश्य ही बन गया। आर्थिक विषमताओं और ग्रामीण परिवेश में उच्च शिक्षा की सीमित सुविधाओं के चलते श्री भूतड़ा इन्टरमीडिएट से आगे पढ़ नहीं पाए और आजीविका के लिए राजकीय शिक्षक के रूप में कार्य करने लगे। अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान ही जनसंघ की गतिविधियों में सक्रिय हो गए। जनसंघ से उनका यह जुड़ाव उनकी नौकरी के आड़े आ गया। राजनीति में उनका सक्रिय रहना अधिकारियों की आँख में खटकने लगा और आए दिन वे आपत्ति लेने लगे। श्री भूतड़ा ने अपने सिद्धांतों से समझौता न करते

हुए जब जनसंघ या नौकरी में से किसी एक को चुनने का मौका आया तो नौकरी को छोड़ना ही अधिक उचित समझा, जिससे स्वतंत्र होकर जनहित के लिए कार्य कर सकें। 1967 में आपने नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।

पत्थर व्यवसाय में शीर्ष नाम

वर्तमान में श्री भूतड़ा का नाम राजस्थान के शीर्ष पत्थर व्यवसायियों में शामिल है। वर्ष 1995 में स्वव्यवसाय की दृढ़ इच्छा शक्ति ने उन्हें उद्योग की ओर प्रेरित किया। मात्र 20 लाख रुपए की लागत से 2 कटर मशीन लगाकर जालौर में ग्रेनाईट पत्थर के उद्योग की स्थापना की। पत्थर की दुनिया भी इनके मजबूत इरादों के सामने नतमस्तक हो गई। मात्र 4-5 वर्ष में ही जालौर के साथ ही किशनगढ़ में भी उनके उद्योग का विस्तार हो गया। वर्तमान में कमला ग्रेनाईट, आर.के. ग्रेनाइट और श्रीकांत ग्रेनाईट उद्योग की संपूर्ण राजस्थान में विशेष पहचान बन चुकी है। अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद श्री भूतड़ा राजनीतिक सक्रियता व समाजसेवा के साथ ही धार्मिक गतिविधियों में भी यथासंभव सहयोग देते रहे हैं। धर्मपत्नी श्रीमती कमलादेवी भूतड़ा इन धार्मिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का सक्रियता से निर्वहन करती है। पुत्र श्रीकांत एवं अमित सुस्थापित हो चुके ग्रेनाईट उद्योग का भार वर्तमान में अपने युवा कंधों पर लेकर उद्योग को शीर्ष पर ले जाने के लिए प्रयासरत हैं।

समाज सेवा का वृहद आयाम

श्री भूतड़ा जालौर में अपना ग्रेनाईट स्टोन का सुस्थापित व्यवसाय संचालित कर रहे हैं। अपनी इस व्यवसायिक व्यस्तता के बावजूद आपकी सेवा गतिविधियाँ कभी सीमित नहीं रहीं। समाज संगठन के अन्तर्गत श्री भूतड़ा ने वर्ष 1990-96 तक नागौर जिला माहेश्वरी सभाध्यक्ष, वर्ष 1990-98 तक राजस्थान प्रादेशिक सभा के कार्यसमिति सदस्य व वर्ष 1998-2001 तक इसी प्रादेशिक संगठन में संयुक्त मंत्री जैसे पदों पर भी सेवा दी। श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन से वर्ष 1980 से कार्यसमिति सदस्य के रूप में सम्बद्ध हुऐ और वर्ष 1984 में इसमें संयुक्त मंत्री एवं वर्ष 1999 से 2003 तक उपाध्यक्ष रहे। समग्र वैश्य समाज के सर्वोच्च संगठन अ.भा. वैश्य महासम्मेलन में आप राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य एवं नागौर जिला वैश्य सम्मेलन अध्यक्ष पद के उत्तरदायित्वों आदि का निर्वहन भी करते रहे हैं। आप महेश सेवानिधि राजस्थान के कार्यकारिणी एवं श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग ट्रस्ट चैन्नई के संस्थापक सदस्य भी हैं। माहेश्वरी छात्रावास कोटा, बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी ब्यावर एवं गोल बालाजी मंदिर के आदि आप ट्रस्टी भी हैं। राजनीतिक रूप से आप भाजपा राजस्थान प्रदेश कोषाध्यक्ष हैं।

महासभा में भी निभाई अहम भूमिका

श्री भूतड़ा अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद अ.भा. माहेश्वरी महासभा से दीर्घावधि से सम्बद्ध होकर भी अपनी सेवा देते रहे हैं। इसके अंतर्गत श्री भूतड़ा लगभग 35 वर्ष तक कार्यकारी मंडल सदस्य तथा दो सत्रों में राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य रहे हैं। सत्र 2013-2016 में महामंत्री पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। इस सत्र में सभापति श्री लड्ढा के अस्वस्थ रहने से श्री भूतड़ा पर दोहरी जिम्मेदारी भी आई लेकिन उन्होंने अपनी कुशल प्रबंधन क्षमता से इसका सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

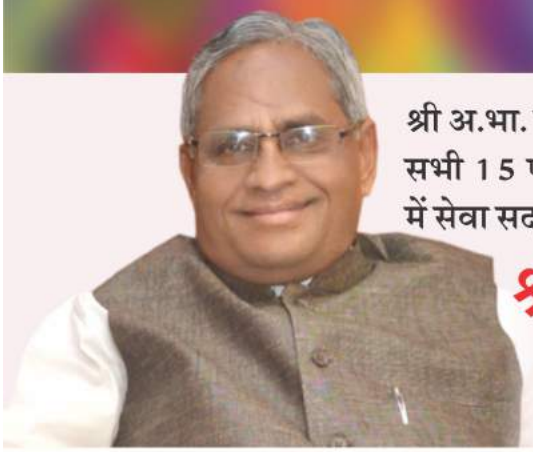

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के चुनाव में अध्यक्ष के साथ प्रबंधकारिणी के सभी 15 पदों पर भी निर्विरोध निर्वाचन ही हुआ। आइये जानें श्री भूतड़ा के नेतृत्व में सेवा सदन में तैयार उनकी ''सेवा कारिणी'' में कौन-कौन हैं, सेवा को तैयार?

श्री भूतड़ा की ''सेवा कारिणी'' भी निर्विरोध निवार्चित

वरिष्ठ उपाध्यक्ष - कैलाश सोनी

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन में सर्वसम्मति से जयपुर निवासी कैलाश सोनी वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। व्यावसायिक रूप से श्री सोनी 'बॉल बैरिंग तथा रोड कन्स्ट्रक्शन व माईनिंग में उपयोग में आने वाली हेवी अर्थ मूविंग मशीन्स के स्पेयर पाट्र्स से संबंधित हैं। वर्तमान में आपके दिल्ली व जयपुर आदि स्थलों पर कार्यालय हैं।

समाज सेवा में योगदान

श्री सोनी अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद समाज संगठन में हमेशा ही सक्रिय सहयोग देते आए हैं। वर्तमान में श्री सोनी जयपुर जिला माहेश्वरी सभा के आजीवन सदस्य तथा अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 29वें सत्र के संयुक्त मंत्री पश्चिमांचल हैं। वर्ष 2012-2016 में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री तथा वर्ष 2016-2019 में प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के सत्र 2012-2016 तथा 2016-2020 तक मंत्री रहे हैं।

उपाध्यक्ष- प्रहलाद शाह (राठी)

जोधपुर (राज.) निवासी प्रहलाद शाह (राठी) श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की प्रबंध कारिणी में वर्ष 2016-2021 तक तो उपाध्यक्ष रहे ही, वर्तमान में पुनः उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। स्व. श्री कृपा कृष्ण शाह के यहाँ जन्मे श्री शाह ने 1975 में बी.कॉम. तक शिक्षा प्राप्त की और फिर अपने पैतृक व्यवसाय को ही अपना लिया। वर्तमान में आपका जोधपुर मंडोर मंडी में अजवाईन, जीरा व साबूदाना का वृहद थोक व्यापार है, जिसमें आपके पुत्र धीरज भी सहयोगी बने हुए हैं।

समाजसेवा में योगदान

सेवा सदन से श्री शाह का पैतृक रूप से लगाव रहा है। पिताजी स्व. श्री कृपाकृष्ण शाह 1974 से 1985 तक, स्व. श्री गोवरधनलाल सोनी के साथ श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन में सहयोगी रहे थे। श्री शाह अखिल भारतीय सेवा सदन में 2003 से 2008 तक कार्यकारिणी सदस्य, 2008- 2012 तक मंत्री, 2012-2016 तक मंत्री, 2016-2021 उपाध्यक्ष तथा अब पुनः 2021 में उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। जोधपुर माहेश्वरी समाज में 1998 से दो कार्यकाल में स्व. श्री दामोदरलाल बंग, कार्यकारिणी में सदस्य व संयोजक रहे तथा जोधपुर मंडोर व्यापार संघ में कोषाध्यक्ष पद पर रहे।

उपाध्यक्ष- अनिलकुमार बांगड़

भीलवाड़ा (राज.) निवासी अनिलकुमार बांगड़ इस निर्वाचन में पुनः उपाध्यक्ष चुने गये। जहाजपुर (राज.) में 15 अगस्त 1963 को स्व. श्री भंवरलाल बांगड़ तथा श्रीमती सुशीलादेवी के यहाँ जन्में श्री बांगड़ ने अजमेर से बी.कॉम. तक उच्च शिक्षा प्राप्त की। लेकिन फिर भी व्यवसाय को ही आजीविका बनाया। आप टेक्सटाईल व्यवसाय से सम्बद्ध हैं तथा फर्म गणेशदास एण्ड कम्पनी का संचालन कर रहे हैं। आपकी धर्मपत्नी सपना बांगड़, पुत्र अर्पित तथा पुत्री साक्षी भी आपके ही पदचिन्हों पर अग्रसर हैं।

समाजसेवा में योगदान

श्री बांगड़ श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर सत्र 2008-12 मंत्री तथा सत्र 2012-16 में उपाध्यक्ष रहे हैं। वर्तमान में पुनः उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। कार्यकारिणी सदस्य - सत्र 2016-2021 तक रहे। कार्यकारिणी मण्डल सदस्य- अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, कार्यकारी सदस्य- प्रदेश एवं जिला माहेश्वरी सभा, संयोजक व ट्रस्टी- श्री गिरीराजधरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, गोवर्धन, ट्रस्टी- श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, द्वारिका व जगन्नाथपुरी, पूर्व उपाध्यक्ष-ट्रस्टी- महेश सेवा समिति-भीलवाड़ा तथा पूर्व ट्रस्टी-माहेश्वरी समाज सम्पत्ति ट्रस्ट रहे हैं। इसके साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय भूमिकाओं का निर्वहन किया है। व्यक्तिगत रूप से शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में तथा रक्तदान में सदैव सहयोगी रहे हैं।

उपाध्यक्ष - शंकरलाल बाहेती

सेवा सदन की नवीन कार्यकारिणी में निर्विरोध रूप से उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए अहमदाबाद निवासी शंकरलाल बाहेती की पहचान समाज में वरिष्ठ समाजसेवी के रूप में है। श्री बाहेती का जन्म 17 फरवरी 1966 को स्व. श्री बंशीलाल व श्रीमती सविता बाहेती के यहाँ हुआ था। आप व्यावसायिक रूप से उद्यम ''बाहेती मेटल एण्ड फेरो ऐलायज लिमिटेड'' का संचालन कर रहे हैं। जिसमें वर्तमान में आपके पुत्र बालकिशन तथा यश बाहेती भी योगदान दे रहे हैं। धर्मपत्नी सविता बाहेती आपकी समाजसेवा में सहयोगी बनी हुई हैं। आपकी प्रमुख पहचान समाज संगठनों में मुक्तहस्त से सेवा गतिविधियों में आर्थिक सहयोग देने वाले भामाशाह के रूप में है। आप प्रमुख रूप से अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन चारभुजा जी में भोजनशाला, नाथद्वारा में स्वागतकक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा संस्था जोधपुर में लिफ्ट स्थापना में आर्थिक सहयोग दे चुके हैं।

समाजसेवा में योगदान

श्री बाहेती श्री माहेश्वरी सेवा कुंज भवन द्वारका गुजरात के ट्रस्टी, भामाशाह फाउण्डेशन अहमदाबाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे हैं। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन अहमदाबाद जिला अध्यक्ष, गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा तथा अहमदाबाद जिला माहेश्वरी सभा को कार्यकारी मण्डल सदस्य के रूप में सेवा दे चुके हैं। श्री महेश सेवा ट्रस्ट अहमदाबाद, श्री बांगर माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी ब्यावर तथा राजस्थान हॉस्पिटल अहमदाबाद से बोर्ड मेम्बर के रूप में सम्बद्ध है। व्यक्तिगत स्तर पर पालनपुर में कम्प्यूटर लेब तथा गणपतपुरा में प्याऊ निर्माण भी आपने करवाया है।

उपाध्यक्ष-जयकिशन बल्दुआ

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर ने इस बार सम्पूर्ण कार्यकारिणी के निर्विरोध निर्वाचन से जो कीर्तिमान बनाया है, उसमें ब्यावर (राजस्थान) निवासी जयकिशन बल्दुआ को भी उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी प्राप्त हुई है। ब्यावर (राज.) में ही स्व. श्री जंवरीलाल बल्दुआ के यहाँ जन्में श्री बल्दुआ भी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से कई समाज संगठनों में अपनी समर्पित सेवा देते रहे हैं। सेवा सदन से भी लम्बे समय से सम्बद्ध हैं।

उपाध्यक्ष - विजयशंकर मूंदड़ा

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की निर्विरोध नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष निर्वाचित सरवाड़ (राजस्थान) निवासी विजयशंकर मूंदड़ा की पहचान समाज ही नहीं बल्कि क्षेत्र में एक ऐसे प्रखर समाजसेवी के रूप में है, जो हर गलत बात के विरोध में निर्भिकता से खड़े होते हैं। श्री मूंदड़ा का जन्म 26 जनवरी 1972 को स्व. श्री रामप्रसाद व श्रीमती लाड़देवी मूंदड़ा के यहां हुआ। बचपन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सम्बद्ध रहे। अतः संघ के संस्कारों व कठोर अनुशासन का आप पर विशेष प्रभाव रहा। इससे उनके व्यक्तित्व में निर्भिकता का विशिष्ट गुण भी समाहित हो गया।

समाजसेवा में योगदान

श्री मूंदड़ा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सरवाड़ के नगर कार्यवाह रहे हैं तथा उसकी शैक्षणिक इकाई विद्या भारती संगठन सरवाड़ को मंत्री के रूप में सक्रिय सेवा दे रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में आप व्यापार मंडल संगठन के साथ ही वर्तमान में मध्य राजस्थान प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष तथा प्रतिष्ठित सेवा संस्था "श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र को सदस्य के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के कार्यालय मंत्री तथा अजमेर जिला माहेश्वरी समाज को मंत्री के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाऐं दे चुके है। विश्व हिन्दु परिषद जिला अजमेर उपाध्यक्ष तथा सचिव विद्या भारती संस्थान आदि के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

महामंत्री- रमेशचंद्र छापरवाल

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को वर्ष 2016-21 में महामंत्री के रूप में सेवा दे रहे भदूण जिला अजमेर के मूल निवासी, रमेशचंद्र छापरवाल पुनः सत्र 2021-25 हेतु निर्विरोध महामंत्री निर्वाचित हुए हैं। वर्तमान में माली मोहल्ला-मकराना तथा तिलकनगर (मदनगंज-किशनगढ़) में निवासरत श्री छापरवाल का जन्म 5 दिसम्बर 1952 को ग्राम भदूण जिला अजमेर में हुआ था। आप शिक्षा क्षेत्र में हमेशा प्रतिभावान रहे तथा राजस्थान शिक्षा बोर्ड की 10वीं की परीक्षा 4थी मैरिट, राजस्थान युनिवर्सिटी की पीयूसी परीक्षा 6टी मैरिट तथा स्नातक स्तर की परीक्षा 4थीं मैरिट में उत्तीर्ण की लेकिन स्व-व्यवसाय ही आजीविका के रूप में अपनाया। वर्तमान में अपने किशनगढ़ स्थित प्रतिष्ठान सप्तगिरी मार्बल्स प्रा.लि. तथा रमेश छापरवाल एंड संस, द्वारा मार्बल व्यवसाय से सम्बद्ध हैं।

समाजसेवा में योगदान

श्री छापरवाल अध्यक्ष- माहेश्वरी नवयुवक मंडल - मकराना, सह सचिव-माहेश्वरी पंचायत बोर्ड-मकराना, कार्यकारिणी सदस्य-श्री अ.भा.मा.सेवा सदन- (पुष्कर), जिला अध्यक्ष- नागौर जिला माहेश्वरी सभा, कार्यकारिणी सदस्य- राज. प्रदेश माहेश्वरी सभा, महासभा कार्यकारिणी मंडल सदस्य, संयुक्त मंत्री- राज. प्रदेश माहेश्वरी सभा आदि के रूप में सेवा दे चुके हैं। सदस्य- श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र एवं सदस्य फंड राईजिंग कमेटी व बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी तथा ट्रस्टी- लोहार्गल धाम एवं श्री माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के रूप में सेवा दे रहे हैं। अन्य सामाजिक संगठनों के अंतर्गत सचिव लायन्स क्लब-मकराना व अध्यक्ष भारत विकास परिषद-मकराना व भारत विकास परिषद जिला नागौर के रूप में भी सेवा दे चुके हैं।

कोषाध्यक्ष - मनोहरलाल पुगलिया

श्री अ.भा.माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के सम्पन्न निर्वाचन में जोधपुर निवासी समाजसेवी मनोहर पुगलिया नवीन कार्यकारिणी में निर्विरोध रूप से कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। श्री पुगलिया लंबे समय से सेवा सदन से सम्बद्ध होकर अपनी समर्पित सेवा दे रहे हैं। अपनी अन्य सेवा गतिविधियों के अंतर्गत श्री पुगलिया गौ सेवा में अपना विशिष्ट योगदान दे रहे हैं। समाज संगठन अंतर्गत माहेश्वरी समाज धोरीमना के अध्यक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी सदस्य, महेश सेवा ट्रस्ट बंबोर के ट्रस्टी व श्री महालक्ष्मी शिक्षण संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

मंत्री- सोहनलाल मूंदड़ा

इस बार पूरी तरह से निर्दलीय निर्वाचित सेवा संगठन अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की प्रबंधकारिणी में जोधपुर निवासी समाजसेवी सोहनलाल मुंदड़ा मंत्री पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए हैं। वर्ष 1949 में श्री शिवराज मुंदड़ा के यहाँ जोधपुर में जन्मे श्री मुंदड़ा लम्बे समय से विभिन्न समाजसेवी संगठनों से सम्बद्ध होकर सेवा दे रहे हैं। श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को भी दीर्घावधि से सदस्य के रूप में सेवा देते रहे हैं। उल्लेखनीय है लगातार श्री मूंदड़ा तीसरी बार मंत्री पद पर सेवाऐं दे रहे हैं।

मंत्री-मुरलीधर झंवर

नोखा (बीकानेर) निवासी 70 वर्षीय वरिष्ठ समाजसेवी मुरलीधर झंवर इस बार की अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की निर्विरोध नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी में मंत्री निर्वाचित हुए हैं। श्री झंवर का जन्म समाजसेवी व परम्परागत व्यवसायी परिवार में श्री मुरलीधर झंवर के यहाँ हुआ था। आप व्यावसायिक क्षेत्र में दाल-दलहन, मुंगफली, आटा, ग्वार गम आदि के प्रोसिसिंग एवं आयातक-निर्यातक के साथ एग्रो प्रोड्यूसर के रूप में व्यवसायरत हैं।

समाजसेवा में योगदान

श्री झंवर को समाजसेवा पारिवारिक संस्कारों के रूप में मिली। आप श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर को उपाध्यक्ष के रूप में भी पूर्व में सेवा दे चुके हैं तथा वर्तमान में इसमें मंत्री निर्वाचित हुए हैं। नोखा वेद विद्या प्रचारक ट्रस्ट नोखा के भी आप मंत्री हैं।

मंत्री - भगवान बंग

वर्तमान में श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की नवनिर्वाचित प्रबंध कारिणी में सत्र 2016 से 2021 तक मंत्री रहे भगवान बंग पुनः निर्विरोध मंत्री निर्वाचित हुए हैं। स्व. श्री नथमल बंग के यहाँ जन्मे परबतसर-जिला नागौर (राज.) निवासी श्री बंग को समाजसेवा विरासत में ही मिली और यही सेवा भावना उन्हें राजनीति की ओर भी ले गई। राजनीति के क्षेत्र में भी आपने समाजसेवा की तरह ही कार्य किया।

सेवा के वृहद आयाम

श्री बंग वर्ष 2000 से 2005 तक नगर पालिका पार्षद, 2005 से 2010 तक पार्षद तथा वर्ष 2010 से 2015 तक नगर पालिका अध्यक्ष (निर्दलीय) रहे। वर्ष 2005 से 2013 तक विकास समिति अध्यक्ष भी रहे। आप श्री गोपाल गोशाला के अध्यक्ष के रूप में सेवा भी दे रहे हैं।

मंत्री - किशन गोपाल बंग

गत दिनों सम्पन्न श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के निर्वाचन में जोधपुर निवासी किशन गोपाल बंग मंत्री निर्वाचित हुए हैं। श्री बंग का जन्म अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री दामोदरलाल बंग के यहां हुआ था। वर्तमान में श्री बंग व्यावसायिक गतिविधियों के अंतर्गत हाइड्रेटेट लाईम निर्माण की केमिकल इंडस्ट्रीज का संचालन भी कर रहे हैं।

सामाजिक गतिविधियाँ

श्री बंग को समाजसेवा पैतृक रूप से विरासत में मिली है। पिता सेवा सदन अध्यक्ष रहे तो श्री बंग स्वयं भी लम्बे समय से सेवा सदन से सम्बद्ध होकर सेवा दे रहे हैं। अन्य सेवा गतिविधि अंतर्गत उपाध्यक्ष-श्री खांडल माता अखिल भारतीय माहेश्वरी बंग परमार्थ ट्रस्ट-मूंडवा तथा आजीवन सदस्य : जोधपुर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

मंत्री- संजयकुमार जैथलिया

जालौर निवासी संजयकुमार जैथलिया सेवा सदन के निर्विरोध मंत्री निर्वाचित हुए हैं। बी.कॉम. तक शिक्षित श्री जैथलिया का जन्म थांवला जिला जालौर (राज.) में 2 नवम्बर 1967 को श्री राम स्वरूप जैथलिया के यहाँ हुआ था। धर्मपत्नी अनिता जैथलिया भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से समाजसेवी गतिविधियों में श्री जैथलिया के साथ कंधे से कंधा मिलाकर योगदान दे रही हैं। व्यावसायिक रूप में श्री जैथलिया ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीज व बिल्डर्स व्यवसाय से सम्बद्ध हैं। वर्तमान में आप जालौर में अक्षत ग्रेनीमार्मो प्रा.लि., श्री गिरीराज बिल्डमार्ट प्रा.लि., राधा माधव ग्रेनाईट एक्सपोर्ट, श्रीजी इण्डस्ट्रीज व जैथलिया ग्रेनाईट आदि फर्मों का संचालन कर रहे हैं।

समाजसेवा में योगदान

श्री जैथलिया अपनी तमाम व्यवस्तताओं के बावजूद समाजसेवी गतिविधियों में भी सदैव सक्रिय सहयोग देते रहे हैं। श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर को लम्बे समय से सदस्य आदि के रूप में सेवा देते हुए वर्तमान सत्र में इसके मंत्री पद हेतु निर्वाचित हुए हैं। उपाध्यक्ष व ट्रस्टी-श्री माहेश्वरी परमार्थ सेवा ट्रस्ट (अन्न क्षेत्र), पुष्कर तथा सदस्य आदित्य विक्रम बिडला व्यापार सहयोग केंद्र के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। अध्यक्ष एवं जोन चैयरमेन - लायन्य क्लब, (जालोर) तथा अध्यक्ष - माहेश्वरी समाज, (जालोर) के रूप में भी सेवा दे चुके हैं।

प्रचार मंत्री-भागीरथ भूतड़ा

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की निर्विरोध निर्वाचन की श्रंखला में सूरत निवासी भागीरथ भूतड़ा प्रचार मंत्री निर्वाचित हुए हैं। 1 मई 1957 को गिराजसर-बीकानेर (राज.) में स्व. श्री शिवनारायण भूतड़ा के यहाँ जन्में भागीरथ भूतड़ा वर्तमान में सूरत के मिलेनियम टेक्सटाइल मार्केट, रिंग रोड में निवासरत हैं। व्यावसायिक रूप से आप रीयल इस्टेट व्यवसाय से सम्बद्ध हैं। वर्तमान में आप अपनी अधिकांश व्यावसायिक जिम्मेदारियाँ पुत्रों को सौंपकर अधिकांशतः समाज की सेवा को ही समर्पित हो चुके हैं।

समाजसेवा में योगदान

समाजसेवा के क्षेत्र में श्री भूतड़ा बाबा रामदेव भक्त मंडल मगरा क्षेत्र सूरत के 12 साल से अध्यक्ष हैं। अध्यक्ष-मगरा माहेश्वरी समाज-सूरत व मंत्री माहेश्वरी मित्र मंडल, सूरत के रूप में सेवा दे चुके हैं। कोषाध्यक्ष-माहेश्वरी पब्लिक स्कूल-लाडवी (सूरत), ट्रस्टी-माहेश्वरी सेवा सदन-सूरत, पूर्व प्रबंधकारिणी सदस्य-माहेश्वरी भवन समिति-सूरत जैसे पदों सहित सूरत माहेश्वरी समाज की प्रायः सभी संस्थाओं से सक्रिय रुप से पिछले 30 सालो से जुड़े हुऐ हैं।

अंधेरे में छाया, बुढ़ापे में काया
और अंतिम समय में माया,
किसी का साथ नहीं देती।

सेवा सदन के निर्वाचन से हर तरफ हर्षोल्लास

इस बार श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन ने पूरी कार्यकारिणी को निर्विरोध निर्वाचित कर एक इतिहास बना दिया है। आईये जानें क्या कहते हैं, समाज के प्रबुद्ध इस निर्वाचन व श्री भूतड़ा के नेतृत्व के बारे में।

चुनाव वास्तव में होती है केवल विवशता

मतदान से चुनाव वास्तव में कभी भी समाजहित में नहीं होते लेकिन जब सर्वसम्मति से निर्वाचन नहीं हो पाता तो मतदान विवशता हो जाती है। अतः सेवा सदन में इस बार जो निर्विरोध निर्वाचन हुए हैं, वास्तव में वह प्रशंसा योग्य हैं। इससे अन्य संगठनों को भी प्रेरणा मिलेगी।

पद्मश्री बंशीलाल राठी, चैन्नई
पूर्व सभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा

इससे समाज का पैसा बचा

मेरे हिसाब से निर्विरोध चुनाव बहुत अच्छे हुए हैं। मैं तो इसके पक्ष में पहले से ही था और भाई साहब रामपाल सोनी से भी बात की थी कि निर्विरोध चुनाव हो जाऐं तो बहुत अच्छा होगा। सेवासदन में जिसकी भी कार्य करने की इच्छा हो उसको मौका देना चाहिए। इसमें पैसे की बर्बादी बची व सर्वसम्मति से चुनाव हुए। हो सकता है, 2-4 व्यक्ति पद पर न आ पाए हों क्योंकि समाज के लिए कुछ लोगों को त्याग भी करना पड़ता है लेकिन गुटबाजी भी खत्म हुई है इससे। इसी प्रकार आगे भी सर्वसम्मति से चुनाव हों तो ये समाजहित में होगा। चुनाव में जो पैसे खर्च होते हैं वह समाज में लगें तो ज्यादा अच्छा है।

अशोक सोमानी, रेवाड़ी
उपसभापति उत्तरांचल अ.भा. माहेश्वरी महासभा

निर्विरोध चुनाव स्वच्छ परम्परा

निविरोध चुनाव समाज में स्वच्छ परम्परा है, हम भी इसी के एक पार्ट थे निर्विरोध करवाने में। समाज के उन सभी लोगों को धन्यवाद जिन्होंने समय को देखते हुए निर्विरोध चुनाव में सहयोग किया। साथ ही रामपालजी सोनी को भी धन्यवाद देते हैं जिन्होंने ये एनिशेट लिया व सारे पक्षों को बैठाकर सामंजस्य व समन्वय बैठाकर इस काम को पूर्ण किया है। बिड़लाजी, भूतड़ाजी व श्यामजी सोनी इन सभी ने जो प्रयास किये हैं इससे समाज में एक नई दिशा आई है।

संदीप काबरा, जोधपुर
महामंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

वैमनस्यता कम होगी

निर्विरोध चुनाव समाज व सेवा सदन के हित में बहुत अच्छा प्रयास है। यह चुनाव की परिपाटी को रोकने का अच्छा प्रयास किया गया है। समाज में वैमनस्यता कम हो जायेगी। अब सारा समाज व मेम्बर्स एकजुट होकर काम करेंगे, अच्छा ही है। समाज में चुनाव की परम्परा कम हुई है। जिन लोगों ने प्रयास किया है उनका हार्दिक स्वागत।

रामअवतार जाजू, इंदौर
पूर्व कार्य समिति सदस्य अ.भा. माहेश्वरी महासभा

समय एवं अर्थ दोनों की बचत हुई

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के इस बार सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन होना एक ऐतिहासिक कार्य हुआ है। निःसंदेह प्रयत्न करने से असम्भव कार्य भी सम्भव होते हैं। श्रीमान रामपालजी सोनी, श्री रामकुमार भूतड़ा, श्री जुगलकिशोर बिड़ला, एवं संदीपजी काबरा ने अपने अथक प्रयासों से इस असम्भव कार्य को सम्भव बनाया। श्रीमान रामकुमार भूतड़ा के अध्यक्ष बनने से सेवा सदन के कार्यों को अधिक गति मिलेगी एवं सेवा सदन चहुंमखी विकास करेगा। श्रीमान भूतड़ाजी के साथ अन्य पदाधिकारियों को मेरी तरफ से अनेक शुभकामनाऐं। अन्य संगठन भी इससे प्रेरणा लेते हुए चुनाव नहीं चयन ही करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। चुनाव टलने से समय एवं अर्थ दोनों की बचत हुई है एवं समाज में आपस में मनमुटाव भी खत्म होगा।

कमल किशोर चांडक, जोधपुर
पूर्व कोषाध्यक्ष श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन

विरोध नहीं होगा

निर्विरोध चुनाव अच्छी परम्परा है। अच्छा है सब लोग मिलकर काम करेंगे। नहीं तो चुनाव होते हैं, तो आपस में मनमुटाव भी हो जाता है। अब समाज का काम बढ़िया होगा। पूरे देश में माहेश्वरी समाज की जो धर्मशालाएं हैं वहां ठहरने की व्यवस्था व हास्पिटल बनाते हैं तो इसमें कड़ियां और जुड़ेंगी क्योंकि कोई विरोध नहीं करेगा। विरोधी पक्ष होता है तो कोई न कोई बाद में विरोध करना शुरू कर देता है। भूतड़ा जी अनुभवी हैं उनको नॉलेज है क्या करना, क्या नहीं? मुझे लगता है कि 8-10 भवन और तैयार होंगे। मैं सबको बधाई देता हूं जिन्होंने ये चुनाव निर्विरोध कराए। समाज का पैसा बचा है, नहीं तो 2-4 करोड़ खर्च होते ही।

राजेश बिड़ला, कोटा
उपसभापति पश्चिमांचल अ.भा. माहेश्वरी महासभा

यह समाजनीति की जीत

नवचयनित प्रबंधकारिणी पदाधिकारियों को सम्पूर्ण समाज का जो समर्थन मिला है, वह वंदनीय है। नवचयनित प्रबंधकारिणी पदाधिकारी भी इस समाज के समर्थन को सही सिद्ध करने हेतु कटिबद्ध दिखाई देते है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कि नवचयनित पदाधिकारियों ने गत 15 दिसम्बर को गत कार्यकारिणी से कार्यभार नहीं लिया बल्कि दायित्व-भार ग्रहण किया और शपथ-ग्रहण को दायित्व-ग्रहण समारोह के रुप में आयोजित किया। नवचयनित अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा ने "एक थे, एक हैं और एक रहेंगे" के उद्घोष के साथ अपने कार्यकाल का शुभारंभ किया है जो इस बात का सूचक है कि माहेश्वरी समाज में राजनीति नहीं समाजनीति की भावना की प्रगाढ़ता है।

सुनीलकुमार मूंदड़ा, अजमेर
पूर्व महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन

समाज को मिलेगी नयी सौगात

सेवा सदन के निर्विरोध चुनाव भी वास्तव में समाज को सौगात ही हैं, क्योंकि इससे समाज का पैसा बचा है। इसके साथ ही समाज को पुनः अनुभवी नेतृत्व मिला है। अतः निःसंदेह समाज को सेवा सदन के माध्यम से नये सेवा भवनों की सौगात अवश्य ही मिलेगी।

डॉ. एस.एन. चांडक, नईदिल्ली
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

बहुत अच्छा काम करेगी नई कार्यकारिणी

जो सेवा सदन के चुनाव हुए हैं, ये समाज के लिए संगठन के हिसाब से बहुत बढ़िया काम हुआ है। यह अच्छी शुरुआत हुई है। सेवा सदन के चुनाव में रामकुमार जी की टीम समाज के लिए बहुत ही अच्छी है। उनका काम भी बहुत अच्छा है और मंत्री छापरवालजी का भी काम बहुत अच्छा है। सभी लोग बहुत अच्छा काम करने वाले हैं और अच्छा ही काम करेंगे। प्रसन्नता यह है कि इस निर्वाचन में समाज का पैसा खर्च नहीं हुआ।

नथमल डालिया, हैदराबाद
पूर्व उपसभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा

जो हुआ समाजहित में है

निर्विरोध चुनाव समाज के हित में ही हुए। इसमें रामपाल सोनीजी के प्रयास भी रंग लाये। महासभा में भी इस तरह की कोई बात हो तो बात बने। आमतौर पर महासभा के चुनाव तो बिल्कुल वन साईडेड ही हो जाते हैं। इस चुनाव से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिये।

जे.एम. बूब, जोधपुर
पूर्व अध्यक्ष, पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

पक्ष-विपक्ष दोनों को एक कर दिया

"निर्विरोध चुनाव" बहुत अच्छा हो गया। इस चुनाव में पूर्व सभापति रामपालजी सोनी ने जो रोल प्ले किया है वह एक्स्ट्राऑर्डिनरी है। उन्हीं की वजह से ये निर्विरोध चुनाव संपन्न हुआ है। उन्होंने पक्ष-विपक्ष को एक कर दिया है। ये समाज के हित में काम हुआ है। आगे भी बाकी संस्थाओं में ऐसे ही चुनाव होते रहें तो अच्छा होगा।

नंदकिशोर करवा, दिल्ली
चेयरमेन श्री जयचंद्रलाल करवा माहेश्वरी होस्टल दिल्ली

सेवा समिति का क्रांतिकारी निर्णय

जब चुनाव होते हैं तो दो ग्रुप में कटुता, एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप की झड़ी लगती है। बड़ी मात्रा में धन व समय खर्च होता है। निर्विरोध निर्वाचन में दोनों ओर से त्याग की भावना होती है, तब ऐसे उत्कृष्ट निर्णय होते हैं। समाज को तोड़ने के स्थान पर जोड़ने का अद्भुत कार्य हुआ है। उक्त क्रांतिकारी निर्णय पूर्व सभापति रामपाल सोनी की सूझबूझ व योग्यता को दर्शाता है।

बाबूलाल जाजू, भीलवाड़ा
पूर्व कार्यकारी मंडल सदस्य अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सर्वसम्मति से मिला अनुभवी नेतृत्व

पिछले कई वर्षों से चुनावों में आपस के मतभेदों से उपजे मनभेद के कारण समाज के लोगों में भातृत्व भाव की कमी आने लग गई थी और सभी समाजों का मार्गदर्शन करने वाले माहेश्वरी समाज के चुनावों की कटुता के कारण उनकी नेतृत्व क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लगने लग गया था। ऐसे समय में सेवा सदन जैसी वृहद संस्था के चुनावों को सर्वसम्मति से करवाकर समाज के अग्रणी बन्धुओं ने पुनः एक आदर्श प्रस्तुत किया है। इस सर्वसम्मत चयन में बहुत ही सेवा भावी, मिलनसार, रिश्ते निभाने में प्रवीण, अनुभवी और दृढ़ संकल्प वाले व्यक्ति रामकुमार भूतड़ा को सेवा सदन की कमान सौंपी गई है। आपके नेतृत्व में पूरी टीम सेवा सदन ही नहीं समाज में भी अभूतपूर्व सफलता से कार्य करेगी, ऐसी समाजजनों को अपेक्षा एवं आशा है ।

श्याम सुन्दर मंत्री, कुचामन सिटी (राजस्थान)
पूर्व कार्यकारी मंडल सदस्य

एकजुट होकर काम करेंगे

समाज व जनता के लिए निर्विरोध चुनाव बहुत अच्छा हुआ। समाज में सब एक हो जाते हैं तो समाज आगे बढ़ता है। खींचातानी नहीं होगी व एकजुट होकर काम करेंगे। हमारे बनारस में चुनाव नहीं होते। नए लोगों को आगे लिया जाता है जो अच्छा काम करता है, उसको लोग आगे करते हैं और सबका सहयोग मिलता है। कार्यकर्ताओं को अगर सम्मान देंगे तो चुनाव होगा ही नहीं।

वीरेन्द्र भुराड़िया, वाराणसी
अध्यक्ष श्री कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट

निर्विरोध चुनाव समाज के लिये शुभ

पूर्व जिलाध्यक्ष-पाली जिला माहेश्वरी सभा सेवा सदन में निर्विरोध चुनाव समाज के लिए अत्यन्त ही शुभ हैं। अब नई कार्यकारिणी की जिम्मेदारी अधिक है कि वह मतदाताओं के विश्वास पर खरी उतरें। मेरा विश्वास है कि जिस नई प्रबंधकारिणी का चयन हुआ है, उसमें बहुत समर्पित लोग हैं। वो सेवा सदन के कार्यों को अवश्य ही आगे बढ़ाएंगे।

सूर्यप्रकाश लढा, सोजत पाली
पूर्व उपाध्यक्ष पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

चुनावी कटुता खत्म हुई

निर्विरोध चुनाव समाज के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। बहुत अच्छा हुआ। इस विषय में रामपालजी व भूतड़ाजी से भी बात की थी, कि निर्विरोध चुनाव हों, जिससे समाज को एकता का संदेश जाएगा। चुनाव में होने वाली कटुता खत्म हो गई, अगर चुनाव होते तो कटुता बढ़ती।

राजाराम भांगड़िया, सटाणा, नाशिक
पूर्व कार्यकारी मंडल सदस्य

कोरोना काल में यह अनिवार्य

चुनाव एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है जो कि किसी भी संस्था या संगठन के सुचारू संचालन के लिए नितांत आवश्यक है। कोरोना के तकलीफ भरे विगत 2 वर्षों के बाद बदले हुए परिवेश व बदले आर्थिक एवं सामाजिक हालातों के लिहाज से फिलहाल प्रत्यक्ष चुनाव थोड़ा सा अव्यावहारिक जान पड़ता। ऐसे समय में समाज के शिल्पकारों ने परस्पर सहयोग, सामंजस्य, स्नेह एवं विश्वास का भाव फैलाते हुए चुनाव को सर्वसम्मत बनाने का ये जो भागीरथी प्रयास किया है। बेहद सराहनीय अनुकरणीय है और समाज को आने वाले समय में उन्नति व प्रगति की राह दिखाऐगा। निश्चित तौर पर ''एक और एक ग्यारह होते हैं'' और 'संघे शक्ति कलियुगे' के भाव को चरितार्थ करते हुए हमें समाज के हर स्तर तक यह मधुर संदेश पहुंचाना और अपनाना है। नवमनोनीत सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को मेरी कोटिशः शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाइयां। साथ ही अब ये एक परीक्षा की घड़ी भी शुरू हुई है। नवमनोनीत अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा एवं समस्त पदाधिकारियों का ये नैतिक कर्तव्य बनता है कि वो समस्त सदस्यों को साथ में लेकर चलते हुए परस्पर सहयोग, सामंजस्य एवं समर्पण भाव से सेवा पथ पर अग्रसर होकर सफलता की नई इबारत लिखें।

सत्यनारायण काबरा, जयपुर
पूर्व अध्यक्ष माहेश्वरी सभा

सकारात्मकता का माहौल बना

सेवा सदन के चुनाव में जो निर्विरोध निर्वाचन सर्वसम्मति से हुआ है सेवा सदन के इतिहास में अपूर्व कदम है। आदरणीय रामपाल सोनी, पूर्व अध्यक्ष बिड़ला साहब और भी समाजबंधुओं ने जो प्रयास किए व अपना समय व विचार दिये उसी से यह सम्भव हुआ। समाज में इस तरह के निर्वाचन होना बहुत मुश्किल काम है। बहुत से समाज बंधु पद की लालसा से ही समाज में जुड़ते हैं। चुनाव में जनरली क्या होता है, फार्म भर दिये जाते हैं, फिर ऐसे लोगों को विड्रॉ होना पड़ता है जो काम तो करना चाहते हैं लेकिन चुनाव में नहीं पड़ना चाहते हैं। लेकिन ये वास्तव में निर्वाचन हुआ है जिसमें अधिकतर ऐसे बंधु हैं जिन्होंने पूर्व में सेवाएं दी हैं। इस चुनाव से समाज में एक मैसेज गया कि समाज में अगर संगठित होकर व अच्छे पॉजिटिव विचार रखकर निर्विरोध निर्वाचन होते हैं तो समाज के हित में है और सेवासदन के तो हित में हैं ही।

कैलाश कोठारी, भीलवाड़ा
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पश्चिमांचल राजस्थान प्रादेशिक सभा

अच्छा नेतृत्व मिला

सेवा सदन में जो हुआ है वह अच्छा हुआ। अच्छे नेतृत्व का साथ मिला है सेवा सदन को। जो सेवा सदन 6 साल में काम नहीं कर पा रहा था वह अब बहुत अच्छे से करेगा। वास्तव में समाज की सेवा का पूरा काम ही सेवा सदन कर रहा है, विश्वास है कि भूतड़ाजी के नेतृत्व में सेवासदन बहुत अच्छा काम करेगा।

केदार चांडक, कानपुर
कार्यकारिणी मंडल सदस्य अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सराहनीय कदम है निर्विरोध चुनाव

इसके प्रति मेरी प्रतिक्रिया तो सकारात्मक ही रहेगी कि ये कदम सराहनीय है। चुनाव से मनमुटाव उत्पन्न हो जाता है वो हमेशा रहता है जबकि पद पर तो कुछ समय के लिए ही रहते हैं। अब मनमुटाव नहीं होंगे तो सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में काम होता रहेगा। काम अच्छा होगा, प्रगति होगी और लोग अच्छे से सोच पाएगे कि क्या करना है? निर्विरोध चुनाव के लिए किसी न किसी को तो कदम उठाना ही चाहिये। पूर्व सभापति रामपालजी सोनी जो कि मेरे पिता भी हैं। मुझे गर्व है कि उन्होनें ये पॉजिटिविटी सोची और उनको यह ख्याल आया कि हमें यह पहल करना चाहिए ताकि ये खर्च भी बचे। आखिरी में कहना चाहूंगी पापा को कि वाकई में उन्होंने बहुत सराहनीय कार्य किया और इस पहल के साथ जो लोग उनके साथ जुड़े उन सभी का धन्यवाद देना चाहूंगी व आभार प्रकट करूंगी कि सभी के सहयोग से ही यह काम सफल हो पाया।

ममता मोदानी, भीलवाड़ा
राष्ट्रीय उपध्याक्ष-पश्चिमांचल, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

संपूर्ण समाज लाभान्वित होगा

''सेवा सदन'' माहेश्वरी समाज की वृहद सेवा भावी संस्था है। तीर्थयात्रियों की सेवा हेतु सदनों का निर्माण और पुनरुत्थान आपकी विशेषता रही है। इस सत्र में निर्विरोध श्री रामकुमार भूतड़ा को अध्यक्ष पद सौंप आपने साबित कर दिया कि सेवा सदन मात्र एक सेवाभावी संस्था है। यहां के पद लाभ के पद नहीं बल्कि सेवा में समर्पित तन-मन-धन है। सेवा सदन के इस महान परम्परा के लिये सेवा सदन का बहुत-बहुत अभिनंदन। श्री रामकुमार भूतड़ा का कर्मठ व्यक्तित्व और सुनियोजित कार्यप्रणाली, उत्कृष्ट कार्य क्षमता से सेवा सदन ही नहीं संपूर्ण मानव समाज लाभान्वित होगा।

कल्पना गगडानी, मुम्बई
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

मतदाताओं के भी हित में है

निर्विरोध निर्वाचन से समाज में एक अच्छा संदेश जायेगा। पूर्व में हुए सेवा सदन के चुनाव में मैं पूर्वांचल का चुनाव अधिकारी था। तब मैंने देखा था कि मतदाता कितने परेशान होते हुए कोलकाता पहुँचे थे। वर्तमान में कोरोना के माहौल में मतदाता भी चुनाव के इच्छुक नहीं थे। ऐसे में रामपालजी का प्रयास सभी के हित में है।

घनश्याम करनानी, कोलकाता
पूर्व प्रबंध न्यासी श्री कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट

पूर्ण मनोयोग से सेवा-कार्य होगा

आज के प्रतिस्पर्धा भरे समय में किसी 30 हजार सदस्यों वाली सामाजिक संस्था द्वारा प्रबन्धकारिणी समिति के पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन करना व सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज द्वारा इस निर्णय को स्वीकार कर लेना हमारे समाज के सेवा-त्याग-सदाचार की भावना का परिचायक है। निःसन्देह आज के समय में ऐसे नवाचारों की सभी संगठनों को महती आवश्यकता है, जिससे समाज में समरसता और सौहार्द का वातावरण कायम रह सके। **- मधुसूदन मालू**, पुष्कर

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन वर्तमान में सेवा का वटवृक्ष बन चुका है। यह विभिन्न प्रमुख धार्मिक स्थलों पर अपने सेवा भवनों के माध्यम से घर से दूर घर जैसी आवास सुविधा तो दे ही रहा है, इसके साथ ही अन्य कई सेवा प्रकल्पों का संचालन भी कर रहा है। आईये जानें अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की शून्य से शिखर की विकास यात्रा।

श्री अ. भा. माहेश्वरी सेवा सदन की विकास यात्रा

माहेश्वरी समाज के कर्मठ समाजबन्धुओं द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तीर्थराज पुष्कर में कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को भरने वाले मेले, तीर्थगुरु स्थल पर वहाँ आने वाले सभी बन्धुओं द्वारा दर्शन एवं परिवार के किसी सदस्य के निधन के बाद पिण्डदान हेतु निरन्तर आने के कारण अपने भवन की आवश्यकता महसूस की गई। इसी उद्देश्य को लेकर समाज के मनीषियों द्वारा एक साथ बैठकर संवत् 2025 सन् 1969 में अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की स्थापना की गई, जिसमें प्रथम चरण में 17 कमरों का निर्माण किया गया और एक छोटी सी धर्मशाला के रूप में विधान बनाकर उसके अनुरूप कार्य करने लगे। लोगों में इतना उत्साह, आस्था एवं सम्मान रहा कि कमरा नहीं मिलने पर खुले आसमान के नीचे रात्रि विश्राम करके भी अपने आपको गोरवान्वित महसूस करने लगे। उसी का परिणाम रहा कि सेवा-भाव, त्याग, समाज के प्रति समर्पण से भामाशाहों एवं सम्पूर्ण समाज के सहयोग से दिन प्रतिदिन सेवा-सदन का विस्तार होने लगा।

वर्तमान में सेवा भवनों की श्रृंखला

समाज के भामाशाहों के सहयोग से निर्मित सेवा सदन की आज 9 शाखाएं पुष्कर, वृन्दावन, हरिद्वार, बद्रीनाथ, नाथद्वारा, चारभुजा, रामदेवरा, जतीपुरा, जोधपुर में है जिसमें 900 से अधिक कमरें, 26 हॉल, 13 भोजनशाला, मन्दिर, औषधालय एवं खुला क्षेत्र आदि से सेवा सदन के भवन राष्ट्रीय स्तर पर समाज को गोरवान्वित कर रहे हैं। भामाशाहों के साथ-साथ लाखों समाजबन्धुओं के समर्पित सहयोग से सेवा-सदन को वटवृक्ष बनाने में अब तक के सभी मार्गदर्शक, ट्रस्टीगण, पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, विशेष आमंत्रित सदस्यों एवं आजीवन सदस्यों का समय-समय पर भरपूर योगदान रहा। इसके परिणाम स्वरूप सेवा-सदन में यात्रियों के आवागमन तथा प्रतिवर्ष सैंकड़ों मांगलिक एवं धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित हो रहे है।

सर्वसुविधायुक्त आवास व्यवस्था

आज सेवा-सदन की शाखाओं में प्रतिवर्ष लाखों यात्रियों का आवागमन होता है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये सेवा-सदन की सभी शाखाओं में सुपर डीलक्स, डीलक्स, ए.सी., कूलरयुक्त, साधारण कमरे, ए.सी. एवं साधारण हॉल, ए.सी. व कूलरयुक्त भोजनशालाएं उपलब्ध हैं। जरूरतमन्दों हेतु आवश्यकतानुसार न्यूनतम सहयोग में भी कमरा उपलब्ध है तथा शुद्ध सात्विक भोजन की व्यवस्था भी है। सेवा-सदन में हर वर्ग के बन्धुओं हेतु आवास एवं मांगलिक कार्यक्रमों हेतु यथोचित व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। वर्तमान में इन सभी भवनों में ऑनलाईन कमरों का आरक्षण करवाया जा सकता है।

सेवा के वृहद आयाम

इतना ही नहीं सेवा सदन द्वारा समाजोत्थान में विधवाओं एवं असहायों को प्रतिमाह सहायता के रूप में 1000 रुपया मासिक सहायता भी दी जा रही है और तृतीय कन्या जन्म प्रोत्साहन, अन्नक्षेत्र, आयुर्वेदिक औषधालय, शिक्षा सहयोग, अन्नक्षेत्र एवं वृद्धाश्रम आदि योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। जोधपुर में रोगी सहयोगी सेवा केन्द्र - "आरोग्य भवन" का निर्माण किया गया है। यहाँ अस्पतालों में आने वाले जरूरतमन्द रोगियों एवं उनके सहयोगियों को प्राथमिकता से भवन में न्यूनतम सहयोग-राशि पर आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था रहती है।

विस्तार की श्रृंखला सतत जारी

समाजजनों की भारी मांग एवं समयानुसार आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित नवीन श्रीनाथ भवन भी 27 जनवरी, 2021 को भारत सरकार के लोकसभा अध्यक्ष ओमकृष्ण बिड़ला के कर-कमलों से समाज को समर्पित किया गया। यह भवन आज की युवा पीढ़ी की आवश्यकताओं के अनुरूप बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। युवा पीढ़ी भी समाज के इस आधुनिकतम भवन में आवास करने हेतु आकर्षित होगी। इसी प्रकार जगन्नाथपुरी में 44 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्रफल में लगभग 1 लाख वर्ग फुट निर्माण कार्य करवाने की कार्ययोजना है। जिसमें 130 कमरे 7 हजार वर्गफीट का हॉल व 2 भोजनशालाएं बनाने की योजना है। निर्माण हेतु विभागीय स्वीकृति प्राप्त होते ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाना है। नाशिक में भी सेवा-सदन के भूखण्ड पर शीघ्र ही भव्य-भवन निर्माण प्रारम्भ करवाया जाना प्रस्तावित है। मास्टर प्लॉन के अनुसार स्वीकृति प्राप्त होते ही आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित कमरें, हॉल, भोजनशाला आदि का निर्माण करवाया जाना सुनिश्चित है।

सभी के सहयोग ने दिलाया आयाम

सेवा-सदन भामाशाहों और दानदाताओं एवं सदस्यगण एवं मांगलिक कार्यक्रम व यात्रियों के अटूट विश्वास के कारण इतना बड़ा प्रकल्प हो गया है। इसे व्यवस्थित चलाने के लिए समय देने वाले व्यक्तियों की विशेष आवश्यकता रही है, जो सदन को अपना अमूल्य समय देते हुए आगामी सैंकड़ों वर्षों की सोच के साथ भावी योजनानुरूप कार्य कर सकें। सेवा-सदन के स्थापना काल से सेवा एवं समर्पित भावों से समाज-हितार्थ निरन्तर सेवा-कार्य संपादित हुए हैं, समय-समय पर राष्ट्र हितार्थ जैसे आपदा के समय सेवा-कार्य, होनहार बच्चों हेतु कैरियर गाईडेंस शिविर आदि कार्य निरन्तर संपादित किये जाते रहे हैं। इसी कारण सेवा सदन का राष्ट्र निर्माण में भी बहुत बड़ा योगदान है।

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के सेवा यात्रा के सारथी

अध्यक्ष

स्व. श्री रामजस बालदी, विजयनगर
सत्रः 1970-71

स्व. श्री गोरधनदास सोनी, मेड़तासिटी
सत्रः 1975-78, 78-81, 81-84, 84-87

श्री राधामोहन सोनी, मेड़तासिटी
सत्रः 1987-90, 1990-93

स्व. श्री जयनारायण सोमाणी, ब्यावर
सत्रः 1993-96

स्व. श्री मदनलाल मून्दड़ा, अजमेर
सत्रः 1997-99

स्व. श्री दामोदरलाल बंग, जोधपुर
सत्रः 1999-2003

श्री रामकुमार भूतड़ा, डोडियाना
सत्रः 2003-08, 2008-12
एवं वर्तमान सत्र 2021 से निरन्तर

श्री श्यामसुंदर बिड़ला, मेड़तासिटी
सत्रः 2012-16

श्री जुगलकिशोर बिड़ला, चित्तौड़गढ़
सत्रः 2016-2021

मंत्री/महामंत्री

स्व. श्री हरिनिवास राठी, अजमेर
सत्रः 1970-71, 1971-72, 1972-73

स्व. श्री प्रयागदास टावरी, ब्यावर
सत्रः 1974-75, 1984-85

स्व. श्री लक्ष्मीनारायण जैथलिया, ब्यावर
सत्रः 1975-78, 1978-81,1981-84

स्व. श्री सत्यनारायण बाहेती, पीसांगन
सत्रः 1989-90, 1990-93

श्री सुनिलकुमार मूंदड़ा, अजमेर
सत्रः 2003-08, 2008-12, 2012-16

श्री रमेशचंद्र छापरवाल, मकराना
सत्रः 2016-2021 एवं
वर्तमान सत्र 2021 से निरन्तर

सेवा-सदन की शाखाएं

निर्माणाधीन
नाशिक
जगन्नाथपुरी

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन समाज की ऐसी शिखर सेवा संस्था है, जो माहेश्वरी समाज की गौरव पताका को चहुँमुखी फहरा रही है। ऐसी गौरवशाली संस्थान के बीते सत्र में अध्यक्ष रहे हैं, जुगलकिशोर बिड़ला। आइये जानें श्री बिड़ला की जुबानी उनकी सेवा की अनुभूति।

'सेवा' का यह कार्यकाल सुखद अनुभूति

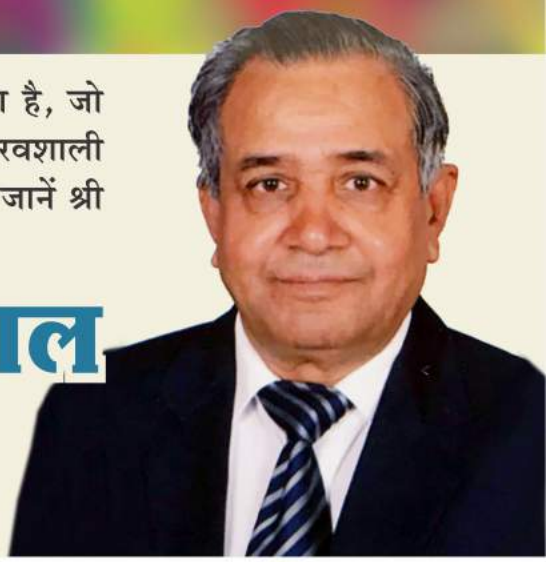

मेरे सेवा सदन में पाँच वर्ष के कार्यकाल का अनुभव काफी मिला-जुला रहा। यह संस्था माहेश्वरी समाज के मनीषियों द्वारा पुष्करराज में आने वाले तीर्थयात्रियों के ठहरने की समस्याओं के निवारण हेतु सन् 1969 में एक धर्मशाला के निर्माण से प्रारम्भ हुई। सर्वप्रथम नागौर जिले के मेड़ता शहर के श्री गोरधनदास सोनी एवं उनके सहयोगी साथियों द्वारा अजमेर जिले के समाजसेवी बंधुओं से मिलकर पुष्करराज में जमीन क्रय कर धर्मशाला का निर्माण किया गया। बाद में समय-समय पर इसका विस्तार कर समयानुसार सुविधाओं में अभिवृद्धि की गई। आज इसमें साधारण, अटैच, ए.सी. एवं डीलक्स कमरे आदि सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है।

कालान्तर में वृन्दावन, हरिद्वार, बद्रीनाथ, नाथद्वारा, चारभुजा, जतीपुरा, रामदेवरा व जोधपुर में सेवा सदन भवन बनाये गये। जोधपुर के अतिरिक्त सभी सेवा सदन तीर्थ स्थानों में बने थे। जोधपुर सदन का नाम आरोग्य भवन रखा गया जो कि एम्स हॉस्पिटल के पास बना है। आरोग्य भवन का यात्रियों के अलावा रोगी-सहयोगी केंद्र के लिये भी उपयोग हो रहा है। इससे अन्य स्थान जहाँ चिकित्सा की अच्छी सुविधा है, वहाँ पर भी आरोग्य भवन निर्माण की संभावनाएं हो सकती हैं। जिन स्थानों पर विद्यार्थी अच्छी यूनिवर्सिटी या कॉलेज में अध्ययन हेतु जाते हैं, वहाँ पर आवास व शुद्ध- सात्विक भोजन के लिये हॉस्टल बनने से आने वाली युवा पीढ़ी को सुविधाएं दी जा सकती हैं। मेरे विचार से आरोग्य भवन व हॉस्टल की प्रगतिशील समाज को महत्ती आवश्यकता है। समाज के अन्य संस्थान या ट्रस्ट भी आगे बढ़कर इस शुभ कार्य को क्रियान्वित कर सकते हैं।

सेवा सदन द्वारा संचालित श्रीनाथ भवन, नाथद्वारा में समाज की वर्तमान की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इसका निर्माण करवाया गया है। इस अत्याधुनिक एवं सर्व-सुविधायुक्त भवन को अच्छा प्रतिसाद मिला है। इसकी अतिरिक्त आय से सेवा सदन में नये प्रकल्प प्रारम्भ किये जा सकते हैं एवं संचालित प्रकल्प जैसे वृद्धाश्रम, विधवा एवं असहाय सहायता, छात्रवृत्ति, अन्नक्षेत्र, तृतीय कन्या जन्म प्रोत्साहन राशि आदि का दायरा बढ़ाया जा सकता है। भोजन की गुणवत्ता में सुधार कर उसमें सेवा सदन द्वारा सहायता दी जा सकती है।

आने वाले समय में पूर्व में निर्मित सभी भवनों को सुविधायुक्त व सुंदर बनाना अति आवश्यक है। साथ ही भवनों के रख रखाव की ओर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। योजनाबद्ध तरीके से इस कार्य को पूर्ण किया जायेगा तो समाज की इस धरोहर को चिरकाल तक संरक्षित किया जा सकता है। सेवा सदन की कार्य प्रणाली को डिजिटल किया गया है, इसमें कमरा बुकिंग, एकाउंटिंग, सी.सी.टीवी कैमरे आदि सभी ऑनलाईन सुविधा उपलब्ध हैं। इससे पारदर्शिता बढ़ी है एवं समाज के सभी क्षेत्रों के बंधुओं को इसकी सेवा सुलभ हुई है। भविष्य में इस सुविधा में नई तकनीक आने के साथ ही समय-समय पर सुधार करते रहना उचित रहेगा। काफी वर्षों बाद सेवा सदन के निर्विरोध चुनाव हुए हैं। आशा है नव-निर्वाचित पदाधिकारी बंधु अपनी टीमें बनाकर उन्हें सौंपे गये कार्यों को उचित निर्णय लेकर संपादित करेंगे एवं सेवा सदन का नाम हमारे प्रगतिशील समाज में और ऊँचाई पर ले जायेंगे।

- जुगलकिशोर बिड़ला
निवृत्तमान अध्यक्ष
श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन

कैसा रहेगा आपका नववर्ष 2022

नववर्ष ईसवी सन् 2022 का आगमन हो चुका है। हम सभी ने भारतीय नववर्ष की तरह इसका भी पूरे उत्साह के साथ स्वागत किया हैं। तो अब आईये देखें ज्योतिष के आयने में कैसा रहेगा आपका नववर्ष और क्या-क्या बरतें सावधानियाँ?

मेष- (चू,चे,लो,ला,ली,लू,ले,लो,आ)

मेष राशि वालों का समय अभी अनुकूल चल रहा है। अभी आप का समय अनुकूल तथा प्रगति व पद वृद्धि का योग हैं। कार्य में विस्तार के भी योग हैं, मगर स्त्री-संतान से संतोष रहेगा। माता को शरीर कष्ट, राज्य के कार्य में सफलता प्राप्त करने का योग है। जून, जुलाई से सितम्बर तक समय क्लेश, अशांति, माता-पिता और पत्नी का स्वास्थ्य खराब रह सकता हैं। इलाज वगैरह में खर्च की अधिकता रह सकती है। स्वयं को पेट संबंधित बीमारी हो सकती है। राहु आपकी राशि पर ठीक नहीं है। इससे चोट, एक्सिडेंट का भय रह सकता है। पिता की चिंता रहेगी। राहु-केतु की स्थिति से परिवार में मन-मुटाव हो सकता है। जनवरी व फरवरी में परिवार में शुभ कार्य होने की संभावना है। व्यापारी, अधिकारी, किसान व सर्विस वाले सफल रहेंगे।

क्या करें - राहु, केतु, गुरु आराध्य हैं। श्री गणपति जी की आराधना करने से कष्ट दूर हो सकते हैं।

वृषभ- (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो)

आपकी राशि पर राहु और केतु का प्रभाव है जिससे संकट, बाधाएं रहेगीं, मगर गुरु के कारण कुछ शांति प्राप्त होती रहेगी। आप परिश्रम पूर्वक कार्य करें। अप्रैल से राहु 12वां होगा जो परिवार में लड़ाई, झगड़ा, झंझट करवा सकता है। चोट, फ्रेक्चर व एक्सिडेंट की संभावना रहेगी व आँखों की बीमारी भी दे सकता है। आपको तनाव, अशांति व तंगाई रहेगी। राजनीति व समाजसेवियों को पद प्रतिष्ठा के योग हैं। मगर अड़चनें आऐगी। उनसे निपटने के बाद ही यश व सफलता प्राप्त हो सकेगी। कार्य का स्वरूप भी बदल सकता है। स्वयं को व पत्नी को शारीरिक कष्ट, घर में क्लेश आदि रह सकते हैं। व्यापारी, अधिकारी, सर्विस वाले व किसान सफल रहेंगे। विद्यार्थियों को परिश्रम आवश्यक है।

क्या करें- राहु, केतु आराध्य हैं। श्री गणपति जी व हनुमानजी की उपासना करें।

मिथुन- (का,की,कू,घ ङ,छ,के,को,हा)

आपकी राशि पर शनि का ढैया चल रहा है। शनि स्व राशि का होने के कारण विशेष चिंता की बात नहीं है। मन में संशय व दुविधाएँ रहेंगी। आपका कार्य रूक-रूककर चलेगा। वक्री शनि चल रहा है, जो संकट का समय है। 5 नवम्बर से शनि मार्गी होगा परंतु फिर भी सावधानी बरतें। आपकी राशि पर गुरु 9 वां है। इससे आपको राहत मिलती रहती है और मिलती रहेगी। आपके काम होते रहेंगे। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें परिवारजनों से मन मुटाव रहेगा। 7 दिसम्बर से पत्नी और स्वतः को पीढ़ा चोट एक्सिडेंट अथवा ऑपरेशन संभव है। मोटरसायकल व वाहन सावधानी से चलाएं, 7 अप्रैल तक सावधानी रखना है। व्यापारी अधिकारी सर्विस वाले व किसान संकट में रहेंगें। विद्यार्थियों को परिश्रम करना पड़ेगा। वर्ष में शनि आराध्य हैं।

क्या करें - शिव उपासना व श्री हनुमानजी की आराधना करना श्रेष्ठ रहेगा, जिससे सब संकट टलें।

कर्क- (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)

आपकी राशि के लिए यह वर्ष मिश्रित फलदायक रहेगा। व्यापार में प्रगति के अवसर रहेंगे किंतु गुरु आपकी राशि के लिए ठीक नहीं। 9 नवम्बर से आप पर खर्च का बोझ बढ़ेगा। आपको पेट के रोग व पत्नी को शारीरिक कष्ट रह सकता है। स्वास्थ्य कमजोर, तनाव, तंगाई व क्लेश रहना संभव है। चिकित्सा क्षेत्र में खर्च होवे। माता-पिता व संतान के लिए समय अनुकूल है। वर्षारम्भ में समय संतान को कष्ट कारक है। 26 फरवरी से आगे स्वतः और स्त्री को कष्ट और परिवार में विशेष क्लेश संभव है। गुरु आराध्य हैं। अष्टम गुरु व चतुर्थ गुरु घर की थाप लक्ष्मी को भी नष्ट करने वाला है। व्यापारी, अधिकारी व सर्विस वालों को समय मध्यम है। विद्यार्थियों को परिश्रम से सफलता प्राप्त होगी।

क्या करें - गुरु वर्ष में आराध्य रहेगा। श्रीविष्णसहस्त्रनाम का पाठ श्री गणेश उपासना करना श्रेष्ठ है।

सिंह- (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)

आपकी राशि के लिए यह वर्ष शुभ, मिश्रितफलदायक है। काम, धंधों में अनुकूल स्थिति रहेगी। राज्य में व समाज में मान-सम्मान के लिए राहु की आराधना करें। स्वास्थ्य व शरीर कमजोर रहेगा। दुर्बलता व पेट के रोग अर्थात हाजमा ठीक नहीं रहेगा। जोड़ों के दर्द या पैरों में कमजोरी रह सकती है। संतान की चिंता, पत्नी को पीढ़ा व माता-पिता के लिए समय शुभ है। 7 दिसम्बर से 17 जनवरी तक के समय में अपव्यय, तनाव, तंगाई परिवार में अशांति क्लेश शरीर कष्ट प्रॉपर्टी को लेकर संघर्ष तथा माता-पिता की चिंता रहेगी। शेष समय प्रगति देने वाला रहेगा। व्यापारी, अधिकारी, कृषक, सर्विस वाले अनुकूल रहेंगे। विद्यार्थी सफल रहेंगे।

क्या करें - श्री गणेशजी की आराधना व उपासना से सब ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, त्र, ष, ण, ठ, पे, पो)

आपकी राशि वालों के लिए यह समय प्रगति व उपलब्धि वाला है। यश, सफलता और प्रगति तथा कारोबार में विस्तार होगा। राजकाज में सफलता, परिवारजनों से संतोष रहेगा। नये कार्य का शुभारंभ संभव है। पत्नी को पीड़ा हो सकती है। माता-पिता के लिए समय शुभ है। 11 अप्रैल से संघर्ष, तनाव, तंगाई, शारीरिक पीड़ा व क्लेश रहने का योग है। शरीर कष्ट, भाई बंधुओं से संघर्ष रहेगा। दानधर्म शुभ कार्यों में व्यय होगा। तीर्थ यात्रा के योग भी हैं। स्वतः को पेट के रोग हाजमे की शिकायत संभव है। समाज में राजनीति में कार्य करने वाले व सर्विस वालों के लिए उपलब्धि के अवसर हैं। व्यापारी, अधिकारी, किसान व सर्विस वालों के लिए यह समय यश, सफलता देने वाला है।

क्या करें - वर्ष अप्रैल से राहु आराध्य रहेगा। श्री हनुमानजी की उपासना करें।

तुला- (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

आपकी राशि पर शनि की ढैया का प्रभाव चल रहा है, जो संपूर्ण वर्ष रहेगा। शनि स्वराशि का है व आपकी राशि भी शनि की उच्च राशि है। इससे खास दिक्कत वाली बात नहीं है। फिर भी मन में भय, संशय, दुविधाऐं और रुक-रुककर कार्य होते रहेंगे। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। इस समय राहु 8वां चल रहा है व मंगल आपकी राशि में है। इससे चोट लगने का योग है, सावधानी रखें। 11 अप्रैल से संघर्ष, तनाव, अशांति रहेगी। स्वयं को और पत्नी को शरीर कष्ट, चोट, एक्सिडेंट भय रहेगा। पैर में चोट लग सकती है। 26 फरवरी से स्वयं और माता-पिता को पीड़ा रहेगी। इतना सब कुछ होते हुए भी बृहस्पति की अनुकूलता से समय-समय पर सुरक्षा व कार्य होते रहेंगे और आर्थिक स्थिति पर राहत प्राप्त होती रहेगी। व्यापारी, सर्विस वाले जोखिम के कार्य न करें व साझेदारी से बचे। किसानों के लिए मध्यम समय है। विद्यार्थियों का शुभ समय है।

क्या करें - राहु, केतु, शनि, वर्षभर आराध्य रहेंगे। श्री गणेशजी व श्री हनुमानजी की आराधना करें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

आपकी राशि वालों के लिए प्रगति के अवसर हैं। आत्मविश्वास से आगे बढ़ें। कार्य करें परिश्रम का फल अवश्य प्राप्त होगा। राहु, केतु व बृहस्पति का प्रभाव है। इससे स्वास्थ्य कमजोर नरम-गरम रह सकता है। पैर के रोग वायु विकार के रोग हो सकते हैं। प्रॉपर्टी को लेकर संघर्ष व खर्च की अधिकता रह सकती है। दिसम्बर-जनवरी में तनाव, संघर्ष, तंगाई, पीड़ा व अशांति रहेगी। माता को शरीर कष्ट रह सकता है। कारोबार, राजकाज में अनुकूलता रहेगी। संतान से संतोष, भाई-बंधुओं से मतभेद व असंतोष रहेगा। चोट, एक्सिडेंट का भय रहेगा। यह समय व्यापारी, अधिकारी व किसान के लिये ठीक है। विद्यार्थियों को परिश्रम से सफलता प्राप्त होगी।

क्या करें - गुरु आराध्य हैं श्री गणेशजी की उपासना करें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)

आपकी राशि पर साढ़े साती का अंतिम चरण चल रहा है। स्वराशि का शनि होने से विशेष चिंता की बात नहीं है, फिर भी वर्ष में उतार-चढ़ाव चलता रहेगा। फिर भी उतरती साढ़े साती उपलब्धि वाली रहेगी। जोखिम के कार्य न करें। परिवार में बुजूर्गों की चिंता रहेगी। 17 जनवरी से आगे स्वयं और पत्नी को शरीर कष्ट, क्लेश, अशांति, अर्थ हानि तथा तंगाई रहेगी। स्त्री व संतान सुख ठीक रहेगा। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। सिर में चोट लगने का योग है। 17 जनवरी से 26 मार्च तक के योग में चोट लग सकती है। वर्ष व्यापारी, अधिकारी, किसान, सर्विस वालों के लिये मध्यम विद्यार्थियों के लिए शुभ है।

क्या करें - वर्ष में शनि आराध्य है। श्री हनुमानजी की आराधना करें।

मकर- (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)

आपकी राशि पर शनि की साढ़े साती का प्रभाव है। दूसरा चरण चल रहा है। पैर के रोग, वायु जनित रोग, माता-पिता व पत्नी को शरीर पीड़ा, अशांति, क्लेश, अर्थहानि, पत्नी की चिंता संभव है। जोखिम के कार्य न करें। गुरु की अनुकूलता रहेगी। इससे राहत प्राप्त होती रहेगी। 19 अप्रैल से राहु का प्रकोप रहेगा, जो संघर्ष, माता की आयु की वृद्धि, अशांति-असंतोष, पीड़ा, संघर्ष आदि स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति चिंता रहेगी। घर परिवार में लड़ाई-झगड़े संभव हैं। व्यापारी, अधिकारी, किसान जोखिम के कार्य नहीं करें। सर्विस वालों को मध्यम, विद्यार्थी सफल होंगे।

क्या करें - शनि आराध्य हैं। 19 अप्रैल से राहु आराध्य हैं। श्री हनुमानजी की आराधना करें।

कुंभ- (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो दा)

आपको साढ़े साती शनि का प्रथम चरण चल रहा है। अपयश, आमदनी में अवरोध, राजकीय उलझनें भी बढ़ती हैं। हालांकि कुंभ राशि शनि की राशि है परंतु द्वादश है। इससे अपने भाई, बंधु, मित्र आदि से असंतोष, माता-पिता व बुजूर्गों की चिंता होती है। मकान जमीन, जायदाद के विस्तार में व्यय संभव है। व्यापार- व्यवसाय में जोखिम के कार्य नहीं करें। साझेदारी और किसी पर विश्वास न करें। 26 फरवरी से मंगल भी द्वादश होगा और गुरु भी जन्म के हैं। इससे स्वयं को और पत्नी को पीड़ादायक है। अशांति, क्लेश, परिवार में बिखराव संभव है। चोट, एक्सिडेंट का भय रहेगा। संतान के लिए शुभ है। जन्म का गुरु घर में थाप लक्ष्मी रखी हुई भी खर्च करा सकता है। गुरु का प्रभाव 26 जनवरी से 1 अप्रैल तक रहेगा। व्यापारी, किसान व श्रमिकों के लिए समय संघर्षकारक है। अधिकारी और सर्विस वाले, रिश्वत आदि से दूर रहें। विद्यार्थी के लिए मध्यम है।

क्या करें - शनि वर्षभर आराध्य रहेगा। श्री हनुमानजी व भवानी देवी की आराधना करें सब ठीक होगा।

मीन- (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

आपकी राशि पर गुरु द्वादश चल रहा है। अप्रेल से प्रथम गुरु होगा। शुभ और मांगलिक कार्यों में व्यय, तीर्थ यात्रा भी संभव है। संतान के प्रति समय कमजोर है। मकान, जमीन, जायदाद के विस्तार में व्यय संभव है। संतान की प्रगति में रुकावट आऐगी। 17 मई से 27 जून तक का समय लड़ाई-झगड़े आदि हो सकते हैं व सिर में चोट लगने की संभावना है। स्वयं व पत्नी को शरीर कष्ट, क्लेश, अशांति, तनाव, तंगाई का प्रभाव रहेगा। कारोबार व आर्थिक स्थिति से संतोष रहेगा। पेट विकार रहेगा। स्नायविक रोग भी संभव है। व्यापारी, अधिकारी, किसान व सर्विस वाले ठीक रहेंगे। विद्यार्थियों को परिश्रम से लाभ होगा।

क्या करें - श्री गणेशजी की आराधना करें।

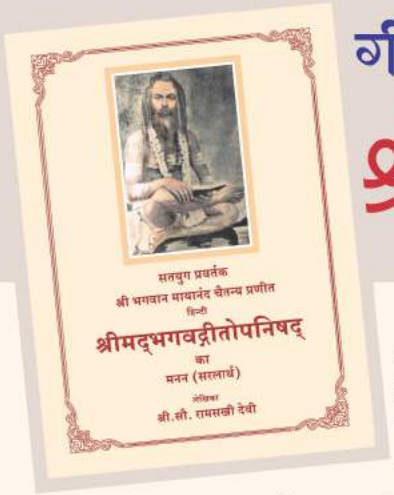

गीता का दिव्य ज्ञान सागर है
श्री मद्भगवद्गीतोपनिषद्

- गौरा गोयल

गीता सब वेद शास्त्रों का अमृत-सार है जिसे सात्विक बुद्धि से पान करने पर भव-बंध, जन्म-मृत्यु, सुख-दुःख, पाप-पुण्य, विषय-विकार, अशांति-चिंता आदि सभी द्वंदों से छुटकारा प्राप्त होकर अचल, चीर स्थाई सुख-शांति, परमानंद प्राप्त होता है। आज इस ग्रंथ की बाजार में उपलब्ध अनेक टीकाओं का बहुत सारे मित्र अध्ययन करते हैं किंतु सोचने की बात है कि क्या द्वंदातीत अवस्था प्राप्त हुई? क्या गीता में वर्णित गुणातीत अवस्था के लक्षण विकसित होकर विदेहमुक्त अवस्था प्राप्त हुई? उत्तर है नहीं क्योंकि गीता की यथार्थ अनुभव युक्त व्याख्या केवल दिव्यचक्षुयोग या अनन्ययोग के बिना हो ही नहीं सकती। दस अध्याय तक भगवान ने अर्जुन जैसे विद्वान को इतना समझाया किंतु फिर भी भगवान को दिव्यचक्षु देने ही पड़े तो हम सबको बिना दिव्यचक्षु के कैसे समझ आ सकता है? बाजार में उपलब्ध किसी टीका में वह दिव्यचक्षु नहीं बताए हैं और इसीलिए वह व्याख्या अनुभव रहित केवल स्वमत हैं।

प्रस्तुत ग्रंथ की लेखिका ने सद्गुरु भगवान मायानंद चैतन्य (1868-1934) जी द्वारा प्रणीत उन्हीं दिव्यचक्षु को प्राप्त कर गहन, अध्ययन, मनन रूप तपस्या करने के बाद सद्गुरु आज्ञा से जन कल्याण के लिए यह ग्रंथ लिखा। इसमें उन्होंने 'गीता पढ़ने से पहले' शीर्षक के अंतर्गत संक्षेप में वह दिव्यचक्षु भी दिए हैं। संपूर्ण 18 अध्याय की विस्तृत व्याख्या, प्रत्येक अध्याय की अगले अध्याय से संगति, श्लोकों की अगले श्लोक से सम्बंध, संगति, तथा टिप्पणियाँ जिनमें विषय को अधिक सरल, स्पष्ट किया तथा जनसाधारण में फैले भ्रमों की तर्कसंगत यथार्थ व्याख्या अति सरल रूप से स्पष्ट की है। यह ग्रंथ अब उपलब्ध न होने से जन कल्याणार्थ, समष्टि प्रेरणा वश पुनः प्रकाशित किया है।

पुस्तक	:	**श्रीमद्भवद्गीतोपनिषद्**
लेखिका	:	**श्री सौ. रामसखी देवी**
कुल पृष्ठ	:	**465**
मूल्य	:	**250 रुपये मात्र**
प्रकाशक	:	**गिरीश कुमारी उर्फ गौरा गोयल**

संचालक केंद्रीय आध्यात्म विज्ञान शाखा ओंकारेश्वर
जिला-खण्डवा (म.प्र.) मो- 09412 231644

योग-मुद्रा

लिंग मुद्रा
से बढ़ाएं अपना ऑक्सीजन लेवल

शिव नारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'

जो लोग भारी एक्सरसाइज नहीं कर सकते हैं वे इसे प्रातः खाली पेट करें। लिंग मुद्रा करने से शरीर में गर्मी पड़ती है और उसके कारण कफ़ जनित रोग जैसे खासी, जुकाम, अस्थमा आदि रोग में लाभ होता है। जब ऋतु परिवर्तन होती है, उसमें भी कई लोगों को तकलीफ होती है, उसमें भी यह आराम दिलाती है। पाचन शक्ति को अच्छी करती है। यदि इस को प्रतिदिन 5 मिनट किया जाए तो शरीर में ऑक्सीजन का लेवल बढ़ता है। इस मुद्रा से शरीर की अतिरिक्त चर्बी भी हटती है।

यह रखे सावधानी

इस मुद्रा में सावधानी रखनी चाहिए क्यों कि यह शरीर में गर्मी पैदा करती है इसलिए इसको पित प्रकृति के लोग ना करें। मासिक धर्म में भी यह वर्जित है। गर्मी अधिक होने पर भी ना करें।

लिंग मुद्रा को कैसे करें

बहुत ही सरल विधि है। आराम से जमीन पर आसन बिछाकर या चेयर पर बैठ जाएं। अपने दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसा लें, इसके बाद अपने बाएं हाथ के अंगूठे को सीधा रखें वर्टिकल रखें, और दाहिने हाथ के अंगूठे से उसको ब्लॉक कर दे।

मकर संक्रांति पर्व वास्तव में सूर्य का राशि परिवर्तन है, जब वह धनु से मकर राशि में प्रवेश करता है। लेकिन यह राशि परिवर्तन शनि की राशि में होने से सूर्य से यह सुख-समृद्धि की कामना का पर्व बन जाता है। आईये देखें कैसे मनाऐं यह ''सूर्य पर्व''।

सूर्य से सुख की कामना का पर्व

मकर संक्रांति

सूर्य के भ्रमण के आधार पर वर्ष उत्तरायण एवं दक्षिणायन दो भागों में बराबर-बराबर बंटा होता है। जिस राशि में सूर्य की कक्षा का परिवर्तन होता है, उसे संक्रमण काल कहा जाता है। चूंकि 14 या 15 जनवरी को ही सूर्य प्रतिवर्ष अपनी कक्षा परिवर्तित कर दक्षिणायन से उत्तरायण होकर मकर राशि में प्रवेश करता है, अतः मकर संक्रांति प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को ही मनायी जाती है। चूंकि हमारी पृथ्वी का अधिकांश भाग भूमध्य रेखा के उत्तर में यानी उत्तरी गोलार्द्ध में ही आता है। अतः मकर संक्रांति को ही विशेष महत्व दिया गया। भारतीय ज्योतिष पद्धति में मकर राशि का प्रतीक घड़ियाल को माना गया है जिसका सिर एक हिरण जैसा होता है। पाश्चात्य ज्योतिषी मकर राशि का प्रतीक बकरे को मानते हैं। हिंदू धर्म में मकर (घड़ियाल) को एक पवित्र पशु माना जाता है। चूंकि हिंदुओं में अधिकांश देवताओं का पदार्पण उत्तरी गोलार्द्ध में ही हुआ है, इसलिए सूर्य की उत्तरायण स्थिति को लोग शुभ मानते हैं। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की कक्षा में हुए परिवर्तन को अंधकार से प्रकाश की ओर हुआ परिवर्तन माना जाता है। मकर संक्रांति से दिन में वृद्धि होती है और रात का समय कम हो जाता है। इस प्रकार प्रकाश में वृद्धि होती है और अंधकार में कमी होती है। चूँकि सूर्य ऊर्जा का स्रोत है, अतः इस दिन से दिन में वृद्धि हो जाती है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को पर्व के रूप में मनाने की व्यवस्था हमारे भारतीय मनीषियों द्वारा की गयी है।

उत्तरायन का विशेष महत्व

गीता के आठवें अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा भी सूर्य के उत्तरायण का महत्व स्पष्ट किया गया है। वे कहते हैं कि 'हे भरत श्रेष्ठ! ऐसे लोग जिन्हें ब्रह्म का बोध हो गया हो, अग्निमय ज्योति देवता के प्रभाव से जब छह माह सूर्य उत्तरायण होता है, दिन के प्रकाश में अपना शरीर त्यागते हैं, पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है, संभवतः सूर्य के उत्तरायण के इस महत्व के कारण ही भीष्म ने अपना प्राण तब तक नहीं छोड़ा, जब तक मकर संक्रांति अर्थात सूर्य की उत्तरायण स्थिति नहीं आ गयी। सूर्य के उत्तरायण का महत्व छांदोग्यपनिषद में भी किया गया है। इस प्रकार स्पष्ट है कि सूर्य की उत्तरायण स्थिति का बहुत ही अधिक महत्व है। सूर्य के उत्तरायण होने पर दिन बड़ा होने से मनुष्य की कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है जिससे मानव प्रगति की ओर अग्रसर होता है। प्रकाश में वृद्धि के कारण मनुष्य की शक्ति में भी वृद्धि होती है और सूर्य की यह उत्तरायण स्थिति चूंकि मकर संक्रांति से ही प्रारंभ होती है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को पर्व के रूप में मानने का प्रावधान हमारे भारतीय मनीषियों द्वारा किया गया और इसे प्रगति तथा ओजस्विता का पर्व माना गया जो कि सूर्योत्सव का द्योतक है।

कैसे मनता है पर्व

कहते हैं मकर संक्रांति से दिन तिल-तिल बढ़ता है। अतः महिलाएँ पति की दीर्घायु की कामना के लिए व परिवार की सुख-शांति के लिए मकर संक्रांति से वसंत पंचमी व चैत्र माह के पूरे महीने हल्दी-कुमकुम का आयोजन करती हैं। मकर संक्रांति के दिन विवाहित महिलाएँ आपस में एक-दूसरे को हल्दी कुंकु का टीका लगाती हैं, तिल से बनी मिठाई खिलाती हैं और मेहमान महिलाओं को सुहाग की चीजें उपहार में देती हैं। जैसे-बिछिया, पायजब, कंगन, कुमकुम, बिंदी आदि। इस दिन सुबह तिल, मलाई, हल्दी को मिलाकर उबटन करने का अपना अलग ही मजा है। यह उबटन त्वचा को सुंदर व कांतिमय बना देता है। आज के दिन दान का विशेष महत्व माना गया है। ब्राह्मणों को भोजन करवाना, दक्षिणा देना, गाय को घास देना आदि इस पर्व पर विशेष रूप से किए जाते हैं। महाराष्ट्रीयन समाज में इस पर्व का विशेष महत्व है। इस पर्व पर महिलाएँ एक-दूसरे को मिट्टी के छोटे से मटकेनुमा बर्तन में चने के होले, तिल-गुड़ के लड्डू, मूँग, चावल, गाजर व बोर मिलाकर भर कर देती हैं। संक्रांति के दिन नई बहू व नवागंतुक शिशु को तिल के सुंदर गहने पहनाए जाते हैं। वहीं गुजरात में इस दिन बाजरे के रोटले के साथ उन्धिया छत पर बैठकर चटखारे ले-लेकर खाया जाता है। इस दिन बच्चों में भी विशेष उत्साह देखा जा सकता है। बच्चे हों या बड़े सभी मकर संक्रांति पर पतंगबाजी का आनंद लेते हैं। पूरा आकाश नीले-पीले, लाल, हरे पतंगों से सराबोर दिखाई देता है। इस प्रकार यह त्यौहार मिलने-मिलाने, तिल-गुड़ खाने का एक विशिष्ट त्योहार है।

PALANHAAR SANATAN FOUNDATION - FAMILY

वैष्णव विवेक विद्यालय, जयपुर

कहते हैं ''यतो धर्म: ततो जय:''
फिर सनातनी पराजित क्यों?
जागो सनातनियों जागो जगाने आए हैं।
सनातनी इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि जहाँ सभी उम्र एवं अवस्था के लिए सफलता 100% सुनिश्चित।
''बच्चा आपका सफलता का सम्पूर्ण दायित्व हमारा''

KA THOK VIKRETA...

CONTACT US

Whatsapp @ +91-9314032511/9214433316
Conctact +91-7222811133/44/55/66/77/88/99
www.vvv.education, vvv.university, jauss.live
www.aeei.biz, a1supply.in, www.palanhaar.org
E-mail :- avyuktahelp@gmail.com, avyuktaeeil@gmail.com

"सम्पत्ति के सहयोग से शरणागति की प्राप्ति"
PALANHAAR SANATAN FOUNDATION

''सुसंस्कृत, सुशिक्षित, सुरक्षित, सम्पन्न एवं सेवा परायण समाज का निर्माण''
समस्याएं सहयोग समाधान
''विशुद्ध सेवा / मूल सुरक्षित / विशुद्ध लाभ''

*ध्यान दीजिए - आयकर विधाग की धारा 80 जी के तहत कर लाभ उपलब्ध रहेगा।

YouTube Vaishnav Vivek Vidhyalaya | YouTube Palanhaar Sanatan Foundation | YouTube Sanatan Satya News | YouTube Upendra S Skekhawat

WWW.NGODARPAN.GOV.IN **UNIQUE ID OF VO/NGO - RJ/2021/0295592** **"BEST OPTION FOR CSR FUNDS"**

समस्याएं अनेक समाधान मात्र एक - www.vvv.education

''दैनिक आयोजित संध्या गोष्ठी (On Google Meet) में पधारें। समय : 7pm to 8.15 pm for Link WhatsApp Please @+91-9314032511''

PALANHAAR SANATAN FOUNDATION "SOLUTIONS"

AEEIL
REAL ESTATE
One Time Construction
No Need Maintenance

JAMVAY ASSOCIATE
JAUSS FOR HAUSS
Financial Strength
Portfolio Pack

वैष्णव विवेक विद्यालय
सभी सामर्थ्यवान बनें
''दैनिक सुबह-शाम गूगल मीट पर मैदान गोष्ठी आयोजित होती है''

A1DEALS.CO.IN
HAPPINESS SHOP
Respect Parents
Next Generations Grocery Free

- Financial Security HLV Pack
- Tax Management IT Pack
- Financial Leverage FLP Pack
- Respect Parents SYP Pack
- Career Confusion CC Pack
- Depression Delete DD Pack
- Happy Couples RC Pack
- Income Buster Freedom Pack
- Business Solutions Business Pack

- सफल जीवन अतिशय विशिष्ट पाठ्यक्रम
- सफल जीवन विशिष्ट पाठ्यक्रम
- सामान्य अध्ययन सामान्य पाठ्यक्रम
- कलात्मक जीवन वैकल्पिक पाठ्यक्रम
- बेरोजगारी मुक्त जीवन रोजगारपरक पाठ्यक्रम
- तनावमुक्त जीवन स्मृति विज्ञान पाठ्यक्रम
- आल्हादित जीवन परमानन्द संकल्प पाठ्यक्रम

सम्पूर्ण पारिवारिक समाधान
CSP PACK

शारीरिक बीमारियों से मुक्ति
Health PACK

सनातनी कैसे संस्था से जुड़ सकते हैं?
PALANHAAR SANATAN FOUNDATION

ध्यान दीजिए - सेवा, सलाहकार एवं शाखाएं सीमित संख्या में ही उपलब्ध हैं इसलिए पहले आयें पहले पायें। विलम्ब के लिए संस्था जिम्मेदार नहीं मानी जाएगी।

आपका
ललित जाजू
+91-9460701883

www.fb.com/pg/vaishnavvivekvidhyalaya
www.facebook.com/pg/upendrasshekhawatcfccba/services

हम मानसिक तनावों, संकट, अभाव, पीड़ा आदि में जीते हैं, तो प्रश्न उठता है कि आखिर हम सुखी रहें तो कैसे? इन स्थितियों से मुक्ति के सूत्र आपके ही हाथों में हैं। आईये जानें वैष्णव विवेक विद्यालय जयपुर के सेवक ललित किशोर जाजू की जुबानी।

कैसे हो हमारा समाज सुखी

बडी पीड़ा होती है, जब हमारे प्रत्येक परिवार को दुखी, संकट ग्रस्त, अभाव में, प्रभाव में, पीड़ा में देखता हूँ। जब ये देखता हूं, कि घर के बुजुर्गों को उनका यथोचित सम्मान नहीं मिलता, अपितु समृद्ध घरों में उनके लिए ठौर नहीं रही है, जिससे कि उन्हें वृद्धाश्रमों का मुख देखना पड़ता है।

⏭ कि भाई-भाई में छोटी छोटी बातों के कारण घर अलग करने की मांग उठती है।

⏭ कि पति पत्नी एक दूसरे के साथ अब जी नहीं सकते।

⏭ कि पितृ दोष से घर में सदैव अशांति बनी रहती है।

⏭ कि BP और शुगर की तो कोई बात ही नहीं, हार्ट-किडनी-कैंसर-साइलेंट अटेक-ब्रेन डिसआर्डर एवं माइग्रेन जैसे रोगों से एक भी परिवार नहीं बचा है।

⏭ कि छोटे-बडे सभी मोबाइल के एडिक्ट हो चुके हैं, किशोर अवस्था के बच्चों में इसके कारण भारी तनाव, क्रोधावेश, शक्ति हीनता, कुसंस्कार एवं दुश्चरित्रता आ गये हैं।

⏭ कि माता-पिता बच्चों के व्यवहार से कुंठित हो गये हैं।

⏭ कि नव युवा बच्चे केरियर कन्फ्यूजन से भारी डिप्रेशन में आ रहे हैं, और इससे सुसाइड़ केस बढ़ रहे हैं।

⏭ कि व्यापारी बंधु टेक्स सोल्यूशंस, बिजनिस ग्रोथ, फाइनेंशियल लिवरेज, पोर्टफोलियो आदि को लेकर सही निर्देशन के अभाव में बडे परेशान हैं एवं गलत निर्णय द्वारा अपने धन-समय एवं शांति का ह्रास कर रहे हैं।

⏭ कि कुछ बंधु धनाभाव से भारी समस्या ग्रस्त हैं।

⏭ कि संतों की बातें तो समझ आती है और अपना अनुभव भी कहता है, कि बच्चों को आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा बरबाद कर रही है, शक्ति - सामर्थ्य-चरित्र-संस्कार से हीन बना रही है, एवं डिग्री पाकर भी बेरोजगारी बढ़ रही है, फिर भी कोई विकल्प नहीं दीखता,जो बच्चों को समर्थ,चरित्र वान, सुसंस्कारी एवं समृद्ध बनाने का ठोस विज्ञान प्रदान करे।

⏭ कि यदि कोई आकस्मिक या सामाजिक विपत्ति आए, तो कोई साथ देने वाला या कोई इससे निपटने का रास्ता दिखाई नहीं देता।

⏭ कि समाज के बंधुओं का वो वैचारिक सामंजस्य एवं सामाजिक सोहार्द केवल औपचारिकता बनकर रह गया है।

⏭ कि शास्त्रोचित की जगह मन-मुताबिक दिखावे का व्यवहार बढ़ जाने से धर्म हीनता आ गई है। जिससे 'यतो धर्म ततो जयः' सिद्धांत के अनुसार सभी धर्म च्युत होने से दुःखी हो गए हैं।

⏭ कि जो शांति-समृद्धि और धर्म की मूल श्री गौमाताजी सनातनी घरों की शोभा थी, वो कत्लखानों की ओर भेज दी गई हैं। जबकि श्रीकृष्ण भगवान ने हम वणिकों को गोरक्षा एवं गो सेवा हेतु अधिकृत किया है।

⏭ कि अर्थ सक्षम बंधुवर अपने CSR फंड का उपयोग सही स्थान का पता नहीं होने से या तो विकृती बढ़ाने वाले स्थानों पर या मजबूरन शासन को देकर के, दोनों ही स्थिति में अपना ही पतन कर रहे हैं।

⏭ कि सभी किंकर्तव्य विमूढ़ होकर अपनी ही आँखों से अपना विनाश देख रहे हैं।

आइये विचार करें, कि क्या कोई ऐसा भी रास्ता है कि इस समस्या चक्रव्यूह की परिधि से हम बाहर निकल सकें और उस आदर्श स्थिति (देहिक दैविक भौतिक तापा, राम राज काहूँ नहिं व्यापा) को प्राप्त कर सकें, जहाँ अभाव और प्रभाव नहीं हो, जहाँ सरस जीवन हो, निर्भय एवं निश्चिन्त जीवन हो।

जी, हाँ। एकमात्र रास्ता है सनातनी जीवन। कोई झाड़ फूंक या टोना टोटका नहीं है अपितु हर समस्या का निश्चित (गारंटेड) समाधान है विशुद्ध सनातनी प्रणाली से। आइये आपके ही समाज का एक बालक आपका लघु भ्राता आपसे निवेदन करता है कि आगे बढ़िये और इस अद्भुत सनातनी प्रकल्प को ठीक से समझिये और अपने जीवन को सुंदर बनाइये।

संपर्क
ललित किशोर जाजू
M. 9460701883
वैष्णव विवेक विद्यालय, जयपुर
www.vvv.education
http://www.facebook.com/pg/upendrasshekhawatcfccba/services
www.fb.com/pg/vaishnavvivekvidhyalaya

सभी प्रकार की जानकारी एवं सभी समस्याओं के समाधान हेतु
वाटसप न. 93140 32511 **पालनहार सनातन फाउन्डेशन**

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी, मुंबई

नये वर्ष मे लें एक नया संकल्प

साल 2021 गुजर गया। 2022 आ गया। हर साल दर साल गुजरते रहते हैं। हम बड़े जोश से पुराने को बिदा करते हैं और नये का स्वागत करते हैं। आगत का स्वागत और विगत को बिदाई हमारी परम्परा है। क्या इन दोनों के बीच एक पल, एक बिंदू, एक ठहराव ऐसा नहीं होना चाहिये कि हम स्वागत और बिदाई संग कुछ ठहरें, सोचे, समझे और मूल्यांकन करें।

आज तक 2021 तक जो किया अब वो मत कीजिये। बीते साल और इस साल के बीच कहीं ठहरिये। आप कहेंगे अब तो साल बीत गया, नये को आए भी कुछ रोज हो चुके हैं, होने दीजिये, देर आये, दुरूस्त आये। आइये कुछ मूल्यांकन करें। पिछले वर्ष क्या कोई चाहत अधूरी रह गई है। यदि हां तो क्यूं नहीं न्यू ईयर रेजूलेशन पास करें अर्थात कोई संकल्प करें कि इस वर्ष में ये कार्य पूरा करूंगा। चाहत मात्र चाहने से पूरी नहीं होती। उसे दिमाग और कर्म से पूरा करना होता है। चाहने मात्र से ही यदि सब कुछ मिल जाता तो संसार में कोई दुखी या नाराज नहीं होता। आपका सुख आपकी सोच के साथ साथ मेहनत, लगन और कर्त्तव्यनिष्ठा से जुड़ा होता है।

''बीती ताई बिसारिये'' इस नये वर्ष में एक नया भले ही छोटा सा संकल्प लीजिये। विचार कीजिये ये संकल्प मुझे क्या प्रदान करेगा? खुशी, धन, यश, स्वास्थ्य या आत्मशांति। अब सोच विचार करें कि ये कार्य पूरा कैसे होगा? कितनी मंजिलों में पूरा होगा। सीढ़ी दर सीढ़ी आपकी कार्यप्रणाली कैसी होगी? आप अपने आप को कितना समय देंगे? अपने ही ऊपर अंकुश कैसे रखेंगे?

अब आप पूरी तरह संकल्पित हो चुके हैं। आपकी आखों के सामने सदैव इस संकल्प की तस्वीरें लगाये रखें। दिमाग में बस इसी विचार को घुमते हुए लक्ष्य प्राप्ति की दिशायें अग्रसर करें। यदि सच्ची ईमानदारी, लग्न और मेहनत से आप कार्य में जुटेंगे तो आप पायेंगे निश्चित अवधि से पहले ही सफलता नजर आने लगी है। तब मंजिल पर आपके कदम और तेजी से बढ़ने लगेंगे और अब लक्ष्य प्राप्ति से आपको कोई नहीं रोक सकेगा। तो नये साल में नई राह जिंदगी की बनाइये, उस पर चलिये। नववर्ष की शुभकामनाऐं।

॥ जय महेश ॥

॥ नववर्ष पर सभी बंधुओं एवं बहनों को हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल, उज्जैन

श्रीमती हेमलता गाँधी
अध्यक्ष

श्रीमती मनोरमा मंडोवरा
सचिव

श्रीमती संध्या हेड़ा
कोषाध्यक्ष

पदाधिकारी - पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा मंत्री उपाध्यक्ष श्रीमती आशा तोतला सह सचिव श्रीमती सीमा परवाल सांस्कृतिक सचिव श्रीमती ज्योति राठी

सम्माननीय पूर्व अध्यक्ष - श्रीमती तेजूदेवी तोषनीवाल, श्रीमती शांतादेवी मंडोवरा, श्रीमती सुधा बाहेती, श्रीमती रमा लड्ढा, श्रीमती रुकमणी भूतड़ा, श्रीमती निर्मला देवपुरा, श्रीमती गीता तोतला (राष्टीय कार्य समिति सदस्य), श्रीमती शांता सोडानी, श्रीमती शोभा मूंदड़ा, श्रीमती सुभद्रा भूतड़ा, श्रीमती संतोष सोडानी

कार्यकारिणी सदस्य - श्रीमती उषा सोडानी (प्रदेश सचिव) श्रीमती विमला कासट श्रीमती वंदना जैथलिया, श्रीमती संगीता भूतड़ा, श्रीमती मनोरमा दाड, श्रीमती उषा लखोटिया, श्रीमती रेखा मंत्री, श्रीमती ममता बाँगड़, श्रीमती मनीषा राठी, श्रीमती प्रतिमा राठी, श्रीमती आरती सोडानी, श्रीमती सुमन पलोड़, श्रीमती माधुरी राठी, श्रीमती सीमा पलोड़, श्रीमती मंजू लखोटिया, श्रीमती निशा मूंदड़ा, श्रीमती शिल्पा जावंधिया, श्रीमती कविता चितलांग्या।

गत 23 वर्षों से वास्तु के क्षेत्र में पारामर्शदाता के रूपमें सीकर निवासी हरिकिशन सोमानी एक अत्यंत प्रतिष्ठित नाम हैं। देश-विदेश में अपनी सेवा देने के साथ उनकी उपलब्धियों में अब वास्तुशास्त्र में पीएच.डी. की उपाधि भी शामिल हो गई है।

वास्तुशास्त्र के ''डॉक्टर'' बने हरिकिशन सोमानी

गत दिनों वास्तुविद एवं समाजसेवी हरिकिशन सोमानी को श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वेदिक एस्ट्रोलॉजी, उदयपुर द्वारा वास्तु शास्त्र में पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया। कॉलेज द्वारा श्री सोमानी को वास्तु साइंस में गोल्ड मेडल, डिग्री एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। मूलतः सीकर निवासी हरिकिशन ने अपना शोध कार्य ''वास्तु इन रेजिडेंशियल एंड इंडस्ट्रियल एरिया'' विषय पर डॉ. हर्षद भाई जोशीके मार्गदर्शन में पूरा किया। हरिकिशनजी पिछले 23 सालों में वास्तु विज्ञानके क्षेत्र में कार्यरत हैं एवं सीकर में वास्तु क्षेत्र में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने वाले प्रथम व्यक्ति हैं।

सामान्य परिवार में लिया जन्म

वर्तमान में राजस्थान निवासी डॉ. हरिकिशन सोमानी की देश ही नहीं अपितु विश्व के कई देशों के लिये प्रख्यात वास्तविद के रूप में अनूठी पहचान है। सन् 1998 में ''सर्वेभवन्तु सुखिनः'' की कामना के साथ डॉ. सोमानी ने आवासीय एवं औद्योगिक क्षेत्र में वास्तु परामर्श की शुरूआत की। व्यावसायिक सोच से आगे बढ़कर वे ''सर्वमंगल'' की कामना रूपी यह आलोक सफलतापूर्वक सतत रूप से फैला रहे हैं। उनके द्वारा मार्गदर्शित कई वृहद स्तरीय प्रोजेक्टस कार्यान्वित हो चुके हैं, एवं अनेकों प्रोजेक्ट्स प्रगति पर हैं। डॉ. सोमानी का जन्म 30 सितम्बर 1960 को श्री सीताराम सोमानी के यहाँ लांचड़ी जिला हिसार (हरियाणा) में हुआ था। उन्होंने सीकर से ही स्नातक स्तर तक की शिक्षा ग्रहण की। 16 अप्रैल 1984 को श्री रिद्धकरण सारड़ा (रेनवाल वाले, वर्तमान में हैदराबाद निवासी) की सुपुत्री लता के साथ परिणय सूत्र में बंध गये। वर्तमान में आपके परिवार में 1 पुत्र (राहुल) व 2 पुत्रियाँ (पारूल एवं चंचल) हैं।

ऐसे बढ़े वास्तु के पथ पर कदम

डॉ. सोमानी की प्रबल भावना थी, स्वास्थ्य आर्थिक व व्यापार से परेशान लोगों के लिये सुखी जीवन का मार्ग प्रदर्शित करना।

उनकी इसी भावना ने ही उन्हें वास्तुशास्त्र की ओर अग्रसर किया। डॉ. सोमानी जनहित की भावना से प्रेरित होकर लगभग पिछले 23 वर्षों में वास्तुशास्त्र की अपनी रूचि को परिवर्धित कर अपनी विशेषता बनाते हुए वैदिक वास्तुशास्त्र का देश विदेश के विविध क्षेत्रों में ध्वज फहरा चुके हैं। उन्होंने सन् 2011 में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन वास्तु की उपाधि प्राप्त की। अब डॉ. सोमानी को श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी द्वारा वास्तुशास्त्र में पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

समाजसेवा की तरह उनकी वास्तु सेवा

डॉ. सोमानी की शोध यात्रा पीएच.डी. पर भी थमी नहीं है बल्कि यह सतत् रूप से चलती ही जा रही है। इसी का परिणाम है कि उन्होंने वास्तु व विभिन्न ऊर्जाओं के संतुलन तथा नकारात्मक ऊर्जा के निष्कासन के लिये अपने तरीके विकसित किये हैं। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य समस्या के समाधान, विद्यार्थी व युवाओं में आत्मविश्वास की वृद्धि, पूजा, हवन, ध्यान, शांति व समृद्धि जैसे मुद्दों पर भी डॉ.सोमानी ने गहन शोध से सफलता हासिल की है। किसी भी भूमि व भवन की समस्त ऊर्जाओं का अध्ययन करके उसका सही एवं सटिक विश्लेषण करना उनकी विशेषता को सिद्ध करता है। वैसे तो यह सेवा भी अप्रत्यक्ष समाजसेवा ही है, लेकिन इसके साथ वे समाजसेवी गतिविधियों से सीधे रूप से भी सम्बद्ध हैं। डॉ. सोमानी वर्तमान में श्री माहेश्वरी समाज प्रन्यास, सीकर के उपाध्यक्ष एवं श्री गोपीनाथ गौशाला, सीकर के कार्यकारिणी सदस्य के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। सन् 2003 में डॉ. सोमानी की सोच व सुझाव ने ही माहेश्वरी युवा मंच, सीकर की स्थापना की नींव रखी। डॉ. सोमानी, श्री श्याम प्रेमी मंडल, सीकर के वरिष्ठ सदस्य हैं एवं पूर्व में लायंस क्लब, सीकर में सभी पदों के दायित्व का निर्वहन कर महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

विशुद्ध विज्ञान है वास्तुशास्त्र

डॉ. सोमानी का कहना है वास्तुशास्त्र वास्तव में विज्ञान का ही दूसरा नाम है। भारतीय ऋषि मुनियों ने पंच महाभूतों के संतुलन की बारीकियों को खोजकर ही इसके नियम बनाए हैं। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु एवं आकाश, इन पंच महाभूतों का समानुपात ही वास्तु है। पंच महाभूतों के समुचित समावेश से युक्त भूमि, आवास, देवस्थान, व्यवसाय व उत्पादन क्षेत्र का समुचित विचार इस विद्या के अंतर्गत आता है।

आमतौर पर नाम से आप तिल्ली के तेल को भी अन्य तेलो की तरह खाने का तेल कहकर इतिश्री कर लेगे। लेकिन वास्तव मे यह पृथ्वी का अमृत है या कहे तिलस्म तेलम अर्थात जादुई तेल। यह वह कर सकता है, जो बड़ी से बड़ी दवाइयॉ भी नही कर सकती। आइये देखें क्यो है, ये तिलस्म तेलम।

कैलाशचंद्र लढ्ढा
जोधपुर

तिलस्म तेलम तिल्ली का तेल

तिल के तेल में इतनी ताकत होती है कि यह पत्थर को भी चीर देता है। प्रयोग करके देखें। आप पर्वत का पत्थर लिजिए और उसमें कटोरी के जैसा गड्डा बना लीजिए, उसमें पानी, दुध, घी या तेजाब अर्थात संसार का कोई सा भी कैमिकल, ऐसिड डाल दीजिए, पत्थर में वैसा की वैसा ही रहेगा, कही नहीं जायेगा...। लेकिन... अगर आप ने उस कटोरी नुमा पत्थर में तिल का तेल डाल दीजिए, उस खड्डे में भर दिजिये.. 2 दिन बाद आप देखेंगे कि, तिल का तेल... पत्थर के अन्दर भी प्रवेश करके, पत्थर के नीचे आ जायेगा। यह होती है तेल की ताकत। इस तेल की मालिश करने से यह हड्डियों को पार करता हुआ, उन्हें मजबूती प्रदान करता है। तिल के तेल के अन्दर फास्फोरस होता है जो कि हड्डियों की मजबूती मे अहम भूमिका अदा करता है और तिल का तेल ऐसी वस्तु है जो अगर कोई भी भारतीय चाहे तो थोड़ी सी मेहनत के बाद आसानी से प्राप्त कर सकता है। तब उसे किसी भी कंपनी का तेल खरीदने की आवश्यकता ही नही होगी।

तिल से उत्पन्न है शब्द ''तैल''

तैल शब्द की व्युत्पत्ति तिल शब्द से ही हुई है। अर्थात जो तिल से निकलता है, वह है तैल। अर्थात तेल का असली अर्थ ही है। तिल का तेल'। तिल के तेल का सबसे बड़ा गुण यह है कि यह शरीर के लिए आयुषधि का काम करता है। चाहे आपको कोई भी रोग हो यह उससे लड़ने की क्षमता शरीर में विकसित करना आरंभ कर देता है। यह गुण पृथ्वी के अन्य किसी खाद्य पदार्थ में नहीं पाया जाता। सौ ग्राम सफेद तिल से 1000 मिलीग्राम कैल्शियम प्राप्त होता हैं। बादाम की अपेक्षा तिल में छः गुना से भी अधिक कैल्शियम है। काले और लाल तिल में लौह तत्वों की भरपूर मात्रा होती है जो रक्तअल्पता के इलाज़ में कारगर साबित होती है। तिल में उपस्थित लेसिथिन नामक रसायन कोलेस्ट्रोल के बहाव को रक्त नलिकाओं में बनाए रखने में मददगार होता है।

क्यों है यह सर्वोत्तम खाद्य पदार्थ

तिल के तेल में प्राकृतिक रूप में उपस्थित ''सिस्मोल'' एक ऐसा एंटी-ऑक्सीडेंट है जो इसे ऊँचे तापमान पर भी बहुत जल्दी खराब नहीं होने देता। आयुर्वेद चरक संहिता में इसे पकाने के लिए सबसे अच्छा तेल माना गया है। तिल में विटामिन 'सी' को छोड़कर वे सभी आवश्यक पौष्टिक पदार्थ होते हैं जो अच्छे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। तिल विटामिन बी और आवश्यक फैटी एसिड्स से भरपूर हैं। इसमें मीथोनाइन और ट्रायप्टोफन नामक दो बहुत महत्त्वपूर्ण एमिनो एसिड्स होते हैं जो चना, मूँगफली, राजमा, चौला और सोयाबीन जैसे अधिकांश शाकाहारी खाद्य पदार्थों में नहीं होते। ट्रायोप्टोफन को शांति प्रदान करने वाला तत्व भी कहा जाता है जो गहरी नींद लाने में सक्षम है। यही त्वचा और बालों को भी स्वस्थ रखता है। मीथोनाइन लीवर को दुरुस्त रखता है और कॉलेस्ट्रोल को भी नियंत्रित रखता है। तिल बीज स्वास्थ्यवर्द्धक वसा का बड़ा स्त्रोत है जो उपापचय को बढ़ाता है।

स्वास्थ्य के लिये वरदान

यह कब्ज भी नहीं होने देता। तिल बीजों में उपस्थित पौष्टिक तत्व,जैसे-कैल्शियम और आयरन त्वचा को कांतिमय बनाए रखते हैं। तिल में न्यूनतम सैचुरेटेड फैट होते हैं इसलिए इससे बने खाद्य पदार्थ उच्च रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकते है। सीधा अर्थ यह है कि यदि आप नियमित रूप से स्वयं द्वारा निकलवाए हुए शुद्ध तिल के तेल का सेवन करते हैं तो आप के बीमार होने की संभावना ही ना के बराबर रह जाएगी। जब शरीर बीमार ही नही होगा तो उपचार की भी आवश्यकता नही होगी। शुद्धता की पहचान करना मुश्किल होगा। ऐसे में अपने सामने निकाले हुए तेल का ही भरोसा करें। तिल में मोनो-अनसैचुरेटेड फैटी एसिड (MONO-UNSATURATED FATTY ACID) होता है जो शरीर से बैड कोलेस्ट्रोल को कम करके गुड कोलेस्ट्रोल यानि एच.डी.एल. (HDL) को बढ़ाने में मदद करता है। यह हृदय रोग, दिल का दौरा और धमनी कला काठिन्य (ATHEROSCLEROSIS) की संभावना को कम करता है।

असाध्य रोगों से भी सुरक्षा

तिल में सेसमीन (SESAMIN) नाम का एन्टीऑक्सिडेंट (ANTIOXIDANT) होता है जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने के साथ-साथ और जीवित रखने वाले रसायन के उत्पादन को भी रोकने में मदद करता है। यह फेफड़ों का कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर, स्तन कैंसर और अग्नाशय के कैंसर के प्रभाव को कम करने में बहुत मदद करता है। इसमें नियासिन (NIACIN) नाम का विटामिन होता है जो तनाव और अवसाद को कम करने में मदद करता है। तिल में ज़रूरी मिनरल जैसे कैल्सियम, आयरन, मैग्नेशियम, जिन्क, और सेलेनियम

होता है जो हृदय के मांसपेशियों को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है और हृदय को नियमित अंतराल में धड़कने में मदद करता है। डिपार्टमेंट ऑफ बायोथेक्सनॉलॉजी विनायक मिशन यूनवर्सिटी, तमिलनाडु (DEPARTMENT OF BIOTHECHNOLOGY AT THE VINAYAKA MISSIONS UNIVERSITY, TAMIL NADU) के अध्ययन के अनुसार यह उच्च रक्तचाप को कम करने के साथ-साथ इसका एन्टी ग्लिसेमिक प्रभाव रक्त में ग्लूकोज़ के स्तर को 36% कम करने में मदद करता है जब यह मधुमेह विरोधी दवा ग्लिबेक्लेमाइड (GLIBENCLAMIDE) से मिलकर काम करता है। इसलिए टाइप-2 मधुमेह (TYPE 2 DIABETIC) रोगी के लिए यह मददगार साबित होता है।

बच्चों के स्वास्थ्य का वरदान

शिशु की हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। तिल में डायटरी प्रोटीन और एमिनो एसिड होता है जो बच्चों की हड्डियों के विकसित होने में और मजबूती प्रदान करने में मदद करता है। उदाहरणस्वरूप 100ग्राम तिल में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है, जो बच्चों के विकास के लिए बहुत ज़रूरी होता है। तिल में फोलिक एसिड होता है जो गर्भवती महिला और भ्रूण के विकास और स्वस्थ रखने में मदद करता है। अध्ययन के अनुसार तिल के तेल से शिशुओं मालिश करने पर उनकी मांसपेशियाँ सख्त होती हैं। साथ ही उनका अच्छा विकास होता है। इस तेल से मालिश करने पर शिशु आराम से सोते हैं।

कई समस्याओं में भी चमत्कारी

दूध की तुलना में तिल में तीन गुना कैल्शियम रहता है। इसमें कैल्शियम, विटामिन बी और ई, आयरन और ज़िंक, प्रोटीन की भरपूर मात्रा रहती है और कोलेस्टरोल बिल्कुल नहीं रहता है। तिल का तेल ऐसा तेल है, जो सालों तक खराब नहीं होता है, यहाँ तक कि गर्मी के दिनों में भी वैसा की वैसा ही रहता है। तिल का तेल कोई साधारण तेल नहीं है। इसकी मालिश से शरीर को काफी आराम मिलता है। यहां तक कि लकवा जैसे रोगों तक को ठीक करने की क्षमता रखता है। इससे अगर महिलाएं अपने स्तन के नीचे से ऊपर की ओर मालिश करें, तो स्तन पुष्ट होते हैं। सर्दी के मौसम में इस तेल से शरीर की मालिश करें, तो ठंड का एहसास नहीं होता। इससे चेहरे की मालिश भी कर सकते हैं। यह चेहरे की सुंदरता एवं कोमलता बनाये रखेगा। यह सूखी त्वचा के लिए उपयोगी है। तिल का तेल- तिल विटामिन ए व ई से भरपूर होता है। इस कारण इसका तेल भी इतना ही महत्व रखता है। इसे हल्का गरम कर त्वचा पर मालिश करने से निखार आता है। अगर बालों में लगाते हैं, तो बालों में निखार आता है, लंबे होते हैं। जोड़ों का दर्द हो, तो तिल के तेल में थोड़ी सी सोंठ पावडर, एक चुटकी हींग पावडर डाल कर गर्म कर मालिश करें। तिल का तेल खाने में भी उतना ही पौष्टिक है विशेषकर पुरुषों के लिए।इससे मर्दानगी की ताकत मिलती है! हमारे धर्म में भी तिल के बिना कोई कार्य सिद्ध नहीं होता है, जन्म, मरण, परण, यज्ञ, जप, तप, पित्र, पूजन आदि तिल और तिल का तेल के बिना संभव नहीं है। अतः इस पृथ्वी के अमृत को अपनावे और जीवन निरोग बनायें।

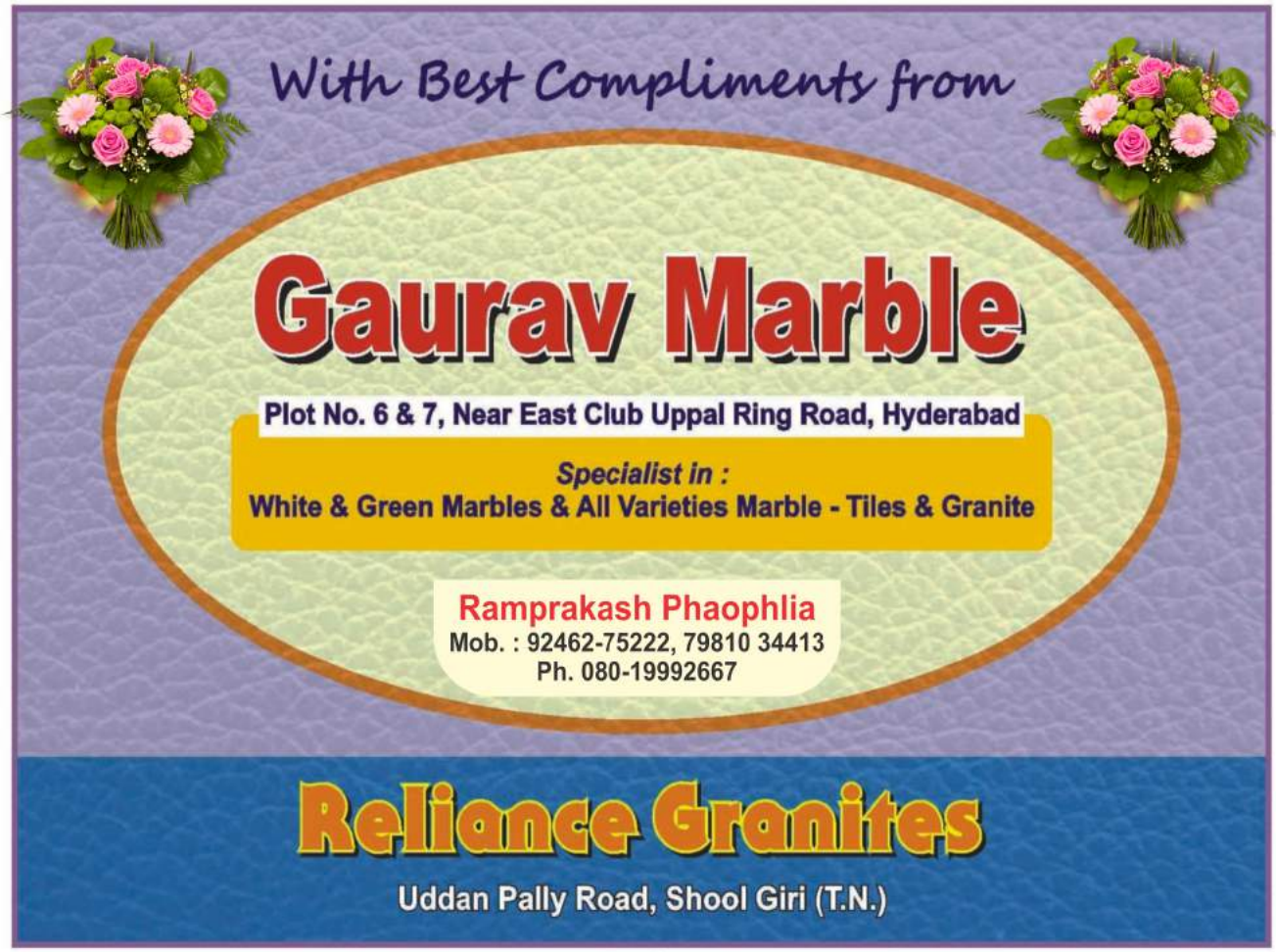

परम्परावादी सोच वाले किसी भी परिवार में लड़कों द्वारा गृहकार्य में योगदान दिये जाने को अनुचित मानते हुए उनके पुरुषत्व तक पर मात्र इसलिये अंगुली उठा देते हैं कि उनकी नजर में यह काम पुरुषों का नहीं है। लेकिन वर्तमान में दूसरा पक्ष यह भी सोचता है कि माता-पिता को वर्तमान समय में लड़की को ही नहीं बल्कि लड़कों को भी घर-गृहस्थी संभालने का ज्ञान देना अतिआवश्यक है। कारण यह है कि शिक्षा और कैरियर के प्रति सजग और अग्रसर रहने वाले युवा दम्पतियों को घर-गृहस्थी मिलकर चलानी होगी। अब घर-गृहस्थी संभालना सिर्फ लड़कियों की जिम्मेदारी नहीं रह गयी। अब लड़कों को भी लड़कियों की तरह गृहकार्यों को बेहिचक सीखना और करना पड़ेगा वरना दाम्पत्य जीवन डगमगाने लगेगा। यही समय की मांग भी है अन्यथा दाम्पत्य जीवन सुखी नहीं रह पायेगा। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि लड़कों का गृह कार्य में हाथ बंटाना उचित है या अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

लड़कों का गृह-कार्य में हाथ बंटाना भावी सुखी दाम्पत्य के लिए उचित अथवा अनुचित?

सुखद दाम्पत्य जीवन के लिए संजीवनी बूंटी

आज जब हम अपनी बेटी को पढ़ा-लिखा कर कामकाजी बना रहे हैं तो हमें यह समझ लेना चाहिए कि हमारी बहुरानी भी कामकाजी ही आनेवाली है। ऐसे में हमारे जंवाई को बेटी का एवं बेटे को बहुरानी का घर-गृहस्थी के कार्यों में साथ देना ही होगा। यह भी एक कारण है कि आनेवाली पीढ़ी के सुखद दाम्पत्य-जीवन के लिए लड़कों को गृहस्थ-ज्ञान सिखाना बहुत आवश्यक है। लड़के घर-गृहस्थी संभालने में अतिदक्ष हों या ना हो पर काम-चलाऊ गृहस्थ-ज्ञान होना अतिआवश्यक है। अधिकांशतः पढ़े-लिखे और खुली विचारधारा वाले कामकाजी लड़के और लड़कियों को इसमें कोई आपत्ति भी नहीं है। आजकल शौक से भी युवा रसोई में भिन्न-भिन्न प्रकार के व्यंजन बनाते रहते हैं और यही शौक उनके भावी दाम्पत्य जीवन में बहुत फायदेमंद साबित हो रहा है। अगर दम्पति कामकाजी हों तो अर्थ के साथ-साथ घर-गृहस्थी का बोझ भी मिल-जुलकर उठा लेते हैं। घर-परिवार के बड़े-बुजुर्गों को अथवा अन्य सदस्यों को इसमें आपत्ति हो सकती है पर समय के साथ उनको अपनी सोच में थोड़ा परिवर्तन लाना होगा और बेटियों की तरह ही बेटों को भी गृहस्थ-गीता पढ़ानी होगी। यह एक बहुत अच्छी बात है कि आज शिक्षा के प्रति हर वर्ग, समुदाय और स्तर के लोग जागरूक हो गए हैं जिससे भविष्य में पढ़े-लिखे कामकाजी दम्पतियों को गृह-कार्यों को करने के लिए कामगारों का मिलना मुश्किल जान पड़ता है। अब ऐसी परिस्थिति में पति-पत्नि दोनों को घर-गृहस्थी मिलकर ही संभालनी होगी। यह भी एक बड़ा कारण है कि लड़कों को घर-गृहस्थी का ज्ञान होना ही चाहिए।

■ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव, (नाशिक)

संकुचित सोच न रखें

समकालीन दौर में जब लड़कियां धनार्जन हेतु लड़कों के कंधें से कंधा मिलाकर चल रही हैं तो लड़कों का भी गृहकार्य में दक्ष होना समय की माँग है। शिक्षा के बढ़ते प्रचार से विवाह पूर्व लड़कियां अधिक समय अध्ययन में ही देती है उन्हें भी घरेलू कार्यो का अधिक ज्ञान नहीं होता। लड़कियां अकेली दोहरी भूमिका निभाये यह सोच ही गलत है। विवाह उपरांत तू और मैं की जगह 'हम' हो जाते हैं, अहम् का भाव जहां निर्मित होता है वहां रिश्तों की डोर कमजोर पड़ने लगती है। लड़कों का विवाह पूर्व घर के कार्यों को सीखना सुखी दाम्पत्य जीवन हेतु जरूरी है। नवदम्पत्ति नौकरी पेशा हैं तो उनके ऑफिस का समय अलग-अलग हो सकता है। ऐसे हालात में लड़कों का बराबरी में सहयोग करना जरूरी है। कार्य का अत्याधिक दबाव लड़कियां सह नहीं पाती, आत्मनिर्भर होने के कारण वह भी परिवार में बराबरी की भागीदारी चाहती हैं। विचारों में जहां लड़के-लड़कियों को लेकर, उनकी कार्यप्रणाली को लेकर भेदभाव रखा जाता है, वहां मन में दूरियां बढ़ती है। परिणाम स्वरूप छोटी-छोटी बातों से रिश्तों में मन-मुटाव की स्थिति निर्मित होती हैं। साथ ही कभी कोई अन्य स्थिति जैसे लड़कियों के ऑफिस में अधिक कार्य होना, प्रेग्नेंसी के दौरान उसे आराम की जरूरत होना आदि अनेक कारण होते हैं ऐसे समय लड़कों पर घरेलू कार्यभार का दायित्व आता है। इसलिए उन्हें पहले से ही गृहकार्य सिखायें। जिस तरह आज लड़कियों को हम आत्मनिर्भर बना रहें हैं, उसी तरह लड़कों का भी हर क्षेत्र में स्वावलंबी होना जरूरी है। वर्तमान दौर में अपने बच्चों को हर स्थिति से निपटने के लिए हमें हर तरह से तैयार करना होगा।

■ **राजश्री राठी,** अकोला

लड़कों का गृहकार्य में सहयोग आवश्यक

वक्त के अनुसार लड़कों को बदलना आवश्यक है। गृहकार्य में उन्हें भी हाथ बटाना आवश्यक है। आज लड़के व लड़कियाँ दोनों नौकरी व काम करते हैं। उनको नौकरों के भरोसे रहना पड़ता है। यह मुझे ठीक नहीं लगता। दोनों को गृहकार्य में मिलकर काम करना चाहिये जिससे वे नौकरों पर आश्रित न रहें। दोनों को मिलकर गृहकार्य करना चाहिये। माता-पिता को भी लड़कों को घर का कार्य करने की प्रेरणा देनी होगी। इससे उनका दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जब दोनों नौकरी कर रहे हैं तो विश्वास बढ़ेगा, सहयोग बढ़ेगा, नौकरों पर आश्रित नहीं रहना पड़ेगा। इसलिये लड़कों को भी गृहकार्य में सहयोग कर सुखी दाम्पत्य जीवन बनाना है।

■ **लखनलाल माहेश्वरी,** अजमेर

यह वर्तमान दौर की अनिवार्यता

मानव जीवन के इतिहास पर नजर डाले तो पुरातनकाल में संत महात्मा से लेकर सभी ज्ञानी स्वयं ही सभी कार्य स्वयं करते थे। कई राजा महाराजा सब सुविधा रहने के बावजूद बहुत से कार्य स्वयं करना पसंद करते थे। समय बदला परिवार की परिभाषाएँ बदली, जरूरतें बदलने के साथ नर-नारी समान, यह बात चहुँओर देखने-सुनने को मिली और शुरू हुआ जीवन का नया चक्र, जिस चक्र को दुनिया कहती है समान अधिकार, समान अधिकार की लड़ाई जो स्वतंत्रता संग्राम से लेकर अभी तक कई महान नारीयों ने लड़ी। पर आज समान अधिकार का स्वरुप जो हम देख रहे है उसका मुख्य कारण सयुंक्त परिवार के विघटन होने के साथ एकल परिवार का बोलबाला, अति शिक्षित नई युवा पीढ़ी धनार्जन एवं आत्मनिर्भर बनने की पहल में बदलते दौर में यह करना बेहद जरुरी है। महिलाएँ सिर्फ चारदिवारी में कैद रहकर चूल्हा चौका तक सीमित नहीं रहकर हर क्षेत्र में अग्रणीय, पैसा कमाने से लेकर हर काम में हिस्सेदार हैं। अतः पुरूषों की मजबूरी भी है और घर के काम में हाथ बंटाना जरूरी भी। यहीं आज की सही वस्तुस्थिति, जिसके बिना जीवनरथ का पहिया आगे बढ़ना मुश्किल ही नहीं, असंभव है।

■ **सतीश लाखोटिया** नागपुर, महाराष्ट्र

भावी सुखी दाम्पत्य के लिये उचित

लड़को का योगदान गृहकार्य में हमेशा से ही रहा है। पहले लड़कों के गृहकार्य बेटे रहने तक ही रहते थे, पति बनते ही गृहकार्य से नाता तोड़ देते थे, क्योकि लड़कों का मजाक उड़ाया जाता था। लोग बीवी का गुलाम कहकर संबोधित करते थे। इससे उन्हें शर्म सी महसूस होती थी, जिससे वो गृहकार्य से दूर भागते थे। समय के साथ सोचने और समझने का नजरिया बदला। लड़कियाँ भी लड़कों के साथ कदम से कदम मिला कर चलने लगी। आजकल की लड़कियाँ घर-गृहस्थी के साथ कैरियर भी संभालती है, जो कि तारीफ के काबिल है। आजकल लड़के भी लड़कियों के जज्बातों की कद्र कर उनके सपनों का सम्मान करते है, जिंदादिली से अपना जीवन बिताना चाहते हैं। लड़के बेहिचक गृहकार्य में उनकी मदद कर योगदान देते है, जो कि उचित भी है। बिना मदद के दांपत्य जीवन गड़बड़ा जाता है। दांपत्य जीवन की मिठास मानो गुम सी हो जाती है। पति-पत्नी गाड़ी के दो पहिये जैसे हैं। दोनो के सपोर्ट से दांपत्य जीवन खुशहाली से बितेगा और राह में फूलो की चादर सी बिछी मिलेगी।

■ **किरण कलंत्री,** रेनुकूट (उ.प्र.)

पति भी निभाये जिम्मेदारी

पहले लड़कियाँ केवल अपने घर तक सीमित रहती थीं। अपना जो भी हुनर था, वे केवल घर में ही उपयोग करती थीं इसलिए गृहस्थी की गाड़ी बिना किसी रुकावट के चल जाती थी। लेकिन आज लड़कियाँ घर की देहरी से बाहर निकल कर अपने पंखों को फैलाकर अपना आकाश पाना चाहती हैं और हासिल भी कर रही हैं। हालांकि घर और अपने बाहरी कामकाज के बीच वो आज भी अकेली ही जूझती नज़र आती है, और जब किसी को घर को प्राथमिकता देने की बारी आती है तो वो आज भी अमूमम पत्नी ही होती है। गौर से देखें तो शायद किसी को भी अपने सपनो की बलि ना देनी पड़े अगर इस गाड़ी के दोनों पहिये समान रूप से कार्य करे। जैसे एक पत्नी आफिस से घर आने के बाद घर के कार्यो में लग जाती है तो पति की भी जिम्मेदारी है, उसे सहयोग देने की।

■ **नेहा सूरज बिन्नानी,** कांदिवली ईस्ट, मुंबई

लड़कों का गृह कार्य में हाथ बंटाना जरूरी

एक समय था जब महिलाओं का काम घर की दहलीज तक ही सीमित था और बाहरी कार्य व धनार्जन पुरुष वर्ग के हिस्से में थे। बेहतर तालमेल था और गृहस्थी की गाड़ी सुचारू रूप से चला करती थी। समय बदला और लड़कियों को भी उच्च शिक्षा दिए जाने देने में माता पिता का रुझान बढ़ा। बेटों व बेटियों के बीच रखा जाने वाला फर्क खत्म हो गया। बेटियां अब तक जिन अधिकारों से वंचित थीं वह सभी उन्हें दिए जाने लगे और निश्चित रूप से उन्होंने अपने आपको साबित कर दिखाया कि वे जितनी सक्षम दहलीज के भीतर हैं उतनी ही दहलीज के बाहर थी। उनकी महत्वाकांक्षा भी बढ़ गई। ऐसी परिस्थिति में पति-पत्नी दोनों का कमाना जरूरी हो गया। जब आर्थिक जिम्मेदारी दोनों मिलकर उठाएंगे तो गृह कार्य की जिम्मेदारी भी दोनों में बटेंगी और यह सुखी दांपत्य जीवन के लिये जरूरी भी है। रूढ़िवादी विचारों वाले भले ही इससे असहमत हों लेकिन परिस्थितियों में सामंजस्य बैठाने के लिये यह नितांत आवश्यक है कि लड़कों को भी गृह कार्य में हाथ बंटाना चाहिए। जिस तरह लड़कियाँ उच्च शिक्षा प्राप्त करके आत्मनिर्भर बन रही हैं उसी तरह लड़कों को भी गृह कार्य में निपुण होना बहुत जरूरी है।

■ **स्वाति मानधना,** बालोतरा

हर कार्य करें दोनों मिलकर

लड़कों का गृह कार्य में रुचि रखना और हाथ बटाना कोई अनुचित नहीं है। इसके विपरीत दोनों पति-पत्नी काम बांट लेंगे या आपसी तालमेल से मिलकर पूरा करेंगे तो कर्त्तव्य कुशल पति-पत्नी कहलायेंगे। अगर लेडीज को बाहर जाकर काम करना है तो उन्हें अपने सहयोगी से मदद मिलने पर काम में फुर्ती रहती है और दिल लगा रहता है। आमदनी बढ़ने से खींचतान कम होगी और समय की नजाकत देखते हुए ज्यादा साथ रहेंगे तो आपसे प्रेम बढ़ेगा। विचारों का आदान - प्रदान होने से घरेलू और बाहरी तालुकात मजबूत होंगे। गृह कार्य यानी सिर्फ किचन वर्क ही नहीं बल्कि कुछ ऐसे कार्य भी होते हैं जैसे गार्डनिंग, क्लीनिंग, डेकोरेटिंग, टीचिंग वगैरह जिनमें किसी एक सदस्य की भी मदद मिल जाए तो घर स्वर्ग से सुंदर बन जाता है। मैं एक भारतीय नारी हूँ। मैं सोचती हूं कि हर लड़के को गृह कार्य भी करना ही चाहिए।

■ **मीना कलंत्री,** वसई, मुंबई

बेटों को भी सिखाऐं गृहकार्य

भारतीय संस्कृति पुरुष प्रधान संस्कृति है जहां हर परिवार का मुखिया प्रायः पुरुष ही होता है। गृह कार्य में महिला यद्यपि अग्रणी रहती है परंतु सुगृहिणी होने के बावजूद भी पुरुषों के अधीन ही है। वह सभी गृह कार्य करती है फिर भी चुप रहती है। आधुनिक युग में महिलाओं को भी सभी वे अधिकार प्रदत हैं जो पुरुषों को है। आज महिलाएं सभी उच्च पदों पर आसीन है। ऐसे में मेरे विचार से आधुनिक समय की मांग है कि पति-पत्नी दोनों जब नौकरी पेशा है और दोनों को समय पर ऑफिस जाना होता है तो गृह कार्य में पुरुष को भी हाथ बटाना ही होगा। प्राचीन समय में बेटा और बेटी में भेद किया जाता था। बेटी को सभी गृह कार्य करने होते थे, सिखाए जाते थे परंतु बेटा इन सब कामों से दूर निश्चिंत रहता था। अतः अब प्रारंभ से बेटों को भी बेटियों की तरह गृह कार्य सिखाऐं, ताकि पहले वह मां के कार्य में हाथ बंटाते रहें, बाद में पत्नी को भी सहयोग दें जिससे दांपत्य जीवन की गाड़ी हमेशा सुचारू रूप से चलती रहे।

■ **उर्मिला तापड़िया,** बीकानेर (राजस्थान)

'परस्पर प्रेम एवं सहयोग, सुखी दाम्पत्य का आधार'

निसंदेह भारतीय संस्कृति पितृ सत्तात्मक रही है, किंतु विगत एक डेढ़ दशक में स्थितियों में बहुत परिवर्तन आया है। अब वो समय गया जब मात्र पुरुषों के कंधों पर कमाई व घर के खर्चों की आपूर्ति करने का दायित्व था ,और महिलायें मात्र गृह कार्य सम्पन्न करती थी। चूँकि महिलायें गृह कार्य के लिए पूर्णतःउपलब्ध थी तो पुरूषों को आवश्यकता ही नही थी कि वो गृह कार्यों में हाथ बँटायें। किंतु आज के समय में लड़कियाँ उच्च शिक्षा प्राप्त कर बाहर काम कर रही हैं।जब पति-पत्नी दोनो को ही कार्यालयीन कार्य सम्पन्न करने हैं तो ये आज के समय की महती आवश्यकता हो गयी कि वो गृह कार्यों में पत्नी का सहयोग करें अन्यथा दाम्पत्य जीवन में अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। चाणक्य कहते हैं कि पति-पत्नी का रिश्ता एक रथ के दो पहियों की तरह होता है। परिवार के निर्माण में दोनों की ही अहम भूमिका होती है। मनोवैज्ञानिकों का भी कहना है कि छोटी-छोटी बातें करते रहने से रिश्ते में आत्मीयता बनी रहती है।

■ **मनीषा राठी,** महाश्वेता नगर, उज्जैन

लड़कों का गृहकार्य में हाथ बंटाना जरूरी

दाम्पत्य जीवन की गाड़ी के दो पहिये है पति-पत्नी यानि लड़के और लड़की। जब दोनों को ही बाहर काम पर जाना है तो हर चीज समय पर उपलब्ध हो तो कैसे? कहावत है कि एक अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता' लेकिन एक और एक ग्यारह होते हैं यानि दोनों मिलकर कठिन से कठिन काम को सही समय पर कर सकते हैं। पति पत्नी की जिंदगी पटरी पर चलने वाली गाड़ी के दो पहियों जैसी ही तो है। दोनों पहिये साथ चलेंगे तो ही जिंदगी सफलता पूर्वक मंजिल तक पहुँच सकती है। ऐसे में लड़कों को भी घर की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए अपना योगदान देना ही चाहिए। मेरा मानना है कि छोटी उम्र से ही लड़कें- लड़कियों को घर के कामों को करने में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। शुरू से ही उन्हें घर के कामों की महत्ता बताते हुए काम करने की आदत डालनी चाहिए और लड़कों- लड़की के बीच की भेदक रेखा को मिटाना चाहिए।

■ **उषा माहेश्वरी पुंगलिया,** जोधपुर

Harish Chandak
Mo. : 9100713837

समस्त समाज बन्धुओं को
नववर्ष की हार्दिक मंगलकामनाएं

Ganesh Chandak
Mo. : 9246565312

Shri Ram Enterprises
(House of Electrical Goods)

Crompton Greaves EVERYDAY SOLUTIONS
ALMONARD
HAVELL'S
khaitan
USHA
ANCHOR by Panasonic
Goldmedal SWITCHES & SYSTEMS
V-GUARD The name you can trust

@ 5-26, Near Bus Depot, Dilsukh Nagar, Hyderabad-60
Phone : 040-24051718, 24045312, 65291718
E-mail : shriramdsnr@gmail.com

वरंगल अब विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है और इस पहचान का कारण है, ९०० वर्ष से भी पुराना रामप्पा मंदिर। यह मंदिर यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर में शामिल किया गया है। इससे विश्व भर के पर्यटक इसे देखेंगे और इसके माध्यम से प्राचीन भारतीय वास्तुकला की ख्याति को विश्व भर में पहुँचाऐंगे।

प्रहलाद इंद्रा सोनी, वरंगल

विश्व धरोहर में शामिल हुआ
वरंगल का रामप्पा मंदिर

तैरने वाले पत्थरों से बने भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर की मूर्तियों और छत के अंदर जो पत्थर उपयोग किया गया है वह है बेसाल्ट जो कि पृथ्वी पर सबसे मुश्किल पत्थरों में से एक है। इसे आज की आधुनिक DIAMOND ELECTRON MACHINE ही काट सकती है, वह भी केवल 1 इंच प्रति घंटे की दर से। अब आप सोचिये कैसे इन्होंने 900 साल पहले इस पत्थर पर इतनी बारीक कारीगरी की। यहां पर एक नृत्यांगना की मूर्ति भी है जिसने हाई हील पहनी हुई है। सबसे ज्यादा अगर कुछ आश्चर्यजनक है वह है इस मंदिर की छत। यहां पर इतनी बारीक कारीगरी की गई है जिसकी सुंदरता देखते ही बनती है। मंदिर के बाहर की तरफ जो पिलर लगे हुए हैं उन पर कारीगरी देखिए, दूसरा उनकी चमक और लेवल में कटाई। मंदिर प्रांगण में एक नंदी भी है जो इसी पत्थर से बना हुआ है और जिसकी ऊंचाई नौ फीट है। उस पर जो कारीगरी की हुई है वह भी बहुत अद्भुत है। पुरातात्विक टीम जब यहां पहुंची तो वह इस मंदिर की शिल्प कला और कारीगिरी से बहुत ज्यादा प्रभावित हुई लेकिन वह एक बात समझ नहीं पा रहे थे कि यह पत्थर क्या है और इतने लंबे समय से कैसे टिका हुआ है। पत्थर इतना सख्त होने के बाद भी बहुत ज्यादा हल्का है और वह पानी में तैर सकता है। इसी वजह से आज इतने लंबे समय के बाद भी मंदिर को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंची है। यह सब आज के समय में भी करना असंभव है, इतनी अच्छी टेक्नोलॉजी होने के बाद भी, जबकि 900 साल पहले तो इनके पास मशीनरी भी नहीं थी।

प्राचीन स्थापत्य का नमूना

इसे देखकर लगता है कि उस समय की टेक्नोलॉजी आज से भी ज्यादा आगे थी। यह सब इस वजह से संभव था कि उस समय वास्तु शास्त्र और शिल्पशास्त्र से जुड़ी हुई बहुत सी किताबें उपलब्धि थीं जिनके माध्यम से ही यह निर्माण संभव हो पाये। उस समय के जो इंजीनियर थे उनको इस बारे में लंबा अनुभव था क्योंकि सनातन संस्कृति के अंदर यह सब लंबे समय से किया जा रहा है। मंदिर का नाम इसके शिल्पी के नाम पर रखा हुआ है क्योंकि उस समय के राजा शिल्पी के काम से बहुत ज्यादा खुश हुए और उन्होंने इस मंदिर का नाम शिल्पी के नाम पर ही रख दिया। यह मंदिर भीषण आपदाओं को झेलने के बाद भी आज तक सुरक्षित है। छह फीट ऊंचे प्लैटफॉर्म पर बने इस मंदिर की दीवारों पर महाभारत और रामायण के दृश्य उकेरे हुए हैं। यह रामायण और महाभारत के दृश्य एक ही पत्थर पर उकेरे गए है, वह भी छीनी हथोड़े से। आप बनाते समय की कल्पना कीजिये, एक हथौड़ा गलत पड़ा और महीनों-वर्षों का श्रम नष्ट।

किसी भी आपदा से क्षतिग्रस्त नहीं

आज तक इस मंदिर में कोई क्षति नही हुई है, मंदिर के न टूटने की बात जब पुरातत्व विज्ञानियों को पता चली, तो उन्होंने मंदिर की जांच की। पुरातत्व विज्ञानी अपनी जांच के दौरान काफी प्रयत्नों के बाद भी मंदिर के इस रहस्य का पता लगाने में सफल नहीं हुए। बाद में जब पुरातत्व विज्ञानियों ने मंदिर के पत्थर को काटा, तब पता चला कि यह पत्थर वजन में काफी हल्के हैं। उन्होंने पत्थर के टुकड़े को पानी में डाला, तब वह टुकड़ा पानी में तैरने लगा। पानी में तैरते पत्थर को देखकर मंदिर के रहस्य का पता चला। सबसे बड़ा रहस्य यह है कि इस मंदिर में जो पत्थर मिले हैं, वह पत्थर विश्व के किसी कोने में नही मिलते हैं, यह पत्थर कहाँ से लाये गए, आज तक इसका पता नही चल पाया है। हम सबको मिलकर हमारे भारत की इन अमूल्य धरोहरों का प्रचार जन-जन तक करना चाहिए, इसका इतना प्रचार हो कि पूरे संसार की दृष्टि इन पर पड़े और वह भारत की महान संस्कृति पर गर्व करें।

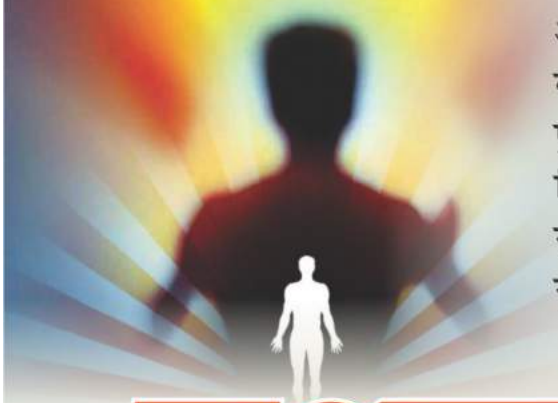

अब मेरी समस्या और गहन हो गई है। 'जिन खोजा तिन पाइयां' की तरह मेरी यह अनुभूति पहले से विकराल बन गई है। मेरा यह पुराना रोग पहले से दस गुना बढ गया है। अब मुझे लगने लगा है कि जो मेरे पीछे लगा है, वह मात्र मेरे पीछे ही नहीं लगा है, हम सबके पीछे यहां तक कि सूरज, चांद, सितारों तक का पीछा कर रहा है। वह किसी को नहीं बख्शता।

उसका नाम

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर
94141-32483

कोई तो है जो मेरा लगातार पीछा कर रहा है। अब जब कि मैं साठ पार हो गया हूं एवं मुझे लगातार आश्वस्ति हो रही है कि कोई मेरे पीछे लगा है तो यह बात गलत नहीं हो सकती। अब तक घर वालों ने एक लंबे अनुभव के पश्चात मुझे मनोरोगी मान लिया है, मनोचिकित्सक को भी बताया है पर उसने भी यही कहा इन्हें कुछ नहीं हुआ है। घरवालों की बात रखने के लिए उसने एक-दो सेडेटिव्ज लिखी हैं, मैंने भी मन मारकर यह गोलियां ले ली हैं पर इसके बावजूद मेरी धारणा जस की तस है कि कोई मेरा पीछा कर रहा है। आप घोड़े को पानी की खेली तक ले जा सकते हैं मगर पीएगा तो अपनी मरजी से ही। उल्टे नींद की गोलियां लेने के पश्चात मैं कुंभकरण की नींद सोया एवं ताजा होकर पुनः उसी सोच को दृढ़ किया कि कोई तो है जो मेरा पीछा कर रहा है।

मेरा यह चिंतन अथवा इसे रोग कह दें आज का नहीं है, वर्षों पुराना है। मैं ऐसा जवानी से नहीं, उसके भी पहले बचपन से या यूं कहूं जबसे होश संभाला इस तरह सोचता आया हूं। एक लंबे समय तक तो मैंने घरवालों यहां तक कि पत्नी को भी हवा नहीं लगने दी कि मैं ऐसा सोचता हूं। एक-दो बार नूपुर ने कहा भी आपके साथ कुछ लफड़ा है तो मैंने उसकी ओर तीखी आंखों से देखा, वह सहम कर चुप हो गई। ज्यादा बकबक करती तो सफा कहता मैं क्या चीखता हूं, चिल्लाता हूं, कमाता नहीं हूं, घर की जिम्मेदारियां नहीं ओढ़ता जो ऐसा सोचती हो। अरे! हर व्यक्ति के दिमाग में कोई न कोई लफड़ा होता है, दुनिया में एक आदमी तो बताओ जिसके सोच में लफड़ा नहीं है। ऐसा नहीं होता तो आदमी यूं बदहवास मोह-माया के पीछे भागता क्या? यह चिंतन का लफड़ा नहीं तो और क्या है? कोई धन, कोई पद, कोई सत्ता तो कोई यश के पीछे बावलों की तरह भाग रहा है। इतना ही नहीं अपने इस जुनून, पागलपन में असंख्य लोगों को अपने जैसा बना लेता है। समाज के असल पागल तो ये लोग हैं। इनकी तुलना में मेरा यह रोग कितना कम है, लगभग नगण्य कि कोई मेरा पीछा कर रहा है।

ऐसा नहीं है कि मैं यूं ही दिमाग में खलल की वजह से ऐसा सोचता हूं। मेरे पास ऐसा सोचने के स्पष्ट कारण एवं उदाहरण भी हैं जिसने मेरी इस धारणा को बलवती किया है कि कोई मेरा पीछा कर रहा है।

एक बार मैंने यह बात मेरे अंतरंग मित्र अहलूवालिया से भी कही। उसे नूपुर के हाथ के पकौड़े बहुत पसंद हैं। वह मेरा लंगोटिया है, बचपन से घर आता-जाता है। आश्चर्य! अहलूवालिया ने भी वही कहा जो नुपूर सोचती है। यार! तेरे पीछे कोई भूत-प्रेत-पिशाच तो नहीं पड़ गया? उस दिन मैंने अहलूवालिया को यह कहकर लताड़ा, मेरे पीछे तो बचपन से तू पड़ा है, तू किसी प्रेत-पिशाच से कम है क्या? उसने यही बात चटकारे लेकर नूपुर को बताई। उसे कुछ हजम होता है क्या? उस दिन मैंने नूपुर एवं अहलूवालिया दोनों को 'नॉनसेंस' कहकर लाल-पीली आंखों से देखा तो दोनों को सांप सूंघ गया। नूपुर ने तब अपने मुहावरे ज्ञान की पिटारी से निकालकर वही घिसा-पिटा मुहावरा बुदबुदाया जो वो पहले भी दस बार कह चुकी थी, नकटे का नाक काटो सवा गज बढ़े।

मेरे पास घटनाओं का लंबा क्रम है जो इस बात को सिद्ध करता है कि कोई मेरे पीछे है। ऐसा भी नहीं कि कोई मेरा पीछा कभी-कभार कर रहा हो, मेरी स्पष्ट अनुभूति है कि कोई लगातार, सर्वत्र मेरे पीछे चल रहा है। मेरे साथ घटी घटनाएं इस धारणा को दृढ़ करती हैं कि मैं किंचित् गलत नहीं सोच रहा। यह घटनाएं अच्छी-बुरी दोनों हैं एवं इनसे गुजर कर कोई भी ऐसा सोचेगा कि उसके पीछे कोई है। हां, अकल के अंधों को यह बात न समझ आए तो इसमें मेरा दोष है क्या? सूर्य का प्रकाश उल्लू तक न पहुंचे तो क्या इसमें सूर्य का दोष है?

मैं व्यापारी हूं एवं मानता हूं मैंने व्यापार में अच्छा पैसा कमाया है। शहर के प्रथम सौ धनपतियों में मेरा नाम है। अनेक कार्यक्रमों में मुख्य-अतिथि बनकर जाता हूं, वहां लोग मेरे साधारण से उद्बोधन को असाधारण कहकर मुझे चंदे के लिये रिझाते हैं। वहां मुझे नूपुर एवं अहलूवालिया की तरह कोई पागल नहीं कहता, लोग यही कहते हैं, वेलडन पेड़ीवाल साहब! आप जीनियस हैं। ऐसा उद्बोधन तो हमने पहले कभी नहीं सुना। यहां तक कि मुझे गाड़ी तक छोड़ने आते हैं। इतना ही नहीं पूरे रास्ते चापलूसी भरे मीठे वचन बोलते हैं। अब राज की बात बताऊं? मैं गधा हूं और सच कहूं तो गधा मुझसे अधिक बुद्धिमान, संयत एवं समझदार है। बात-बात पर उखड़ता तो नहीं, जो लादो ढो लेता है। मेरे धनी होने का कारण मेरा व्यावसायिक कौशल नहीं, वही बात है जिसे नूपुर एवं अहलूवालिया प्रेत, पिशाच, भूत आदि कहते हैं एवं मैं ऐसा सोचता हूं कि कोई मेरे पीछे है।

मैं स्टॉक ट्रेडिंग यानि शेयर्स क्रय-विक्रय का कारोबार करता हूं एवं बहुधा ऐसे व्यवसाय में जहां लोग पैसा कमाने के लिए आकाश-पाताल एक कर देते हैं, काम करने के पहले हजार

देवताओं को मनाते हैं, बैलेंसशीट, तुलनपत्र एवं जाने क्या-क्या व्यावसायिक अनुपात देखते हैं, मैं अंधे की तरह रामजी का नाम लेकर कूद जाता हूं एवं आश्चर्य! इन सब विश्लेषण करने वाले महारथियों को दरकिनार कर लाभ भी कमा लेता हूं एवं अचरज यह भी कि ये महारथी बहुधा घाटे में रहते हैं। मुझ बुद्धू के सटीक निर्णय से अनेक बार यह गहरे विषाद में चले जाते हैं। मेरे व्यावसायिक निर्णयों के आगे इनके निर्णय रेत के महल की तरह धराशयी हो जाते हैं।

मेरा मूल वतन जोधपुर है। एक बार मैं कार से अन्य साथी व्यवसायियों के साथ जयपुर जा रहा था। उस दिन ड्राइवर कार ठीक से नहीं चला रहा था, वह कुछ असंयत था। आधे रास्ते वही हुआ जिसका अंदेशा था, कार किसी पेड़ से टकराई एवं ड्राइवर सहित सबको चोटें आई पर मैं साफ बच निकला। मुझे खरौंच तक नहीं आई। सबने कहा पेड़ीवाल किस्मत वाला है, पर मुझे पता था मुझे उसने बचाया जो मेरा पीछा कर रहा है।

एक बार मुझे बैंक लॉकर से नूपुर के गहने निकालने थे, बैंक नजदीक ही था, मैं चाबी लेकर पैदल ही पहुंच गया। लौटते हुए बचपन का एक मित्र मिल गया। हम दोनों वहीं पास खड़े चाय के थैले से चाय लेकर गुफ्तगू में मशगूल हो गए। उसके बाद मैंने एक-दो काम और निपटाए एवं घर चला आया। कुछ समय पश्चात नूपुर ने पूछा गहने कहां रखे तो मैं चौंका। मेरे नीचे से जमीन सरक गई। अरे, मैं गहनों का बॉक्स कहां रख आया? नुपूर आंखें तरेर कर ऐसे देखने लगी मानों फाड़ खाएगी। मैंने मेरी मेमोरी रिवाइंड की, कुछ याद नहीं आया। मुझे लगा एक बार पुनः बैंक जाकर तसल्ली करलें कि बॉक्स वहां तो नहीं छूट गया। नूपुर कुड़कुड़ करने लगी, मैं बदहवास बाहर आया, आश्चर्य! चाय के थैले वाला बॉक्स हाथ में लिए बाहर गेट पर खड़ा था। मैं उसकी ईमानदारी से दंग रह गया। उसने जब बताया कि चार-पांच लोगों से पूछ कर मेरे घर का पता हासिल किया है तो उसका कद मेरी नज़रों में और बढ़ गया। ओह! यह कैसा देश है जहां एक तरफ जिनके पास सबकुछ है वे अघाते नहीं एवं जिनके पास कुछ नहीं है वे ईमान के ऐसे असाधारण ज़ज़्बे से लबालब हैं। मैंने उसे ईनाम देने की पेशकश की तो उसने यह कहकर इंकार कर दिया कि यह तो उसका फर्ज़ था। कृतज्ञ मेरी आंखें लबालब हो गई।

इस घटना के बाद नूपुर कई दिन उखड़ी रही। अहलूवालिया से मंत्रणा कर मुझे झाड़-फूंक वाले को भी बताया गया। अन्य कोई अवसर होता तो मैं इन दोनों को आड़े हाथों लेता पर इस बार गलती मेरी थी अतः मेरे पास आंख नीचा कर दोनों की बात मानने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं था हालांकि मैं जानता था यह करामात अन्य किसी की नहीं, मात्र उसी की है जो मेरे पीछे लगा है। झाड़ेवाला जब मुझे मोरपंखियों से मार रहा था, अहलूवालिया मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। मैंने कहा मुस्कुरा ले बेटे! मुसीबत में पैसे लेने मेरे पास ही आएगा। उस समय ठेंगा दिखाऊंगा तब नानी याद आएगी। तू भी किसी दिन तेरी चिर-कड़की के प्रेत का झाड़ा लगाने यहीं आयेगा। लाऊंगा भी मैं ही। मैं तेरी तरह होठ दबाकर मुस्कुराऊंगा नहीं, पेट पकड़कर खिलखिलाऊंगा।

ऐसी एक नहीं अनेक बातें मेरे जीवन में हैं जो पुष्ट करती हैं कि कोई तो है जो मेरा पीछा कर रहा है एवं वह भी इस हद तक जैसे वह मेरी तकदीर का नियंता या यूं कहूं भाग्य-विधाता हो। इतने सुख मनुष्य की झोली में यूं ही नहीं आते।

बच्चे हालांकि दूरस्थ पोस्टेड हैं पर सभी महत्त्वपूर्ण पदों पर हैं, मुझे भरपूर आदर भी देते हैं। मैं उनसे बहुत खुश हूं। बहुएं मेरी लक्ष्मी जैसी है। सच यह भी है कि मैंने उनमें से किसी के कैरियर निर्माण में कोई महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा नहीं की है। आज के युग में जहां मैं अक्सर भाई-बहनों में कलह देखता हूं, हम भाई-बहन एक दूसरे पर जान देते हैं। मेरी उम्र में जहां लोग देशाटन पर जाने तक से कतराते हैं, मैंने अनेक बार विदेश यात्राएं भी की हैं।

ऐसा भी नहीं है कि मेरी जिंदगी में अच्छा ही अच्छा हुआ है। जीवन धूप-छांव है, सुख-दुःख की आंख मिचौली है। यहां मस्तियों के फूल हैं तो उलझनों के कांटे भी हैं। शेयर बाजार में पैसा कमाने के पूर्व मैंने भी खूब गुलाचियां खाई हैं। एक बार तो दिवालिया होते बचा हूं। ऐसी एक नहीं अनेक मुसीबतों, मोड़ों से गुजरा हूं लेकिन मैंने कभी शिकस्त नहीं मानी। मानता भी कैसे? मुझे पता है मेरे पीछे कोई लगा है जो घड़ी-घड़ी मुझे हिम्मत दे रहा है। उसे जानने के लिये मैंने क्या नहीं किया? दुनियाभर के ग्रंथ पढे, मंदिरों में मत्था टेका, संत-महंतों के चरण दबाये लेकिन उसे पकड़ नहीं पाया। कोई अपनी छाया पकडे तो उसे पकड़े।

अब मेरी समस्या और गहन हो गई है। 'जिन खोजा तिन पाइयां' की तरह मेरी यह अनुभूति पहले से विकराल बन गई है। मेरा यह पुराना रोग पहले से दस गुना बढ गया है। अब मुझे लगने लगा है कि जो मेरे पीछे लगा है, वह मात्र मेरे पीछे ही नहीं लगा है, हम सबके पीछे यहां तक कि सूरज, चांद, सितारों तक का पीछा कर रहा है। वह किसी को नहीं बख्शता। उसकी सत्ता को मनुष्य तो क्या देव भी उल्लंघन नहीं कर पाते। वह आपके सोने के साथ सोता है, उठने के साथ उठता है, चलने के साथ चलता है यहां तक कि आठ पहर चौबीस घड़ी आपके साथ होता है। वह वहां भी होता है जहां सब होते हैं। वह वहां भी होता है जहां कोई नहीं होता। साधारण लोगों की तो छोड़िए, शातिर से शातिर उसके पंजे से नहीं निकल पाते।

उसे कौन निर्धारित करता है? कोई कहता है आपके पाप-पुण्य उसे निर्धारित करते हैं तो कोई कहता है आपका व्यवहार, कोई मीठी बोली तो कोई अन्य कहता है वह आपके चिन्तन तक पर सवार है। आप क्या सोचते हैं, वह यह तक जान लेता है। आखिर वह है कौन जो हम सबके पीछे पड़ा है? जो राजा-रंक किसी को नहीं छोड़ता। सभी जैसे उसके हाथों में खिलौने हैं। संसार की हर शै मानो उसी की गुलाम है।

अब उल्टा हो गया है। इन दिनों मैं लठ लेकर उसके पीछे पड गया हूं। मैंने प्रण किया है मैं उसे ढूंढकर रहूंगा। अगर हम उसे भी न पकड़ पाये जो जीवनभर हमें पकड़े रहा तो क्या खाक छानी?

मैंने अब मेरा व्यवसाय, मोह-माया सब छोड़ दी है, बस हर घड़ी इस धुन में रहता हूं कि उसे जान लूं पर वह भी कम नहीं है। कभी लगता है यह पकड़ आया, यह आया और वह हाथ से छूटे चोर की तरह फुर्र हो जाता है। देखता हूं वह कब तक बचता है?

अब उम्र चुक चुकी है। मैं मृत्यु-शैया पर पड़ा हूं। मेरे हाथ-पांव निढाल हो चुके हैं। जिह्वा को सन्निपात हो गया है।

अब वह मेरा पीछा छोड़कर मेरे सम्मुख हो आया है, इस जीवन का ही नहीं, जन्म-जन्मांतर का कच्चा चिट्ठा लेकर, मुझे ललकारते हुए कि हां, मेरे पास तुम्हारे तिल-तिल का लेखा है। मेरे हिसाब में कोई त्रुटि नहीं होती एवं यह भी स्पष्ट सुन लो मनुष्य जीवित ही तब तक है जब तक मैं उसका पाई-पाई हिसाब न ले लूं। मेरा कार्य पूर्ण होते ही आत्मा शरीर छोड़ देती है।

मुझे उत्तर मिल गया है।

निश्चिंत, अब मैंने आंखें मूंद ली है।

वह भी जाते-जाते मेरे कान में अपना नाम बता गया है।

मित्रों! वह कहता था उसका नाम 'कर्म' है।.....

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

नए साल रा बधाई संदेश

खम्मा घणी सा हुकुम.. नयो साल 2022 आग्यो हुकुम बधाईयों रा शुभकामनाओं रा व्हाट्सएप पर फेसबुक पर तांता लग गया है मोबाइल री घंटी बजती रहें जिना दूर-दूर तक कोई वास्तो नहीं और ना ही आगे हुवण री संभावना है वाणा भी संदेश आ जावे ....कांई बताऊँ आपने ..कार री नंबर प्लेट ठीक करावण ने दी थी फोन नम्बर दिया था घर पहुंचा दियो ... विनो भी सन्देश ..और तो और प्लिपकार्ट रो पार्सल देवण ने आवे विनो भी सन्देश ...

हुकुम म्हने सन्देश लेवण में कोई दिक्कत नहीं है पर न आपा विने जाणा न वो आपाणे ... बस एक मेसेज फॉरवर्ड रो चलन ही चाल ग्यो।

सच कहूं हुकुम मोबाइल भी चाइनीज़ मोबाइल ज्यों हूँ ग्यो न लोग ज्यादा समय तक साथ निभावें न मोबाइल ... बड़ी बड़ी शुभकामनाओं रा संदेश फॉरवर्ड करें ... न रिश्ते में भाव न प्रेम ।

हुकुम नए साल में लोग कई तरह रा संकल्प भी लेवे .. कोई गुटखा छोड़न रो ..कोई शराब छोड़न रो.. कोई सोशल नेटवर्क री दूरी रों..तो कोई घर मे नहीं लड़न रो ... पर म्हे तो कहूँ संकल्प कमजोर इरादा वाळा लोग करें जिना इरादा मजबूत हुवें संकल्प भी वाणे आगे पाणी भरें ।

हुकुम म्हे तो कहूँ नयो साल नयो मोको लायो है जीवन मे कुछ कर दिखावण रो...बीती बातों सूं शिक्षा लेने आगे बढ़ण रो... जीवन मे कुछ भी स्थायी नहीं है अगर आज दुख है तो काले सुख रो भी समय आवेंला ।

समय रे साथे एकता मैत्री राखणी... समय जो करें भलो या बुरो स्वीकार करलो ...उणमें कुछ न कुछ आपाणों हित छुपयोड़ों है । होनी ने आपा सहज स्वीकार करलां उणमें ही आनन्द है। नयो साल आप सबरें जीवन मे खुशियां लावें ,आनन्द लावें, बीमारियां सूं बचावें साथ ही शारीरिक ,मानसिक, आर्थिक रुप से आप सगळा ने सशक्त करें ।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- राजनीति के इस दौर में किसे अपना गुरु बनाऊ..
  यहां तो हर शख्स सबका उस्ताद बना बैठा है..
- जुल्म के सारे हुनर हम पर यू आजमाए गए...
  जुल्म भी सहा हमने ओर जुल्मी भी कहलाये गए
- सबकुछ मिला है हमको फिर भी सबर नही है...
  बरसो की चाहत है भले पलभर की खबर नही है.
- पसंद आ गए है कुछ लोगों को हम....
  कुछ लोगों को ये बात पसंद ना आई...
- मेरी यारी गणित के जीरो (0) जैसी है...
  जिसके पीछे लग जाऊ उसकी कीमत बढ़ा देता हूँ..
- काश मै लौट जाऊँ बचपन की उन गलियों में
  जहां ना कोई ज़रूरत थी, ना कोई ज़रूरी था
- ये नुमाइश भी कैसी साहब इस जमाने की...
  कि फिक्र भी दिखाई तो सिर्फ दिखाने के लिए

कार्टून कौतुक

खुश रहें - खुश रखें

ईश्वर के नियम को समझने के लिए आध्यात्मिक समझ जरूरी है

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

संसार में रहते हुए हम लोग राष्ट्र, समाज तथा परिवार की व्यवस्था बनाते हैं और फिर स्वयं इस सिस्टम को तोड़ते भी हैं। इसी जोड़-तोड़ में जिंदगी बीत जाती है। जब अपने ही बनाएं संसार से परेशान हो जाते हैं तो भक्ति के मार्ग में उतार जाते हैं और भक्ति के इस संसार में हम अपनी इच्छा के अनुसार भगवान से मांग शुरू कर देते हैं। इस प्रकार हम ईश्वर की व्यवस्था में अपनी व्यवस्था का अतिक्रमण करते हैं। परमात्मा के साफ-सुथरे, हरे-भरे कृपा के क्षेत्र में हम अपनी निजी हित की मांगों की झुग्गी-झोपड़ी, ठेले, गुमठी, भवन अट्टालिकाओं के अतिक्रमण को बीच में ले आते हैं।

भगवान के विधान को लेकर हम कुछ भ्रम पाल लेते हैं। भगवान जितना नियंता है, उतना ही नियमबद्ध भी है। पृथ्वी का एक नियम है कि इसमें गुरुत्वाकर्षण शक्ति होती है। जब कोई वस्तु ऊपर से नीचे गिरती है, तब पृथ्वी उसे खींचती है और इसी कारण से वह वस्तु पृथ्वी पर गिर जाती है।

यह एक सामान्य सा नियम है, लेकिन हम अगर चल रहे हों तथा हमारी ही भूल से यदि ठोकर लग जाए और हम गिर जाएँ तो यहां हम यह नहीं कह सकते कि यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का नियम है, इसलिए गिर गए। हम अपनी ही भूल से गिरे हैं, पृथ्वी का नियम अपनी जगह है।

इस प्रकार भगवान ने सारी व्यवस्था कर रखी है। उन्होंने अपने कुछ नियम बना रखें हैं परंतु धर्म तथा संस्कृति की जो आचार संहिता है, उसका पालन हमें करना होगा। परमात्मा के नियम अपनी जगह हैं, उनको समझने के लिए एक आध्यात्मिक समझ होना जरुरी है। इसी समझ को कहीं-कहीं समाधि भी कहा गया। ऊहापोह और भ्रम के विचारों का वेग जब शांत हो जाए तब समझ या समाधि घटती है।

परमात्मा की व्यवस्था में जब जीने लगो तो समझ है और उसके अंग ही बन जाओ तो समाधि है। निर्विरोध और निर्विकल्प होकर ही ईश्वर के नियम का पालन किया जा सकता है। यह सीख परिवार प्रबंध में भी महत्वपूर्ण है।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?

aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

मिल्की तिल बर्फी

सामग्री : एक कप सफेद तिल, एक कप मिल्क पाउडर, एक हेवी क्रीम, एक कप शक्कर, स्वादानुसार बादाम, काजू, पिस्ता की कतरन और इलायची पाउडर, एक छोटा चम्मच घी।

विधी : तिल को खुशबू आने तक सूखा ही भून लें। फिर आंच से उतारकर अलग रखें। एक जाड़े तले की कढ़ाई में मिल्क पाउडर और क्रीम डालकर धीमी आंच पर पकाएं। इस लगातार चलाते रहें और जब मिश्रण से गाढ़ा पेस्ट बन जाए तो इसमें तिल डालकर 3-4 मिनट के लिए पकाएं। जब मिश्रण थोड़ा और गाढ़ा हो जाए तो इसमें शक्कर, मेवा कतरन और इलायची पाउडर मिलाकर कढ़ाई छोडे तब तक पकाएं। फिर इसमें एक छोटा चम्मच भी डाल दे और आंच बंद कर लें और ग्रीस की हूई ट्रे में या थाली में इसे एक समान फैला दें। 2-3 घंटे ठंडा होने दें, फिर बर्फी या मनचाहे आकार में काटकर एयरटाइट डिब्बे में रखें।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

श्रद्धांजलि

अव्यक्तोऽयमचिन्त्योऽयमविकार्योऽयमुच्यते।
तस्मादेवं विदित्वैनं नानुशोचितुमर्हसि॥

स्व. बालकिशन जी सोमानी के दामाद,
स्व. गोविंददास जी सोमानी (पूर्व अध्यक्ष - श्री माहेश्वरी समाज, खण्डवा) के जीजाजी

श्री रमेश सी. बाहेती, इंदौर

(श्रीजी शरण दिनांक 20.12.21)

एक महामानव, जिन्होंने अपना जीवन समाज सेवा, धर्मनिष्ठ आचरण, गोसेवा,
शिक्षा संवर्धन में आहूत किया. श्रेष्ठ परिवारिक मूल्यों से परिपूर्ण,
उनकी जीवन यात्रा को नमन करते हुए, उनको श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं.
उनके स्नेह से अभिभूत हैं एवं सदैव रहेंगे ..

श्रद्धानवत

सोमानी परिवार

सासु माँ : गीतादेवी स्व. बालकिशन जी सोमानी, हरसूद - इंदौर

ससुराल पक्ष:

- निर्मला स्व. गोविन्ददास जी सोमानी, हरसूद
- डॉ. रमेश - रेखा सोमानी, बुरहानपुर
- जगदीश - राधा सोमानी, हरसूद
- राजेन्द्र - कल्पना सोमानी, मुम्बई
- कृष्णमोहन - शिल्पा सोमानी, हरसूद
- रोहित - सोनाली सोमानी, इंदौर
- अंकित - स्वाति सोमानी, जोधपुर
- करन - शिवानी सोमानी, अमेरिका

काँची, परिधि, श्लोक,
अवनी, स्वस्ति, दिवित, सानवि सोमानी

इंदौर निवासी गौसेवा तथा शिक्षा संवर्धन को समर्पित बहुमुखी समाजसेवी या कहें महामानव, श्री रमेश सी. बाहेती नहीं रहे। आपने गत 20 दिसम्बर को सभी स्नेहीजनों से जब अंतिम बिदाई ली, तो किसी की भी आंखें नम हुए बिना नहीं रहीं।

रोहित सोमानी, इंदौर

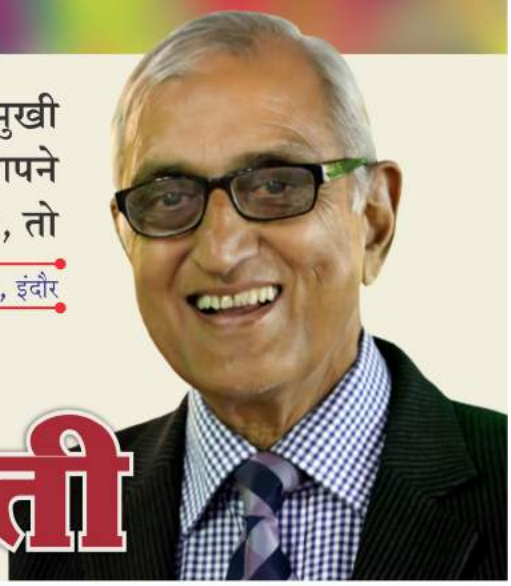

'महामानव' का महाप्रयाण

रमेश सी. बाहेती

गत 20 दिसम्बर का दिवस इंदौर माहेश्वरी समाज को फिर एक बड़ा आघात दे गया। ये आघात था, इंदौर निवासी ख्यात समाजसेवी, गौसेवक व शिक्षाविद् श्री रमेश सी. बाहेती का देहावसान। स्व. श्री छोगालाल बाहेती के यहाँ जन्में स्व. श्री बाहेती अपने पीछे धर्मपत्नी समाजसेविका पुष्पा बाहेती तथा तीन पुत्र - पुत्रवधू (1) सन्दीप - अंजना (2) मनीष - निशा (3) गौरव - अनुपमा एवं उनके पुत्र पुत्रियाँ हर्ष, तनीषा, संजना, वेदान्त, अनय, आरव सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

समाज सेवा सम्पूर्ण परिवार के लिए आदर्श

आपका सम्पूर्ण परिवार आपके ही पदचिन्हों पर चलते हुए समाजसेवा में भी अपना सतत योगदान प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से दे रहा है। हंसमुख स्वभाव के धनी, एक दिलदार मित्र, परिवार के वरदहस्त, समाज को नई दिशा देने वाले, भगवान श्री जानकी नाथ के अनन्य भक्त श्री बाहेती अनेकानेक ट्रस्ट में नित्य संलग्न थे। श्रीं जानकीनाथ मंदिर गौराकुंड के पुनरुद्धार और पिछले 35 वर्षों से व्यवस्थाओं को निरन्तर निभाते हुए उन्होंने अपना जीवन उनकी सेवा में व्यतीत किया। आपका एम. टी. क्लॉथ मार्केट, इंदौर में मेसर्स छोगालाल रमेशचन्द्र नाम से व्यापार था। पुत्रों ने भी अच्छी प्रगति करते हुए अपने अपने उद्योग स्थापित किए और व्यापार में श्रेय प्राप्त किया।

उन्नति के पथ पर पूरा परिवार

श्री बाहेती ने अपने पूरे परिवार को संस्कारों से ऐसा सींचा कि पूरा परिवार उन्नति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। बड़े पुत्र संदीप बाहेती डेनिम एक्सपोर्ट में है, मनीष बाहेती क्लॉथ मार्केट और पैकिजिंग टेप इंडस्ट्री में है, और गौरव बाहेती की फूड प्रॉसेसिंग और पैकिजिंग इंडस्ट्री हैं। मनीष बाहेती श्री माहेश्वरी समाज, वैष्णव ट्रस्ट और यशवंत क्लब में अग्रणी भूमिका निभाते हुए परिवार का नाम रौशन कर रहे है। सन्दीप बाहेती आईएमए और लियो लेजेण्ड में भी सक्रिय हैं। गौरव बाहेती भी सीआईआई (Confederation of Indian Industry) में उच्च पद पर आसीन होकर, इंडस्ट्री को अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। उनका छोटे भ्राताबहू रमा (पत्नी स्व. रमन बाहेती) एवम उनके पुत्र-पुत्रवधु गौतम- सुरुचि, नकुल - स्मृति और पौत्र- पौत्रियां - ईशान, सौम्या, विवान और नायशा के प्रति भी अत्यधिक और अद्वितीय स्नेह, प्रेम और आशीर्वाद सदैव रहा।

समाजसेवा की वृहद श्रृंखला

श्री वैष्णव कमेटी, ट्रस्ट, न्यास व विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सक्रिय सदस्य, माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी स्व. श्री बाहेती शहर की विभिन्न खेल संस्थाओं, रोटरी व यशवंत क्लब के सदस्य थे। वैष्णव ट्रस्ट समूह के अध्यक्ष पुरुषोत्तमदास पसारी ने बताया कि श्री बाहेती माहेश्वरी साढ़े सात सौ पंचायती ट्रस्ट के अध्यक्ष, पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व मानद मंत्री, आप श्री माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र के संस्थापक मंत्री भी थे, आपके द्वारा ही पूर्वी क्षेत्र की स्थापना हुई थी। अहिल्या माता गोशाला जीवदया मंडल के सहमंत्री, महाराजा तुकोजीराव क्लॉथ मार्केट के कार्यकारिणी सदस्य पद पर रहे थे। आप वैष्णव आयुर्वेदिक औषधालय के मंत्री भी रहे। श्री बाहेती क्लॉथ मार्केट वैष्णव हायर सेकंडरी स्कूल के कोषाध्यक्ष और वैष्णव अकादमी के अध्यक्ष पद पर भी कार्यरत थे। आप वैष्णव वाणिज्य महाविद्यालय, विद्यापीठ महाविद्यालय एवं डायग्नोस्टिक व किडनी सेंटर, (खजराना) में सदस्य के रूप में भी कार्यरत थे। श्री जानकी नाथ मंदिर में कई सालो से निरंतर अधिक मास (धनुर्मास) में 108 भागवत पारायण कराने जैसा पुण्य कार्य आपने संपन्न कराया। महेश सेवा ट्रस्ट आपने शुरू किया, जिसमें विधवा महिलाओ के परिवार को राशन भेजना व विधवा विवाह जैसे कार्य करवाये जाते हैं।

ससुरजी के लिये भी थे ''पुत्र'' समान

स्व. श्री बाहेती हरसूद (इंदौर) निवासी श्रीमती गीतादेवी व स्व. श्री बालकिशन सोमानी के दामाद थे। ससुराल पक्ष में पूरे सोमानी परिवार का श्री बाहेती से वैसा ही लगाव था, जैसे वे उस परिवार के ही बड़े पुत्र हों। श्री माहेश्वरी समाज खंडवा के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री गोविंददास सोमानी भी आपके साले थे। आप निर्मला देवी -स्व. गोविंददास सोमानी, हरसूद, डॉ. रमेश-रेखा सोमानी (बुरहानपुर), जगदीश-राधा सोमानी (हरसूद), राजेंद्र-कल्पना सोमानी, (मुम्बई) के जीजाजी थे एवं कृष्णमोहन-शिल्पा सोमानी-(हरसूद) और रोहित-सोनाली सोमानी (इंदौर), अंकित-स्वाति सोमानी जोधपुर एवं करन-शिवानी सोमानी अमेरिका के फूफाजी थे।

कई हस्तियों ने किये श्रद्धासुमन अर्पित

उद्योग जगत से सुभाष मूँदड़ा, आनंद बांगड, प्रमोद सोमानी, अखिलेश राठी, मनोज बाहेती, नरोत्तम सोमानी इत्यादि ने अपनी शोक संवेदनाएं अर्पित की। माहेश्वरी समाज से रामवतार ज़ाजु, रामपाल सोनी, श्याम सोनी, प्रकाश बाहेती, कल्पना गगड़ानी आदि ने शोकाकुल परिवार को संवेदनाएं व्यक्त की। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, सांसद शंकर लालवानी, विजयशंकर मेहता, पूर्व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महेंद्र हार्डिया, जीतू जिराती, मन्त्रीगण तुलसी सिलावट, उषा ठाकुर सहित अनेक विधायकों एवं अनेक पूर्व विधायकों ने अपनी श्रृद्धांजलि अर्पित की।

ऐसे व्यक्तित्व जिन्होंने अपना जीवन समाजसेवा, धर्मनिष्ठ आचरण, गोसेवा, शिक्षा, संवर्धन में आहुत कर दिया। ऐसे श्रेष्ठ पारिवारिक मूल्यों से परिपूर्ण व्यक्तित्व की जीवन यात्रा को श्री माहेश्वरी टाइम्स परिवार भी नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपकी राशि वालों के लिए श्रेष्ठ फलदायी रहेगा। नवीन कार्य व्यवसाय में सफलता मिलेगी। दूर देश की यात्रा करेंगे। समाज परिवारजनों में मान-सम्मान में वृद्धि होगी। वाहन सुख, मकान सुख के योग प्रबल रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। सम्मान मिलने के साथ-साथ स्थाई संपत्ति में वृद्धि एवं परिवार में बटवारा, पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग रहेंगे। कर्ज के द्वारा प्रगति करेंगे। विवाह संबंध के योग प्रबल रहेंगे। दांपत्य जीवन की अनुकूलता रहेगी। गूढ़ रहस्य ज्ञान की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। भाई का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा।

वृषभ

यह माह आपकी राशि वालों के लिए आर्थिक दृष्टि से संपन्नता प्रदान करने वाला होगा। नवीन कार्य व्यवसाय के योग प्रबल रहेंगे। नौकरी वालों को नौकरी प्राप्ति के योग तथा पद-प्रतिष्ठा-पदोन्नति के योग प्रबल रहेंगे। विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाकात होगी। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। संपत्ति योग बनते हैं। समय पर बात याद नहीं रह पाएगी। हड्डी एवं दातों से कष्ट के योग रहेंगे। संतान से संबंधित कार्य में सफलता मिलेगी। सुस्वाद व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। पाचन तंत्र, पेट, गैस की तकलीफ का भी सामना करना पड़ेगा। दांपत्य जीवन औसत श्रेणी का रहेगा। विरोधी परास्त होंगे।

मिथुन

यह माह आपकी राशि वालों के लिए सफलता के नित नए आयाम रखेगा। शत्रु पर विजय प्राप्त होगी। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग किंतु मामा परिवार से वैचारिक मतांतर के भी योग रहेंगे। झूठे आरोप का सामना करना पड़ेगा। दूसरों के काम में अधिक रूचि रहेगी। मित्रता की कसौटी पर खरे उतरेंगे। दोस्त के लिए समर्पण भाव रहेंगे। धार्मिक यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। तीर्थाटन के योग, शुभ काम एवं मांगलिक काम में खर्च करेंगे। अपने बलबूते पर प्रकृति करते हुए जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे। वाहन सुख के योग प्रबल बनते हैं। पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कानूनी मुद्दों से दूर रहें तो अधिक अच्छा रहेगा।

कर्क

यह माह आपको शत्रु पर विजय प्रदान करने वाला होगा परंतु खर्च की भी अधिकता रहेगी। संतान के कार्यों को लेकर चिंता ग्रस्त रहेंगे परंतु समय पर काम बन जाएंगे। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। किसी विशेष ज्ञान की प्राप्ति होगी। दांपत्य जीवन की अनुकूलता रहेगी। विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे। भोजन पर नियंत्रण रखें। शुभ काम, मांगलिक कार्य, तीर्थ यात्रा, भोजन इत्यादि पर खर्च करना होगा। किसी विषय पर गहन मंथन करना होगा। मित्रों से भेंट होगी।

सिंह

यह माह आपके लिए सोचे हुए कार्यों में सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। शत्रु पर विजय मिलेगी। किसी विषय पर निर्णय लेने में दुविधा महसूस करेंगे। खोए-खोए रहेंगे। वाहन सुख के प्रबल योग बनते हैं। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाएंगे। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। संतान के रुके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी जिससे हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। आय के साधनों में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। भाई का स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या

यह माह आपके लिए किसी असंभव कार्य को कर दिखाने से मन प्रफुल्लित होगा। विरोधी परास्त होंगे। साहस का लोहा मानेंगे। एक श्रेष्ठ सलाहकार के रूप में पहचान बढ़ेगी। आय के साधनों की प्राप्ति, नवीन नौकरी एवं पदोन्नति के योग प्रबल रहेंगे। संतान की ओर से अनुकूलता रहेगी। पाचन तंत्र एवं पेट, गैस की तकलीफ के योग बनते हैं। धार्मिक कार्यों व शुभ कार्यों में एवं यात्रा पर खर्च करना पड़ेगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। राजनेताओं के माध्यम से रुके हुए कार्य पूर्ण हो जाएंगे। जैसा पैसा आएगा, उसी रफ्तार से खर्च भी हो जाएगा। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

तुला

यह माह आपके लिए संपत्ति की दृष्टि से श्रेष्ठ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस अवधि में आपको संपत्ति प्राप्ति के योग रहेंगे। चुनौतीपूर्ण कार्य को युक्तियुक्त तरीके से करने में सफलता प्राप्त होगी। वाहन सुख, मकान सुख की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। संतान प्राप्ति के योग, संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आय में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। किसी गूढ़ रहस्य, ज्ञान की प्राप्ति के योग एवं अचानक धन लाभ के योग भी रहेंगे। यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। कानून से संबंधित प्रकरणों में सफलता प्राप्त होगी। कर्ज लेना लाभकारी सिद्ध होगा। मित्रों से भेंट होगी।

वृश्चिक

यह माह आपको सोचे हुए कार्य में सफलता प्रदान करने वाला होगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। किसी पर आंख मूंदकर विश्वास करना हानिकारक सिद्ध होगा। भूमि भवन से संबंधित कार्य में सफलता अर्जित होगी। साथ ही लेखन के क्षेत्र में लोकप्रियता प्राप्त होगी। संपत्ति क्रय करने के योग बनते हैं। किसी चुनौतीपूर्ण कार्यों को हाथ में लेंगे एवं उसको युक्तियुक्त तरीके से क्रियान्वित कर सफलता अर्जित करेंगे। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। समय बर्बाद होगा। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। समाज-सेवा में रुचि बढ़ेगी। पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता पति से वैचारिक मतांतर संभव है। खर्च पर पूर्ण नियंत्रण होगा।

धनु

यह माह आपके लिए कठिन परिश्रम करने एवं श्रेष्ठ सफलता प्राप्ति के लिए श्रेष्ठ रहेगा। इस माह में आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। लोकप्रियता बढ़ेगी। संपत्ति क्रय करने के योग रहेंगे। वाणी की वजह से आपको अपने बिगड़े हुए कार्य को सुधारने में सफलता अर्जित होगी। परिवारजनों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। विरोधी परास्त होंगे। पुरानी बीमारी का अंत होगा एवं स्वास्थ्य उत्तम होगा। दांपत्य जीवन की अनुकूलता रहेगी। परिवार में विवाह संबंध तय होगा। घर में वृद्धजनों के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी।

मकर

यह माह आपके लिए सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करने वाला होगा। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। पद, प्रतिष्ठा, पदोन्नति के योग प्रबल रहेंगे। मनचाहा स्थान परिवर्तन होगा। मित्रों से भेंट होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। ऋण के माध्यम से संपत्ति का निर्माण होगा। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। अचानक आय में वृद्धि होगी। तेजी मंदी से संबंधित कार्य में सफलता मिलेगी। भौतिक सुख -सुविधाओं पर खर्च करेंगे किंतु एक के बाद एक समस्याओं का सामना भी करना पड़ेगा।

कुम्भ

यह माह आपको धार्मिक दृष्टि से उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। यश कीर्ति मिलेगी किंतु वाणी के कारण कार्यों में व्यवधान उपस्थित होगा। व्यय की अधिकता का सामना करना पड़ेगा। मानसिक तनाव बना रहेगा। किसी नवीन कार्य में पूंजीगत विनियोग सोच समझ कर करें। साझेदारी में काम करना हानिकारक अथवा मनमुटाव बढ़ा सकता है। पांव में दर्द मानसिक तनाव के योग बनते हैं। पर्याप्त आय के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। पिता से वैचारिक मतांतर रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी।

मीन

यह माह आपके लिए सुखद फलदायी रहेगा। धार्मिक यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। शुभ एवं मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। लोकप्रियता मिलेगी। चुनौती भरे कार्यों को करने में सफलता अर्जित होगी। इच्छित कार्यों के माध्यम से धन की प्राप्ति होगी। राजकीय पक्ष से अनुकूलता एवं प्रतिकूलता का सामना करना पड़ेगा। अचानक आय वाले कार्यों से धन प्राप्ति के योग प्रबल बनते हैं। मित्रों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। पाचन तंत्र, पेट, गैस की तकलीफ का सामना करना पड़ेगा। संतान के कार्यों से यश मिलेगा। विद्यार्थियों को अपने परिश्रम का पूर्ण लाभ प्राप्त होगा। नवीन रोजगार, नौकरी के योग प्रबल रहेंगे। विवाह संबंध होने के योग होंगे।

आभार!

समस्त सम्मानीय समाज जनों का
समस्त सेवा सदन सदस्यों बंधुओं का
समस्त सेवा सदन पदाधिकारीगण,
कार्यकारिणी व विशेष आमंत्रित सदस्यों का
समस्त दानदाताओं तथा मार्गदर्शकिगण का
एवं सदन के सभी कर्मचारी बंधुओं का
जिन्होंने
श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के
गत कार्यकाल में अपना
प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष सहयोग देकर
सेवा सदन को शिखर पर पहुँचाया।

आशा है ऐसा ही सहयोग व मार्गदर्शन
हमारी इस प्रतिष्ठित संस्था को
प्राप्त होता रहेगा।

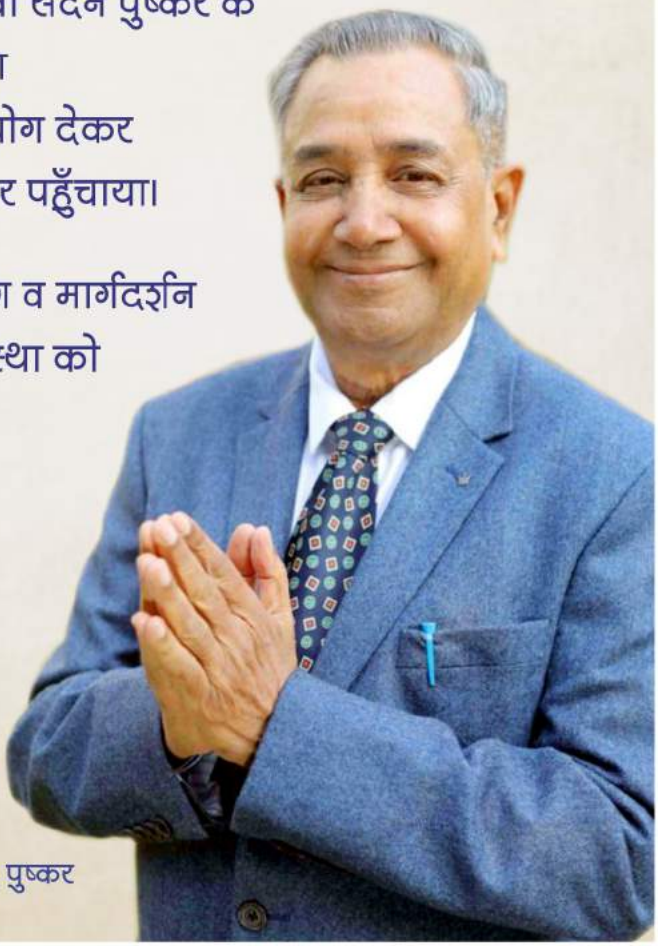

जुगलकिशोर बिड़ला
निवृत्तमान अध्यक्ष
श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT

BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP

Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 January, 2022

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com